हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

यह बैन फर्जी है...

छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े क्षेत्रीय कैंसर संस्थान में 50 फीसदी मरीज मुख से जुड़े हैं, जिसकी बड़ी वजह पान मसाला और तंबाकू का मिक्स है।

गुटखा बंद, पान मसाला-तंबाकू मिक्स, इससे बढ़े कैंसर के मरीज, छत्तीसगढ़ में सालाना 4000 से ज्यादा

- खुलेआम बिक्री, कोई पाबंदी नहीं
- अकेले आंबेडकर अस्पताल में ही 50 फीसदी मरीज मुख कैंसर के
- स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, रोकथाम के प्रयास करेंगे, जागरुकता भी जरूरी

विकास शर्मा ▶▶| रायपुर

अलग खबर

दशक भर पूर्व लोगों की सेहत को ध्यान में रखते हुए तंबाकूयुक्त गुटखा पर प्रतिबंध लगाया गया था। कई स्टडी में साबित हुआ था कि गुटखे की वजह से बड़ी संख्या में लोग कैंसर के शिकार हो रहे हैं। उम्मीद थी कि बैन लगने के बाद कैंसर मरीजों की संख्या में कमी आएगी। ▶▶| शेष पेज 4 पर

आंबेडकर में हर साल डेढ़ हजार मरीज

आंबेडकर अस्पताल में संचालित क्षेत्रीय कैंसर संस्थान में हर साल तंबाकू का उपयोग करने की वजह से डेढ़ हजार नए मरीज पहुंचते हैं। आंकड़ों के अनुसार यहां सालाना पांच हजार कैंसर पीड़ित अपने इलाज के लिए आते हैं जिसमें से आधे गले और मुख से संबंधित कैंसर के पीड़ित होते हैं जिसमें से साठ फीसदी की बीमारी की वजह तंबाकू का सेवन होता है।

इनका कहना

कम नहीं हुए केस

तंबाकू के सेवन की वजह से कैंसर पीड़ित होने वालों की संख्या में किसी तरह की कमी नहीं हुई है। रोकथाम के लिए तंबाकू से संबंधित तमाम उत्पादों को पूर्णतः प्रतिबंधित करने की आवश्यकता है। सालाना आने वाले कैंसर के मरीजों में 50 प्रतिशत गले और मुख से संबंधित होते हैं।

डॉ. विवेक चौधरी, एचओडी, कैंसर विभाग आंबेडकर अस्पताल

गंभीरतापूर्वक मनन

तंबाकू के सेवन की वजह से बढ़ती बीमारियों की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। तंबाकू की बिक्री को कैसे कम किया जा सकता है इस पर उच्च स्तर पर मनन किया जा रहा है। इसके साथ ही इससे होने वाली दुष्प्रभाव की जानकारी विभिन्न माध्यम से आम लोगों को देकर उन्हें जागरूक बनाने का प्रयास भी किया जा रहा है।

श्याम बिहारी जायसवाल, स्वास्थ्य मंत्री

केंद्र सरकार का बड़ा एक्शन, दिखा दिया बाहर का रास्ता

पूर्व आईएएस पूजा का 'खेल' खत्म

केंद्र सरकार ने विवादों में घिरी पूजा खेडकर पर बड़ा एक्शन लिया है। खेडकर को तत्काल प्रभाव से भारतीय प्रशासनिक सेवा से मुक्त कर दिया। पूजा पर धोखाधड़ी करने और सेवा में अपना चयन सुनिश्चित करने के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग और विकलांगता कोटा लाभों का गलत तरीके से लाभ उठाने का आरोप लगाया गया है। उसने सभी आरोपों से इंकार किया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने छह सितंबर, 2024 के आदेश के तहत आईएएस (परिवीक्षाधीन) नियम, 1954 के नियम 12 के तहत पूर्व परिवीक्षाधीन लोक सेवक पूजा खेडकर को तत्काल प्रभाव से भारतीय प्रशासनिक सेवा से मुक्त कर दिया।

संघ लोक सेवा आयोग ने 31 जुलाई को उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी थी। इसके साथ ही उन्हें भविष्य की परीक्षाओं से रोक दिया था। खेडकर अपने कैडर राज्य महाराष्ट्र में एक ट्रेनी आईएएस अधिकारी के रूप में कार्यरत थीं। इससे पहले, ▶▶| शेष पेज 4 पर

- पूजा खेडकर को तत्काल प्रभाव से भारतीय प्रशासनिक सेवा से हटाया
- केंद्र सरकार ने 6 सितंबर को खेडकर को हटाने का जारी किया था आदेश
- यूपीएससी की तरफ से पहले ही उनकी उम्मीदवारी को किया जा चुका है रद्द

किस नियम का इस्तेमाल?

केंद्र ने 6 सितंबर, 2024 के आदेश के तहत आईएएस (प्रोबेशन) नियम, 1954 के नियम 12 के तहत खेडकर को तत्काल प्रभाव से भारतीय प्रशासनिक सेवा से बर्खास्त कर दिया। नियम केंद्र सरकार को प्रोबेशनर्स को सेवा से बर्खास्त करने की ▶▶| शेष पेज 4 पर

अंतरिम जमानत पर हैं खेडकर

खेडकर फिलहाल अंतरिम जमानत पर हैं। यूपीएससी और दिल्ली पुलिस दोनों ने अपने-अपने जवाब में इस आधार पर गिरफ्तारी से पहले जमानत याचिका खारिज करने की मांग की। पुलिस का कहना था कि उन्हें कोई भी राहत देने से जांच में बाधा आएगी। साथ ही इस मामले का जनता के भरोसे के साथ-साथ सिविल सेवा परीक्षा की ईमानदारी पर भी व्यापक असर पड़ेगा। जुलाई में यूपीएससी ने पूजा खेडकर की अनंतिम उम्मीदवारी रद्द कर दी थी। उनपर धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोप थे। यूपीएससी ने पूजा खेडकर को नियमों का उल्लंघन करने का दोषी पाया था।

क्या था विवाद?

34 वर्षीय पूजा खेडकर पर ऑफिस में अलग चैंबर और आधिकारिक कार मांगने के साथ-साथ अपनी निजी ऑडी कार पर लाल बत्ती के अनधिकृत उपयोग के आरोप लगने के बाद मीडिया में काफी चर्चा हुई थी। शुरुआत में पुणे में तैनात खेडकर को विवाद के बीच पुणे जिला कलेक्टर ने वाशिम ट्रांसफर कर दिया था। हालांकि, उनकी परेशानियां यहीं खत्म नहीं हुईं। ▶▶| शेष पेज 4 पर

सांसद ने की वृद्धि तत्काल वापस लेने की मांग

सीमेंट की कीमत में 50 रुपए का इजाफा, 260 से सीधे 310

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश में सीमेंट कंपनियों ने अचानक सीमेंट की कीमत में 50 रुपए प्रति बोरी पर इजाफा कर दिया है। इस वृद्धि पर रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने भारी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने सीमेंट की बढ़ी कीमतों को कम करवाने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण और भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के अध्यक्ष को पत्र लिखा है। अपने पत्र में बृजमोहन अग्रवाल ने लिखा है, छत्तीसगढ़ खनिज, लौह, कोयला, ऊर्जा संपदा से भरपूर प्रदेश है, इसके बावजूद भी सीमेंट कंपनियों के संगठनों द्वारा एक कार्टेल बनाकर सीमेंट की कीमतों में 3 सितंबर से बेतहाशा वृद्धि कर दी गई ▶▶| शेष पेज 4 पर

बृजमोहन ने लिखा केंद्रीय मंत्री सीतारमण और मुख्यमंत्री साय को पत्र

सरकारी योजनाओं पर भी पड़ेगा असर

सरकारी एवं जनहित के प्रोजेक्ट के लिए मिलने वाला सीमेंट 210 रुपए प्रति बोरी से बढ़ाकर 260 रुपए प्रति बोरी कर दिया गया है। सीमेंट की कीमतों में इस वृद्धि से छत्तीसगढ़ में चल रहे इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट, सड़क, भवन, पुल-पुलिया, नहर, स्कूल, कॉलेज, आंगनबाड़ी भवनों सहित गरीबों के लिए निर्मित पीएम आवास योजना पर भी असर पड़ेगा। सभी शासकीय प्रोजेक्ट की लागत बढ़ जाएगी। जो राज्य हित और देश हित दोनों के लिए उचित नहीं है।

भारत को मिला 29वां पैरालंपिक पदक

पेरिस। भारत के पैरा भाला फेंक एथलीट नवदीप ने पुरुष भाला फेंक एफ41 स्पर्धा में निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ रजत पदक अपने नाम किया। नवदीप ने अपने तीसरे प्रयास में 47.32 मीटर का थ्रो किया जो उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो रहा। भारत अब तक इस पैरालंपिक में छह स्वर्ण, 10 रजत और 13 कांस्य पदक समेत 29 पदक जीत चुका है तालिका में 15वें स्थान पर चल रहा है।

तीसरे स्थान पर सिमरन

भारत की सिमरन ने शनिवार को यहां पैरालंपिक खेलों में महिलाओं की 200 मीटर टी12 फाइनल में कांस्य पदक जीता। मौजूदा विश्व चैंपियन सिमरन 24.75 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ पोडियम पर तीसरे स्थान पर रही।

चक्रधर समारोह का शुभारंभ

रायगढ़। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार की शाम रामलीला मैदान में दीप प्रज्जवलित कर 39 वें चक्रधर समारोह का शुभारंभ किया।

चक्रधर समारोह में प्रस्तुति देने रायगढ़ पहुंचीं हेमामालिनी

ओटीटी की फिल्में परिवार के साथ देखने लायक नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायगढ़

चक्रधर समारोह में प्रस्तुति देने पहुंचीं फिल्म अभिनेत्री, मथुरा की सांसद हेमा मालिनी ने कहा है कि आज चक्रधर समारोह जैसे बडे.आयोजनों की जरूरत है। इससे संस्कृति को आगे ले जाने कलाकारों को मौका मिलता है। वर्तमान में ओटीटी पर आने वाली फिल्में व वेबसिरीज को परिवार के साथ बैठकर ▶▶| शेष पेज 4 पर

बृज कला संस्कृति बहुत सुंदर

एक सवाल के जवाब में हेमामालिनी ने कहा कि आज के छोटे-छोटे बच्चे बहुत बेहतर डांस करते हैं, लेकिन बृज कला संस्कृति बहुत सुंदर है। बृज की भाषा और गान के ▶▶| शेष पेज 4 पर

पहले होती थी बहुत सुंदर फिल्में

फिल्म अभिनेत्री ने कहा कि फिल्मी गाने को खराब नहीं बोल रही हूं, बहुत अच्छा है, क्योंकि उसमें उस रोल के हिसाब से उनका फरफार्मेस होता है। हमारे समय की फिल्म भी बहुत बढ़िया थी, बहुत ही सिंपल और सुंदर, जिसे कोई भी परिवार के साथ बैठकर देख सकता है। आजकल फिल्म पूरा परिवार बैठकर नहीं देख सकते। बच्चों को बोलना पड़ता है कि ऐसी फिल्म मत देखो।

मणिपुर में हिंसा पांच की मौत

इंफाल। मणिपुर के जिरीबाम जिले में शनिवार को फिर हिंसा हुई। घटना में पांच लोगों की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने बताया, एक व्यक्ति की नींद में गोली मारकर हत्या करने के बाद, दो विरोधी समुदायों के हथियारबंद लोगों के बीच गोलीबारी में चार अन्य लोग मारे गए। पुलिस के मुताबिक जिला मुख्यालय से करीब 5 किलोमीटर दूर एक सुनसान जगह पर अकेले रहने वाले व्यक्ति के घर में उग्रवादी घुसे और उसे सोते समय गोली मार दी। हत्या के बाद जिला मुख्यालय से लगभग 7 किलोमीटर दूर पहाड़ियों में विरोधी समुदायों के हथियारबंद लोगों के बीच भारी गोलीबारी हुई, जिसमें तीन पहाड़ी उग्रवादियों सहित चार हथियारबंद लोगों की मौत हो गई।

देशभर में गणेशोत्सव की धूम, जगह-जगह विराजे गणपति बप्पा

कोलकाता

नई दिल्ली/मुंबई। गणेश चतुर्थी का त्योहार शनिवार से शुरू हो गया है। 10 दिनों तक चलने वाले गणेशोत्सव की धूम भारत ही नहीं, दुनियाभर में देखने को मिलती है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता समेत देशभर के प्रमुख शहरों में उत्सव को लेकर खासी पुलिस व्यवस्था की गई है। मुंबई में 10 दिवसीय गणेश उत्सव के दौरान सुरक्षा के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा करीब 15,000 पुलिस कर्मियों को तैनात किए गए हैं। गणेश चतुर्थी के मौके पर मुंबई के प्रसिद्ध मंदिर सिद्धिविनायक सुबह खास आरती की गई।

मुंबई

लालबाग के राजा ने पहना 15 करोड़ का सोने का मुकुट

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने देशवासियों को दी बधाई

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समस्त देशवासियों को गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर बधाई दी है। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री मोदी ने अपने-अपने एक्स हैंडल पर शुभकामना संदेश प्रेषित किए हैं। देशभर में आज से गणेशोत्सव शुरू हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि गणेशोत्सव राष्ट्र जागरण का भी पर्व है।

सिद्धिविनायक मंदिर में की गई पहली आरती
गणपति बप्पा मोरयाके पवित्र घोष के साथ मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में पहली आरती की गई। इस दौरान मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। ऐसा ही दृश्य लालबागचा राजा मंदिर में रहा। नागपुर के टेकड़ी गणेश मंदिर में भक्तों ने पूजा-अर्चना की। गुजरात में अहमदाबाद के वस्त्रपुर ना महागणपति मंदिर में सुबह की आरती की गई।

शिमला

अमृतसर

खबर संक्षेप

चीन में चक्रवात से दो लोगों की मौत, 92 घायल

हांगकांग। चीन के हैनान प्रांत में शक्तिशाली चक्रवात 'यागी' की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई और कम से कम 92 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि च्रकवात से भारी बारिश और हवाओं के कारण 8,00,000 से अधिक घरों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।

सुरक्षा बलों ने उग्रवादियों के तीन बंकर नष्ट किए

इंफाल। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में सुरक्षा बलों ने उग्रवादियों के तीन बंकर नष्ट कर दिए। बिष्णुपुर में उग्रवादियों के रॉकेट हमले में एक व्यक्ति की मौत और छह अन्य के घायल होने के बाद सुरक्षा बलों ने यह कार्रवाई की। यह अभियान शुक्रवार को चुराचांदपुर जिले के मुआलसांग और लाइका मुआलसौ गांव में चलाया गया।

रिश्वत मामले में मुंबई पुलिस के एक निरीक्षक पर जुर्म दर्ज

राजकोट (गुजरात)। राजकोट में एक व्यक्ति से कथित रूप से 10 लाख रुपए रिश्वत के तौर पर लेते हुए एक बिचौलिये के पकड़े जाने के बाद मुंबई के मटुंगा थाने के निरीक्षक दिगंबर पागर के खिलाफ भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के तहत शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। एसीबी ने बताया कि यह बिचौलिया उक्त पुलिसकर्मी की तरफ से रिश्वत ले रहा था।

- शाह ने कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस गठबंधन पर साधा निशाना
- 18 सितंबर से तीन चरणों में होंगे विधानसभा चुनाव

भाजपा कार्यकर्ताओं की रैली में केंद्रीय गृहमंत्री ने भरी हुंकार

कश्मीर में राष्ट्रध्वज और संविधान के तहत 'ऐतिहासिक' चुनाव हो रहे : शाह

एजेंसी ▶▶| जम्मू

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) गठबंधन पर 'पुरानी व्यवस्था' को पुनर्जीवित करने की कोशिशें करने और जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद तथा भ्रष्टाचार में धकेलने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार आतंकवाद को फिर से सिर नहीं उठाने देगी और गुर्जर, पहाड़ी, बक्करवाल तथा दलित समेत किसी भी समुदाय के साथ अन्याय नहीं होने देगी, जिन्हें भाजपा सरकार ने आरक्षण दिया है।

शाह 18 सितंबर से तीन चरणों में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के चुनाव प्रचार अभियान को मजबूती देने के वास्ते जम्मू के दो दिवसीय दौरे पर हैं। उन्होंने शुक्रवार को दौरे के पहले दिन पार्टी का चुनाव घोषणापत्र जारी किया और प्रचार रणनीति पर चर्चा के लिए वरिष्ठ नेताओं के साथ दो अहम बैठकों की अध्यक्षता भी की। गृह मंत्री ने दिल्ली रवाना होने से पहले शनिवार को यहां भाजपा कार्यकर्ताओं की एक रैली में कहा, जम्मू-कश्मीर में आगामी चुनाव ऐतिहासिक हैं, क्योंकि आजादी के बाद यहां पहली बार हमारे राष्ट्र ध्वज व संविधान के तहत चुनाव हो रहे हैं, जबकि पहले दो ध्वज और दो संविधान के तहत चुनाव होते थे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विधानसभा चुनाव के बाद जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने का शनिवार को आश्वासन देते हुये कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा अनुच्छेद-370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त किए जाने के बाद यह चुनाव जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय ध्वज और संविधान के तहत होने वाला पहला विधानसभा चुनाव है।

नेकां-कांग्रेस सत्ता में आई तो फिर आतंकवाद

भाजपा नेता शाह ने कहा, अगर नेकां-कांग्रेस सत्ता में लौटती हैं तो इसे आतंकवाद का फिर से उठना मानिए। जम्मू-कश्मीर, खासकर जम्मू को तय करना है कि उन्हें आतंकवाद चाहिए या शांति और विकास... जब भाजपा है तो कोई भी घुसपैठ करने की हिम्मत नहीं करता।" उन्होंने कहा, "जब मोदी सरकार ने (2014 में) सत्ता संभाली थी, तो उसने आतंकवाद को वित्तपोषित करने वालों को जेल भेजकर उनके लिए विनाश का मार्ग प्रशस्त किया था। वे एलओसी पर निलंबित व्यापार को शुरू करने की बात कर रहे हैं, जिसका लाभ आतंकवाद को मिलेगा।

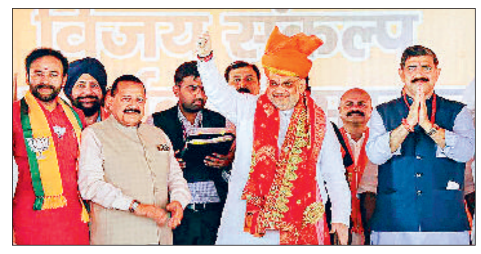

आतंकवाद से गई 40 हजार से अधिक की जान : स्वायतता प्रस्ताव के कार्यान्वयन के नेशनल कॉन्फ्रेंस के वादे का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि कोई भी शक्ति स्वायतता की बात नहीं कर सकती, क्योंकि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के कारण 40,000 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

चुनाव संहिता के उल्लंघन के लिए नौ प्राथमिकी दर्ज : जम्मू-कश्मीर में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के लिए नौ प्राथमिकी दर्ज की गईं। पांच सरकारी कर्मचारियों को निलंबित किया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय ने एक बयान में यह जानकारी दी है। बयान में कहा गया है कि 23 चेतावनियां जारी की गईं और चुनाव आचार संहिता उल्लंघन के 48 मामलों में जांच जारी है।

भाजपा ने सत्ता पाने किया समझौता : उमर

श्रीनगर। नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को आरोप लगाया कि भाजपा ने जम्मू-कश्मीर में सरकार का हिस्सा बनने के लिए कुछ क्षेत्रीय दलों और कुछ निर्दलीय उम्मीदवारों के साथ समझौता किया है। अब्दुल्ला ने कहा कि वह शुक्रवार को भाजपा का घोषणापत्र जारी करते समय अपने भाषण के दौरान अपनी पार्टी और पीपुल्स कांफ्रेंस के बारे में 'चुप' रहे। अब्दुल्ला ने कहा, ...जिन्होंने दिल्ली के साथ समझौता किया है, वे आपकी मांगें पूरी नहीं करेंगे। अगर आपको इसके लिए सबूत चाहिए, तो कल जम्मू में गृह मंत्री अमित शाह के बयान को देख लीजिए। उन्होंने कहा, गृह मंत्री ने उन पार्टियों का जिक्र किया जिनके साथ भाजपा सरकार नहीं बनाएगी।

पीएम मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' थीम पर गणेश पंडाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

इस बार भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 के पास पर्यावरण संरक्षण थीम पर ट्री वेस्ट से बने पंडाल में 17 फीट के गणपति विराजमान हुए हैं।

पुंडुचेरी के प्रसिद्ध गणपति मंदिर में स्थापित गणेश प्रतिमा की छवि इस प्रतिमा में नजर आ रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान को जीवंत करते हुए पर्यावरण संरक्षण की थीम पर भव्य पंडाल का निर्माण किया गया है।

पंडाल बनाने में ट्री वेस्ट से लेकर पत्तल व चटाई जैसी वस्तुओं का इस्तेमाल किया गया है।

पुडुचेरी की गणेश प्रतिमा सेक्टर-2 में विराजमान

प्राकृतिक संसाधनों से पंडाल का निर्माण

न्यू आजाद गणेश उत्सव समिति सेक्टर 2 के 40वें वर्ष में ट्री वेस्ट से झांकी तैयारी की गई है। पंडाल को तीन भागों में विभाजित किया है। पहला वन देवी, दूसरा वन देवता और तीसरा गणपति को समर्पित है।

जंगल एवं खेत से जुड़े सारे सामान

सजावट में उपयोग में लाए गए सारे सामान जंगल एवं खेत से जुड़े हैं। धान, गेहूं व सरसों की बाली, जंगली फूल, कंदमूल, कमल गट्टा, केले का छिलका, पपीता के पेड, भोजन में उपयोग आने वाले पत्तल, बास की चटाई, गिलोय, सहित अन्य प्राकृतिक संसाधनों से पंडाल की झांकी का निर्माण हुआ है। कोलकाता के 60 कारीगरों ने डेढ़ महीने की कड़ी मेहनत के बाद इसे तैयार किया है।

सेना में शामिल हुए 297 अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

- ओटीए, चेन्नई में आयोजित की गई पासिंग आउट परेड

अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी (ओटीए), चेन्नई में शनिवार को पासिंग आउट परेड (पीओपी) समारोह का आयोजन किया गया। इसके बाद भारतीय सेना की अलग-अलग शाखाओं में 39 महिलाओं सहित कुल 297 अधिकारी शामिल हो गए। सेना ने एक बयान में बताया कि समारोह में पास होने वालों में 15 अधिकारी (10 पुरुष और 5 महिलाएं) कैडेट भारत के मित्र देशों के हैं। इन्होंने भी सफलतापूर्वक अकादमी से अपना प्रशिक्षण पूरा किया है। इस गतिविधि के पूरा

होने से अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सौहार्द और सहयोग की भावना को बढ़ावा मिलता है। पीओपी की समीक्षा उप सेनाप्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एन.एस.राजा सुब्रमणि ने की।

कमान को कुशल, अनुशासित बनाएं अधिकारी : समारोह में युवा अधिकारियों को संबोधित करते हुए उप सेनाप्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि ने कहा कि जल्द ही आप सभी को दुनिया के कुछ बेहतरीन सैनिकों की कमान संभालने का सौभाग्य मिलेगा।

इन कैडेटों को मिला पुरस्कार : समारोह में उप सेनाप्रमुख ने युवा कैडेटों को ओटीए में उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया। इसमें लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि ने युवा अधिकारी कैडेट बीयूओ समर्थ सिंह को स्वार्ड ऑफ ऑर्नर, बीयूओ सिमरन सिंह राठी को ओटीए गोल्ड मेडल, एयूओ तनिष्का दामोदरन को सिल्वर मेडल एसीए देवेश चंद्र जोशी को ब्रांज मेडल से सम्मानित किया।

तीन मंजिला बिल्डिंग ढही, पांच की मौत, 30 का रेस्क्यू

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

लखनऊ के ट्रांसपोर्ट नगर में शाम करीब पांच बजे तीन मंजिला बिल्डिंग गिर गई। इस बिल्डिंग का नाम हरमिलाप है।
बिल्डिंग गिरते ही आनन-फानन में राहत और बचाव कार्य शुरू हुआ। करीब 30 लोगों को रेस्क्यू किया गया। इसमें से 27 जख्मी लोकबंधु अस्पताल पहुंचाए गए। अभी तक आ रही खबर के अनसुार पांच लोगों की मौत हो गई है। अभी भी पांच लोग गंभीर रूप से घायल हैं। सीएम योगी ने हादसे पर दुख प्रकट किया है। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को घटना स्थल और लोकबंधु अस्तपाल पहुंचने के निर्देश दिए हैं। लखनऊ के जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार मौके पर मौजूद हैं।

इनकी हो गई मौत : इस हादसे में मनजीत सिंह शहानी, धीरज, पंकज, अरुण समेत एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। लखनऊ में बिल्डिंग गिरने के बाद राहत बचाव का काम तेज कर दिया गया है। मलबे में दबे लोगों में एक बुजुर्ग महिला भी थी, जिसके सिर पर ज्यादा चोट आई है।

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का हेलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
सुखौना टेबलेट
20 वर्षों से प्रसिद्ध 94060-21769

सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी के साथ हैदराबाद हाउस में होगी द्विपक्षीय बैठक

आज से भारत की यात्रा पर यूएई के क्राउन प्रिंस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

- दोनों देशों के आपसी हितों से जुड़े हुए जरूरी मुद्दों पर बातचीत की जाएगी

पश्चिम एशिया में बने हुए तनावपूर्ण हालात के बीच रविवार से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद अल नाहयान भारत की तीन दिवसीय (8 से 10 सितंबर तक) आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। उनके साथ यूएई की सरकार के कुछ मंत्री और एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी शामिल होगा।

सोमवार 9 सितंबर को शेख मोहम्मद अल नाहयान की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ राजधानी के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय बैठक होगी। इसमें दोनों देशों के आपसी हितों से जुड़े हुए जरूरी मुद्दों पर बातचीत की जाएगी। इसके अलावा इजरायल और हमास संघर्ष की वजह से बने हुए समूचे हालात पर भी दोनों नेता बैठक में चर्चा कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण पर क्राउन प्रिंस की यह भारत यात्रा हो रही है। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी।

मजबूत होंगे द्विपक्षीय संबंध

मंत्रालय ने बताया कि यूएई के क्राउन प्रिंस की भारत यात्रा से दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक मजबूती मिलेगी। साथ ही इससे नए और उभरते हुए क्षेत्रों में भी दोनों देशों के लिए भागीदारी करने के रास्ते खुलेंगे। 9 सितंबर को प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक से पहले यूएई के क्राउन प्रिंस को राष्ट्रपति भवन में परंपरागत गार्ड ऑफ ऑर्नर का सम्मान दिया जाएगा।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, कैनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, रजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्पलेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

वात, स्पाइन एवं पाइल्स केयर
मेडिक्लेम सुविधा उपलब्ध
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
मो. 9039050422
मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508130

रायपुर
रायपुर, रविवार 8 सितंबर 2024
भाद्रपद शुक्ल पक्ष पंचमी
वर्ष : 23, अंक : 52
पृष्ठ : 12+8 = 20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 33.2
न्यून. 25.4

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

07 लगातार 8 फिल्मों से मचाएंगी धमाल

आजकल
02 जातिवादी राजनीति के भंवर में...

महिलाओं के कंधे पर सवार नक्सलवाद, 8 माह महीने में 153 नक्सली मारे इनमें से 52 महिलाएं

राजेश दास ▸▸ जगदलपुर

अलग खबर

बस्तर में बीते आठ महीने में 153 नक्सलियों का एनकाउंटर हुआ है। इनमें 101 पुरुष थे, महिला नक्सलियों की संख्या थी 52। बड़ी संख्या में नक्सलियों ने सरेंडर भी किया है। पुरुष नक्सलियों के मारे जाने और सरेंडर करने के बाद बस्तर में नक्सलवाद अब महिला नक्सलियों के कंधे पर सवार है। नक्सल संगठनों में उनकी ▸▸ शेष पेज 4 पर

सक्रिय हथियारबंद नक्सलियों की संख्या 800 से अधिक

बस्तर संभाग के सातों जिलों में वर्तमान में सक्रिय हथियारबंद नक्सलियों की संख्या 8 सौ से अधिक है, जो फ्रंट में रहते हुए सुरक्षाबलों को निशाना बनाने सक्रिय है। इन नक्सलियों पर करोड़ों का इनाम घोषित है, इनमें 40 व 25 लाख से लेकर 1 लाख तक के नक्सली मेंबर शामिल हैं। वहीं नीचे ▸▸ शेष पेज 4 पर

वर्ष 2011-12 से महिलाओं की बड़ी संख्या में बाल संगठन में हुई भर्ती

■ नक्सल संगठन में पुरुषों से अधिक 55 प्रतिशत संख्या महिलाओं की

ब्रेनवॉश कर महिलाओं की संगठन में भर्ती

पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं व छोटी बच्चियों के परिजनों को धमकाकर तथा उनका ब्रेनवॉश कर नक्सल संगठन में भर्ती किया जाता रहा है। सर्वाधिक महिलाओं व बच्चियों की भर्ती वर्ष 2011-12 से शुरू की गई थी।
- सुंदरराज पी., आईजी, बस्तर

करोड़ों के ईनामी नक्सली मारे गए

सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 153 नक्सलियों को मार गिराया। इन 8 महिनों में सर्वाधिक 52 नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने बीजापुर जिले में मार गिराया। इनमें 40 पुरुष व 12 महिला माओवादी शामिल है। इसके अलावा दंतेवाड़ा जिले में 25 माओवादियों के शव बरामद किया गया इनमें 13 पुरूष व 12 महिला माओवादी, कांकेर जिले में 35 माओवादियों में 20 पुरुष व 15 महिला माओवादी, नारायणपुर जिले में मारे गए 34 माओवादियों में 21 पुरूष व 13 महिला माओवादी तथा सुकमा जिले में मुठभेड़ में मार गिराए गए 7 माओवादियों में सभी 7 पुरूष माओवादी शामिल है।

मिस्ड कॉल करके कई निष्कासित फिर से बन गए हैं सदस्य

मिस्ड कॉल से ही नहीं मिलेगी साय को भाजपा की सदस्यता

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

खास खबर

भाजपा का सदस्यता अभियान प्रारंभ होने के बाद भाजपा छोड़कर कांग्रेस में गए वरिष्ठ आदिवासी नेता नंदकुमार साय ने भी मिस्ड कॉल करके भाजपा की सदस्यता ले ली है। इसी के साथ और भी कई ऐसे सदस्य हैं जिनको निष्कासित किया गया है, उन लोगों ने भी सदस्यता ले ली है, लेकिन महज मिस्ड कॉल करके सदस्यता लेने से कुछ होने वाला नहीं है। सत्यापन के बाद ही तय होगा कि कौन भाजपा का सदस्य रहेगा कौन नहीं। इसी के साथ सक्रिय सदस्य के लिए जहां 50 सदस्य बनाना जरूरी है, वहीं इसके बाद जिलाध्यक्ष और जिले के प्रभारी की भी सहमति जरूरी होने पर सक्रिय सदस्यता मिलेगी।

भाजपा का देश भर में सदस्यता अभियान दो सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहले सदस्य बनने के बाद से प्रारंभ हो गया है। श्री मोदी के सदस्य बनने के बाद सदस्य बनने के लिए मिस्ड कॉल करने के लिए मोबाइल नंबर जारी किया गया। नंबर जारी होने के ▸▸ शेष पेज 4 पर

स्क्रूटनी के बाद होगा आखिरी फैसला

सत्यापन जरूरी

सबसे अहम बात यह है कि सदस्यता के लिए सत्यापन जरूरी है। सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक अनुराग सिंहदेव के मुताबिक जो सीधे मिस्ड कॉल करके सदस्य बन गए उनकी भी पूरी सूची सदस्यता ▸▸ शेष पेज 4 पर

लौट के साय ... घर को आए...

रायपुर। भाजपा छोड़कर कांग्रेस में जाने वाले भाजपा के पूर्व वरिष्ठ नेता नंदकुमार साय की एक बार फिर भाजपा में वापसी हो गई है। भाजपा के सदस्यता अभियान के प्रारंभ होने पर श्री साय ने खुद से मिस कॉल करके वापस भाजपा की सदस्यता ली है। श्री साय ने भाजपा की सदस्यता लेने के बाद सोशल मीडिया में इसको शेयर करते हुए लिखा, देश की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण करना गौरव का विषय है। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव ने कहा, श्री साय कांग्रेस में चले गए थे, लेकिन वे एक बार फिर से भाजपा में सदस्यता लेकर वापस आ गए हैं, तो उनका स्वागत है।

ऑफलाइन भी भराए जाएंगे फार्म

भाजपा नेताओं का साफ कहना है कि महज मिस्ड कॉल करके सदस्य बनने से कुछ नहीं होना है। इस बार तय किया गया है बूथ स्तर से भाजपा के कार्यकर्ता ही सदस्य बनाने का काम करेंगे। इसी के साथ जो मिस्ड कॉल करके भी सदस्य बन रहे हैं, उनको ऑफलाइन फार्म भी भरने हैं। ऑफलाइन फार्म भरने के बाद इसका बूथ स्तर से लेकर शक्ति केंद्र, मंडल, जिला स्तर पर रजिस्टर में नाम दर्ज रहेगा। इसकी एक प्रति प्रदेश संगठन के पास भी आएगी।

सत्यापन के बाद ही माना जाएगा सदस्य

सदस्यता के लिए सत्यापन की संगठन में पहले से ही प्रक्रिया है। इस बार जिलों में रजिस्टर भी बनाया जा रहा है। सदस्यता के लिए जिलों में सत्यापन होगा। सत्यापन के बाद ही किसी को सदस्य माना जाएगा।
- अनुराग सिंहदेव, प्रदेश संयोजक सदस्यता अभियान

सक्रिय सदस्यता का यह पैमाना

प्राथमिक सदस्यता के बाद सक्रिय सदस्य बनना होता है। इसके लिए 50 सदस्य बनाने होते हैं। लेकिन महज 50 सदस्य बनाने से कोई सक्रिय सदस्य नहीं बन जाता है। इसके लिए यह जरूरी है जिलाध्यक्ष और जिले के प्रभारी जब तक सक्रिय सदस्य के नाम पर सहमति नहीं देंगे किसी को सक्रिय सदस्यता नहीं मिलेगी। सक्रिय सदस्यों को ही पार्टी में कोई पद दिया जाता है।

मामला आदिवासी युवक की हत्या का

हत्या के बाद आदिवासियों में आक्रोश, रोका रास्ता, घेरा थाना

■ आरोपियों को बचाने वाले पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई और दो करोड़ मुआवजा की मांग
■ मृतक की पत्नी सलीमा लकड़ा को शासकीय सेवा देने की भी मांग

चार घंटे से अधिक चला प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ अंबिकापुर/सीतापुर

हरिभूमि फॉलोअप

आदिवासी युवक संदीप लकड़ा की बेरहमी से हत्या कर शव को ओवरहेड टैंक के नीचे दफन करने की घटना को लेकर शनिवार को आदिवासी समाज का आक्रोश भड़क उठा। सर्व आदिवासी समाज ने सीतापुर थाने का घेराव करने के साथ ही एनएच 43 को जाम कर दिया। मृतक के परिजन ने शेष आरोपियों की गिरफ्तारी होने तक शव लेने व अंतिम संस्कार करने से इंकार कर दिया है। इधर ▸▸ शेष पेज 4 पर

चल रही है तलाश

इस मामले में अब तक चार आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है और दो फरार आरोपियों की तलाश जारी है। मृतक के परिजन व समाज को समझाइश दी गई है। दो पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है। फिलहाल शव को पुलिस कस्टडी में रखा गया है और इस मामले की विवेचना जारी है।
- अमोलक सिंह ढिल्लो एएसपी

बेसबॉल बैट से पीटा हाथ-पैर बांधकर मरने के लिए छोड़ दिया था

अम्बिकापुर। आदिवासी युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस मामले में मुख्य आरोपी समेत अन्य अभी भी फरार बताए जा रहे है जिनकी तलाश जारी है। आरोपियों ने कबूल किया है कि उन्होंने दीपेश उर्फ संदीप लकड़ा की बेदम पिटाई ▸▸ शेष पेज 4 पर

■ चार आरोपी गिरफ्तार, मुख्य आरोपी समेत अन्य की तलाश जारी

खबर संक्षेप

विमान में खराबी के कारण सात लोग घायल

सिंगापुर। सिंगापुर से चीन के ग्वांगझाऊ शहर जा रहा एक विमान तकनीकी खराबी के कारण बीच हवा में लहराने लगा। इससे उसमें सवार सात लोग घायल हो गए। शुक्रवार सुबह जब विमान ग्वांगझाऊ के पास पहुंचा, तो उसमें कुछ खराबी आ गई।

बस पलटने से एक यात्री की मौत, 16 घायल

चंडीगढ़। पंजाब के पठानकोट में हिमाचल प्रदेश से आ रही एक बस के पलटने से एक यात्री की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भिलाई के नंदनी-खुंदनी में बड़ी वारदात

गणेशोत्सव में डीजे विवाद को लेकर तीन भाइयों की हत्या

वारदात के बाद क्षेत्र में सनसनी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिलाई

■ आरोपी पुलिस पकड़ से बाहर

गणेशोत्सव में डीजे को लेकर हुए विवाद में तीन भाइयों की जान चली गई। वारदात की जानकारी लगने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला का शांत कराया है। फिलहाल इतनी बड़ी वारदात के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम नंदनी खुंदनी में दो गुटों में जमकर मारपीट हुई है। एक गुट पुराना शीतला पारा और दूसरा यादव मोहल्ला का है। शुक्रवार को भगवान गणेश की मूर्ति की स्थापना करने मूर्ति को डीजे की धुन में लेकर आ रहे थे। इस दौरान शीतला पारा गुट के युवकों का यादव मोहल्ला के युवकों से जमकर विवाद हो गया था। देर शाम माहौल शांत होने के बाद सभी अपने अपने घर निकल गए। शनिवार की देर शाम एक बार फिर दोनों गुटों में जमकर विवाद हो गया। घटना में यादव पारा के युवकों में राजेश यादव, करण यादव और वासु यादव को चाकू से हमला कर दिया गया, जिन्हें गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां तीनों मौत हो गई।

सुरक्षा को लेकर नहीं थी कोई व्यवस्था

एक अन्य आकाश पटेल गंभीर रूप से घायल है, जिसका उपचार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि आकाश दूसरे गुट का व्यक्ति है। पुलिस पर आरोप है कि सुरक्षा को लेकर कोई व्यवस्था नहीं थी। इस कारण ऐसी घटना घटी है। आरोपियों की गिरफ्तारी करने की मांग की गई है।

इन दिनों देश में जाति गणना की राजनीति तेज है। लोकसभा चुनाव के बाद से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी जाति गणना को लेकर मुखर हैं। हर मंच से वे इसकी पैरवी कर रहे हैं। उन्हें लगता है कि मुद्दे के रूप में तुरुप का पत्ता हाथ लग गया है और यह मुद्दा उन्हें राजनीतिक वैतरणी पार करा देगा। हालांकि वर्ष 2024 के आम चुनाव में राहुल गांधी के जाति गणना व आरक्षण खत्म होने के डर दिखाने के बावजूद कांग्रेस सौ सीट भी नहीं पा सकी, हिंदी पट्टी में मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, दिल्ली में भाजपा ने बड़ी सफलता हासिल की, केवल उत्तर प्रदेश व हरियाणा में ही झटका लगा, वो भी किसान आंदोलन के चलते, आरक्षण या जाति गणना के मुद्दे के चलते नहीं। जाति गणना पर भाजपा का रुख साफ रहा है। संघ भी जातिवादी विमर्श के पक्ष में कभी नहीं रहा है। अभी केरल में संघ की तीन दिवसीय बैठक के बाद जब बयान आया कि जाति गणना गलत नहीं है, पर इसका राजनीतिक ध्येय न हो, तो विमर्श चल पड़ा है कि क्या जाति गणना के मुद्दे पर भाजपा के रुख में विपक्षी दबाव के चलते बदलाव होगा? यूं तो भाजपा को भारतीयता व हिंदुओं को एकजुट रखने के अपने व्यापक ध्येय से भटकने की जरूरत नहीं है। समावेशिता, हिंदुत्व, भारतीयता, सनातनवाद उसकी ताकत है। जाति गणना मुद्दे पर पेश है आजकल का यह अंक...

जातिवादी राजनीति के भंवर में न फंसे देश

विश्लेषण
उमेश चतुर्वेदी
राजनीतिक विश्लेषक व वरिष्ठ स्तंभकार

हिंदुत्ववादी राजनीति के केंद्र में जातिवाद नहीं है। बल्कि वह समूचे हिंदू समाज को एक मानकर चलती है और अपनी राजनीति को बढ़ाती रही है। चूंकि बीजेपी के पास अपना खुद का बहुमत इन दिनों नहीं है, इसलिए वह जाति जनगणना न कराने के अपने पुराने स्टैंड पर खुलकर कायम नहीं दिख रही, बल्कि विपक्ष के आक्रामक दबाव में वह पशोपेश में दिख रही है। राजनीतिज्ञ मानते हैं कि संघ के बयान के बाद बीजेपी को इस दुविधा से निकलने में मदद मिल सकती है। अगर पार्टी को हरियाणा, झारखंड और महाराष्ट्र के चुनावों में बेहतर नतीजे मिले तो उसका खोया हुआ आत्मविश्वास लौट सकता है। फिर वह अपने पुराने रुख को लेकर खुलकर सामने आ सकती है।

केंद्रीय राजनीति में नरेंद्र मोदी के उभार के बाद लगने लगा था कि राजनीति से मंडलवादी राजनीति की विदाई हो गई, लेकिन जिस तरह से विपक्षी दलों ने जाति जनगणना को लेकर आक्रामक रवैया अख्तियार कर रखा है, उससे लगता है कि हिंदुत्ववादी राजनीति को किनारे करते हुए पिछड़ावादी या यूं कहें कि मंडलवादी राजनीति उभर रही है। हिंदुत्वादी राजनीति के वैचारिक आधार का केंद्र हिंदू समाज के समन्वय और उसकी एकता है, जबकि मंडलवादी राजनीति के मूल में जातिवादी सोच को परोक्ष बढ़ावा है। मंडलवादी राजनीति समता व सामाजिक न्याय का तार्किक आधार बना कर यह जताने की कोशिश करती है कि सामाजिक बिखराव उसका लक्ष्य नहीं है। इस पूरी राजनीति को नई बहस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की केरल के पलक्कड़ में तीन दिनों तक चली बैठक के बाद आए संघ के विचार से बल मिला है। तीन दिनों तक चली बैठक के बाद संघ ने कहा है, 'हिंदू समाज में जाति और जातीय संबंध एक संवेदनशील मुद्दा है। ये हमारी राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसे बहुत गंभीरता से निपटाना चाहिए न कि केवल चुनाव या राजनीति के लिए।' माना जा रहा है कि संघ के इस बयान ने केंद्रीय सत्ता की धुरी भारतीय जनता पार्टी को धर्मसंकट से बचा लिया है।

भाजपा की राजनीति अब रक्षात्मक

पिछले आम चुनाव में बहुमत से दूर हो जाने के बाद से भाजपा की राजनीति थोड़ी रक्षात्मक जरूर प्रतीत हो रही है, लेकिन वह ठसक के साथ विकास के मुद्दों पर आगे भी बढ़ रही है। हालांकि अब उसकी राजनीति वैसी आक्रामक नहीं दिखती, जैसी 2014 और 2019 के आम चुनावों के बाद दिखती थी। पूर्ण बहुमत ने भाजपा को ऐसा आत्मविश्वास दिया, जिसकी वजह से वह अपने कोर मुद्दों को धड़ाधड़ हल करती चली गई। हिंदुत्ववादी राजनीति के केंद्र में जातिवाद नहीं है, बल्कि वह समूचे हिंदू समाज को एक मानकर चलती है और अपनी राजनीति को बढ़ाती रही है। चूंकि बीजेपी के पास अपना खुद का बहुमत इन दिनों नहीं है, इसलिए वह जाति जनगणना न कराने के अपने पुराने स्टैंड पर खुलकर कायम नहीं दिख रही, बल्कि विपक्ष के आक्रामक दबाव में वह पसोपेश में दिख रही है। राजनीतिक जानकार मानते हैं कि संघ के बयान के बाद भाजपा को इस दुविधा से निकलने में मदद मिल सकती है। वैसे पार्टी को हरियाणा, झारखंड और महाराष्ट्र के चुनावों में मनमाफिक नतीजे मिले तो उसका आत्मविश्वास बढ़ सकता है। फिर वह अपने पुराने रुख को लेकर खुलकर सामने आ सकती है। अगर ऐसा नहीं होता तो वह दबाव में आ सकती है।

मंडलवादी राजनीति का उभार

जातिवादी राजनीति, जिसे अतीत में मंडलवादी राजनीति के नाम से जाना जाता रहा है, वह उस समाजवादी नारे को हकीकत बनाने की कोशिश कही जा सकती है, जिसे लोहिया ने पिछली सदी के साठ के दशक में दिया था। भारतीय राजनीति के चिर विद्रोही लोहिया ने नारा दिया था, 'संसोपा ने बांधी गांठ, पिछड़े पावें सौ में साठ।' इसके जरिए पिछड़ी जातियों को राजनीतिक और सामाजिक उत्थान की वकालत समाजवादी आंदोलन करता था। दिलचस्प यह है कि इस राजनीति को बल सात अगस्त 1990 के दिन तब मिला, जब समाजवादी कंधे पर सवार कांग्रेसी पृष्ठभूमि के प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह ने लागू किया। इस रिपोर्ट ने भारतीय राजनीति की दिशा ही बदल दी। इसके बाद ही देश में पिछड़ावादी राजनीति को उभार मिला।

हिंदुत्ववादी राजनीति का उदय

इसी के जवाब में उन्हीं दिनों समूचे हिंदू समाज को एक रखने की वैचारिक सोच की बुनियाद पर हिंदुत्ववादी राजनीति का उभार हुआ। जिसे मंडलवाद की तुकबंदी में कमंडलवादी बताया गया। लेकिन कमंडलवाद महज तुकबंदी का विस्तार नहीं रहा, बल्कि इसमें हिंदुत्ववादी राजनीति को लेकर किंचित व्यंग्य और कुछ उपहास भी था। इसी हिंदुत्ववादी राजनीति की उपज नरेंद्र मोदी हैं। फिर वे उस पिछड़े समुदाय से आते हैं, जिनके उत्थान के दावे मंडलवादी राजनीति करती है। पिछड़े समुदाय की पृष्ठभूमि और हिंदुत्व की वैचारिक पृष्ठभूमि वाली शख्सियत नरेंद्र मोदी के उभार के बाद करीब दस वर्षों तक जाति केंद्रित राजनीति किनारे रही। लगता था कि वह अब खत्म हो जाएगी। लेकिन जाति जनगणना के सवाल के साथ यह राजनीति इन दिनों केंद्र में आ चुकी है। इसे बल मिला 2022 में बिहार से, जब राष्ट्रीय जनता दल के सहयोग से सरकार चला रहे नीतीश कुमार ने बिहार में जाति जनगणना कराकर उसकी रिपोर्ट प्रकाशित कर दी। तब से केंद्रीय स्तर पर पूरे देश में जाति जनगणना कराने को लेकर राहुल गांधी की अगुआई में समूचा विपक्ष लगा हुआ है। कर्नाटक भी ऐसी जाति जनगणना करा चुका है, लेकिन उसे न तो लागू किया है और न ही उसे प्रकाशित किया है। दिलचस्प यह है कि कांग्रेस की अगुआई वाले यूपीए शासन काल में जाति जनगणना को बहाने से कराया गया, लेकिन उसकी रिपोर्ट प्रकाशित भी नहीं की गई। पिछड़ों के उत्थान के लिए 1953 में गठित काका कालेलकर आयोग की जानकारी राजनीतिक हलके में है।

सामाजिक, आर्थिक और जाति गणना

मंडल रिपोर्ट तो बच्चे-बच्चे की जुबान पर है, लेकिन 2011 की जनगणना में लालू यादव के दबाव पर जाति के स्तंभ शामिल करने की जानकारी ज्यादा लोगों को नहीं है। लोगों को यह भी याद नहीं है कि सहयोगी दलों के दबाव में मनमोहन सरकार ने 2011 में प्रणब मुखर्जी की अगुआई में जाति जनगणना को लेकर एक समिति बनाई थी, जिसने जाति जनगणना के पक्ष में सुझाव भी दिया था। उसकी सिफारिश के आधार पर 'सामाजिक, आर्थिक और जाति गणना' नाम से जनगणना कराई भी गई। इसमें ज़िलों को आधार बनाकर जिलेवार पिछड़ी जातियों की गिनती की गई। इसके आंकड़े सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय को दिए गए। उसके वर्गीकरण के लिए नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया के अधीन विशेषज्ञ समूह बनाया गया। उसके अध्ययन नतीजे मनमोहन सरकार ने जारी नहीं किए।

आरक्षण ने जातिवाद खत्म नहीं किया

सवाल यह है कि राहुल गांधी ने उस रिपोर्ट को जारी क्यों नहीं कराया? जाति भारतीय समाज में बेहद संवेदनशील मुद्दा है। मंडलवाद के उभार के बाद पिछड़ी जातियों का उत्थान बेशक हुआ, लेकिन यह भी सच है कि उसमें भी कुछ ताकतवर जातियों को ही ज्यादा फायदा हुआ। इससे पिछड़े समूहों में भी ऊंच-नीच बढ़ी है। कई पिछड़ी जातियां सामाजिक और आरक्षण की दौड़ में पिछड़ी रह गई हैं। जाति गणना के अपने खतरे हैं। इससे जातीय खाई और ज्यादा बढ़ने की आशंका है। शायद यही वजह है कि 1951 की जनगणना के दौरान भी जाति गणना की मांग उठी थी, तब गृह मंत्री के नाते सरदार पटेल ने उसे खारिज कर दिया था, जिसका समर्थन आरक्षण लाने वाले आंबेडकर के साथ नेहरू और मौलाना आजाद तक ने किया था। आरक्षण के मूल में विचार रहा है कि आरक्षण के जरिए सामाजिक और आर्थिक से रूप से पिछड़े रह गए समूह आगे आएंगे और इस तरह वे पहले से सामाजिक और आर्थिक रूप से बेहतर स्थिति में रहे समूहों की बराबरी कर पाएंगे। लेकिन जातिवाद आधारित आरक्षण ने जातिवाद खत्म नहीं किया है, बल्कि और बढ़ाया है। हर जाति अपने-अपने जातीय खांचे को और मजबूत और ऊंचा बनाती जा रही है। जातीय समूह आरक्षण को अपना जन्म-जन्मांतर का अधिकार मानने लगे हैं। इसलिए जब भी आरक्षण को लेकर चर्चा होती है, जातीय समूह एक-दूसरे के खून के प्यासे हो जाते हैं। इससे साफ है कि आरक्षण के जरिए जातीय बराबरी का जो विचार था, वह कहीं न कहीं कमजोर हुआ है।

वोट बैंक बढ़ाना जातिवादी राजनीति का उद्देश्य

आज की राजनीति, चाहे जिस भी पक्ष की क्यों न हो, उसका एक मात्र उद्देश्य जातीय आधार पर अपना वोट बैंक बढ़ाना और उसके जरिए सत्ता हासिल करना रह गया है। इसलिए वह अपने-अपने हिसाब से कभी जाति जनगणना तो कभी जातिवाद आधारित आरक्षण की मांग को हवा देती रहती है। दिलचस्प यह है कि सामाजिक खाई बढ़ाने वाले इस विचार को सामाजिक समता के विचार से जोड़ दिया जाता है। मौजूदा राजनीति का महात्मा गांधी या आचार्य विनोबा भावे की तरह रचनात्मक लक्ष्य नहीं है, वह समतावादी समाज बनाने की सोच को लेकर सर्जनात्मक विचार नहीं रखती, इसलिए सामाजिक विभेद को रोकने में उसकी दिलचस्पी भी नहीं है। जाति जनगणना जैसी मांगें इसी राजनीति का विस्तार है। भारतीय जनता पार्टी की सोच मौजूदा राजनीतिक दर्शन से कुछ अलग रही है। वह समन्वयवादी हिंदुत्व और सनातनी एकता के विचार से प्रेरित है, इसलिए जातीय विभेद की वह परोक्ष विरोधी रही है। पिछड़े समूह व हिंदुत्व के वैचारिक दर्शन की सोच वाले मोदी के उभार ने मंडलवादी और जाति आधारित राजनीति को बड़ी चुनौती दी।

भाजपा को बैकफुट पर आने की जरूरत नहीं

बदले माहौल में राजनीतिक चुनौतियों से जूझने की वजह से भाजपा का दबाव में आना स्वाभाविक लगता है। लेकिन इसी के साथ जातीय उन्माद को रोकने की उम्मीद भी मौजूदा राजनीति में उस से ज्यादा है, यह दायित्व भाजपा के लिए बड़ा है। सत्ता के लिए भारतीय समाज को जातिवाद के गर्त में धकेलने की विपक्ष की सनक के खतरे बड़े हैं, देश दशकों तक इसमें उलझा रहेगा। तीन दशकों तक उलझा ही था। भारत का अतीत भी बहुत कष्टदायक है, देश का विभाजन ही सिर्फ इसलिए हुआ कि मुस्लिम हिंदुओं के साथ नहीं रहना चाहते थे। परिणाम ये हुआ कि भारत तीन राष्ट्र में बंटा हुआ है। उस वक्त मुस्लिम भावना को भड़काने वाले भी सत्ता की ही राजनीति कर रहे थे। केवल सत्ता के लिए मुल्क को बंट जाने दिया। आज भी भारतीय समाज सांप्रदायिक आधार पर बंटा हुआ है। अब जातिवाद के आधार पर भी समाज के बंटने का खतरा बढ़ रहा है। भाजपा व संघ की ओर से भारतीयता व समावेशी हिंदुत्व की भावना से सामाजिक कड़वाहट मिटाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन विपक्ष की जातिवादी राजनीति इस प्रयास में अवरोधक बन सकती है। तक अब देखना होगा कि वह मंडलवादी राजनीति को फिर से बैकफुट पर कर पाती है या नहीं। वैसे भाजपा को किसी भी स्थिति में बैकफुट पर आने की जरूरत ही नहीं है, क्योंकि 2024 के आम चुनाव में हिंदी क्षेत्र एमपी, बिहार, छग, हिमाचल, उत्तराखंड, दिल्ली में बड़ी सफलता मिली।

जाति गणना की मांग विपक्ष का सियासी स्टंट

राजनीति
रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में जातिगत जनगणना की मांग दशकों पुरानी है। इसका मक़सद अलग-अलग जातियों की संख्या के आधार पर उन्हें सरकारी नौकरी में आरक्षण देना और ज़रूरतमंदों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना बताया जाता है। माना जाता है कि बीजेपी को इस तरह की जनगणना से डर ये है कि इससे अगड़ी जातियों के उसके वोटर नाराज़ हो सकते हैं और पार्टी के परंपरागत हिन्दू वोट बैंक इससे बिखर सकता है। वहीं विपक्ष सामाजिक न्याय के नाम पर जातिगत जनगणना का मुद्दा उठाकर बीजेपी पर दबाव बनाने और दलित, पिछड़े वोट को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रहा है। इससे पहले कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने साल 2010-11 में देशभर में आर्थिक-सामाजिक और जातिगत गणना करवाई थी लेकिन इसके आंकड़े जारी नहीं किए गए थे। इसी तरह साल 2015 में कर्नाटक में जातिगत जनगणना करवाई गई, लेकिन इसके आंकड़े कभी सार्वजानिक नहीं किए गए।

1980 के दशक में उठी थी मांग

बता दें, जातियों की जनसंख्या के मुताबिक़ आरक्षण की मांग सबसे पहले 1980 के दशक में उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी के नेता कांशीराम ने की थी। यूपी की समाजवादी पार्टी भी लगातार जातिगत जनगणना की मांग करती रही है। दक्षिण भारत की कई पार्टियां इस तरह की जनगणना की मांग करती रही है। बिहार में पिछले वर्ष 2023 में जाति जनगणना कराई गई थी। गौरतलब है कि जातिगत जनगणना की बात आते ही अक्सर बहुत सी चिंताएं और सवाल भी उठ खड़े होते हैं। इनमें से एक बड़ी चिंता ये है कि इसके आंकड़ों के आधार पर देशभर में आरक्षण की नई मांग शुरू हो जाएगी। कांग्रेस पार्टी के कई बड़े नेताओं ने हाल के समय में जातिगत जनगणना के मुद्दे को ज़ोर-शोर से उठाया है। जातिगत जनगणना के साथ एक नारा भी लगाया जाता है 'जिसकी जितनी संख्या भारी.. उसकी उतनी हिस्सेदारी'। राहुल गांधी ने 2011 के जातिगत जनगणना के आंकड़ों को सार्वजनिक करने और पिछड़े वर्ग, दलितों और आदिवासियों को उनकी जनसंख्या के हिसाब से आरक्षण देने की मांग भी की थी। दरअसल जातिगत संख्या के आधार पर आरक्षण की मांग कर विपक्ष दलितों और पिछड़ों के बड़े वोट को अपने पक्ष में लाना चाहता है ताकि बीजेपी के कथित हिन्दू वोट बैंक को भी कमज़ोर किया जा सके।

बीजेपी जातीय गणना के विरुद्ध

दूसरी तरफ बीजेपी नहीं चाहती है कि जातिगत जनगणना हो। भाजपा की नीति समावेशी समाज की रही है। संघ भी जातिवाद का विरोध करता रहा है, संघ का लक्ष्य समाज से जातिवाद को अंत करने का है। भाजपा को लगता है कि जाति गणना से जातिवाद को बढ़ावा मिलेगा, जिससे अंततः हिंदू समाज को एक करने का लक्ष्य डिरेल होगा। हिंदुत्व का एजेंडा ही जातियों में बंटे हिंदू समाज को एक करने का है। खैर, विपक्ष जाति जनगणना को एक बड़ी राजनीति के तौर पर देखती है। जनगणना कराने से बेरोज़गारी, एनएसएसओ के आंकड़े, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानों की

आत्महत्या, कोविड में हुए जानमाल का नुक़सान, नोटबंदी और देश की अर्थव्यवस्था पर पड़े असर के वास्तविक आंकड़े भी बाहर आ जाएंगे। वर्ष 2021 की जनगणना अगर समय पर हो जाती तो इससे मिलने वाले आंकड़े साल 2011-21 के बीच के होते और इसमें ज़्यादातर कार्यकाल मोदी सरकार का ही है। यू कहें कि जनगणना के मुद्दे पर बीजेपी भंवर में है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत समेत बीजेपी के कई नेता समय-समय पर आरक्षण की समीक्षा की बात करते हैं।

संघ ने माना, मामला संवेदनशील

हाल ही में केरल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिनों तक मंथन बैठक चली। इस बैठक में संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि ये संवदेनशील मामला है और इसका इस्तेमाल राजनीतिक या चुनावी उद्देश्यों के लिए नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसका इस्तेमाल पिछड़ रहे समुदाय और जातियों के कल्याण के लिए होना चाहिए। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उप वर्गीकरण की दिशा में बिना किसी सर्वसम्मति के कोई क़दम नहीं उठाया जाना चाहिए। आरएसएस का बयान ऐसे समय में आया है, जब विपक्षी इंडिया गठबंधन ने जाति आधारित जनगणना को अपना प्रमुख मुद्दा बना लिया है। अभी तक भाजपा ने खुले तौर पर जाति आधारित जनगणना का विरोध नहीं किया है लेकिन उसने इस पर कोई टिप्पणी भी नहीं की है। इसलिए वो खुलकर इसका न तो समर्थन कर पा रही है और न विरोध। जबकि विपक्ष इस बात को समझता है और इसलिए उसने जातिगत जनगणना की मांग की है ताकि आने वाले चुनावों में इसका फ़ायदा उठाया जा सके। विपक्षी दलों को लगता है कि वो जातिगत जनगणना को बड़ा मुद्दा बना लेंगे लेकिन ये आसान काम नहीं होगा, इसके लिए उन्हें बहुत मेहनत करनी होगी। क्योंकि जातिगत समीकरण को तोड़ने के लिए अब बहुत सारे विकल्प हैं जैसे; ग़रीबों के लिए कल्याणकारी योजनाएं। इस तरह से उनको अपने पक्ष में करना ज़्यादा आसान है। आखिर क्या वजह है कि पूर्व में कांग्रेस की सरकार ने अपने देश की सामाजिक सच्चाई को जानने से हमेशा मुंह चुराया और आज भाजपा नीत राजग सरकार पर कांग्रेस जाति गणना के लिए दबाव बना रही है?

जातिवार जनगणना महत्वपूर्ण

1951 से 2011 तक की हर जनगणना में संवैधानिक बाध्यता के चलते अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की गिनती तो हुई है, पर किसी दूसरी जाति की नहीं। आखिर क्या वजह है कि भारत सरकार ने देश की सामाजिक सच्चाई को जानने से हमेशा मुंह चुराया? जो समाज सर्वसमावेशी नहीं होगा, उस पाखंड से भरे खंड-खंड समाज के जरिए अखंड भारत की दावेदारी हमेशा खोखली और राष्ट्र-निर्माण की संकल्पना अधूरी होगी। जातिवार जनगणना से अलग-अलग क्षेत्रों में ओवर-रीप्रेज़ेंटेड और अंडर-रीप्रेज़ेंटेड लोगों का एक वास्तविक डेटा सामने आ सकता है, जिनके आधार पर कल्याणकारी योजनाओं और संविधानसम्मत सकारात्मक सक्रियता की दिशा में तेज़ी से बढ़ा जा सके। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि सियासी दलों की नेक नीयत हो। विल राजनीति के लिए जाति गणना की मांग न उठे। ये सत्य है कि बीजेपी ने भी कभी जातिगत जनगणना का खुल कर विरोध नहीं किया और न खुद को इसका विरोधी बताया। लेकिन अलग-अलग कारणों से वे इसे कराने से बचती रही है। सवाल अहम ये है कि क्या अब संघ के बयान से बीजेपी के रुख में बदलाव आ सकता है। ये भी संभव है कि अगली जनगणना से पहले जातिगत जनगणना पर सरकार के रुख में कोई बदलाव आ जाए। फिलहाल जातीय जनगणना को लेकर राजनैतिक बहस तेज है। देखना है ऊंट किस करवट बैठेगा।

जातीय गणना में आखिर हर्ज ही क्या

दो टूक
मणेन्द्र मिश्रा 'मशाल'
पूर्व अतिथि प्रवक्ता, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय

हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव के दौरान विपक्षी दलों का प्रमुख मुद्दा जातीय जनगणना रहा। सांसदों की संख्या के आधार पर देश की तीसरी सबसे बड़ी समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव 2017 के विधानसभा चुनाव के बाद से ही जातीय जनगणना कराए जाने को लेकर मुखरता से आवाज उठा रहे हैं। जिसका फैलाव क्षेत्रीय दलों के मैनिफेस्टो से होते हुए कांग्रेस के एजेंडे में शामिल हो चुका है।

भारत में आरक्षण संवेदनशील मुद्दा है। इसको लेकर समय-समय पर संघर्ष भी दिखता रहता है। संविधान निर्माण के समय अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति को उनकी आबादी के अनुसार क्रमशः 15% एवं 7.5% की संवैधानिक व्यवस्था की गई है। संविधान सभा में ओबीसी की आबादी 52% को दृष्टिगत रखते हुए इस वर्ग के लिए 27% आरक्षण की व्यवस्था है। आरक्षण का दायरा बढ़ाने को लेकर विधायिका और न्यायपालिका में गहमागहमी चलती रहती है। माननीय सुप्रीम कोर्ट अनेक फैसलों से आरक्षण का दायरा 50% से अधिक नहीं करने पर स्थिर है। जबकि दक्षिण के कुछ राज्यों में यह दायरा बढ़ गया है। 2019 में 103वें संविधान संशोधन से ईडब्ल्यूएस की नई व्यवस्था के तहत 10% आरक्षण में आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग को शामिल किया गया। ऐसे में यह मांग जोर पकड़ने लगी जब अभी वर्गों को आरक्षण दिया जा रहा है फिर आबादी के अनुसार आरक्षण सबसे उचित तरीका हो सकता है।

अस्पृश्यता निवारण कानून

विपक्षी दलों एवं जातिगत जनगणना के समर्थक वर्ग का मानना है कि इससे आरक्षण को लेकर संघर्ष एवं कटुता दूर करने में मदद होगी। इतिहास की ओर दृष्टिपात करने से आरक्षण व्यवस्था का विषय स्पष्ट हो जाएगा। भारतीय संविधान में अनुसूचित जाति/जनजाति के साथ छुआछूत की अमानवीय परंपरा को समाप्त करने के लिए जहां एक ओर अस्पृश्यता निवारण कानून बना वहीं दूसरी ओर एससी/एसटी वर्गों के लोकसभा एवं विधानसभाओं में समुचित प्रतिनिधित्व के लिए सुरक्षित निर्वाचन सीटों का प्रावधान हुआ। जिससे दलित और जनजातीय समाज से सांसदों और विधायकों की श्रृंखला शुरू हुई। उसका देश की सामाजिक संरचना पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। अनुसूचित जाति और जनजाति को उसकी आबादी के अनुपात में आरक्षण मिलने से सरकारी सेवाओं एवं सदन, दोनों जगह उस वर्ग को आबादी के अनुपात में हिस्सेदारी मिलने लगी।

मंडल कमीशन की रिपोर्ट

आरक्षण की व्यवस्था में ओबीसी की समस्याओं एवं चुनौतियों की दिशा में ठोस पहल न होने से राज्यों सहित राष्ट्रीय स्तर पर आक्रोश तेज होने लगा। आपातकाल के बाद जब देश में समाजवादियों की सरकार बनी, उस समय घटक दलों में समाजवादी विचार के नेताओं ने डॉ. राममनोहर लोहिया के नेतृत्व में पिछड़े पाँवें सौ में साठ के नारे को आधार बनाते हुए चौधरी चरण सिंह के प्रधानमंत्रित्व काल में मंडल कमीशन ने

आकार लिया। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री रहे बीपी मंडल की अध्यक्षता में मंडल आयोग ने पिछड़ों के सामाजिक/शैक्षणिक आधार का मूल्यांकन कर अपनी रिपोर्ट तैयार की, लेकिन केंद्र में निर्वाचित सरकारों के बदलाव और सत्ताधारी राजनीतिक दलों के भीतर साहस की कमी के कारण मंडल रिपोर्ट ठंडे बस्ते में पड़ी रही। अस्सी के उतरार्द्ध में कांग्रेस की हार के बाद जनता दल की सरकार बनने पर तत्कालीन प्रधानमंत्री वीपी सिंह ने मंडल कमीशन की रिपोर्ट जारी करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। मंडल कमीशन की सिफारिशें लागू होने से देश के विभिन्न प्रांतों में कुछ समय के लिए सामाजिक हिंसा भी हुआ जो समय रहते नियंत्रण में आ गया। पूरे देश में पिछड़ों के सरकारी सेवाओं में 27% आरक्षण का रास्ता खुल गया, जिससे सामाजिक विविधता का नया रूप सामने आया। इसके साथ ही उत्तर भारत में सत्ता के केंद्र में पिछड़ी जातियों का उभार हुआ। नब्बे के दौर में केंद्र और राज्यों में पिछड़ों को आबादी के अनुसार हिस्सेदारी और प्रतिनिधित्व की मांग जोर पकड़ने लगी। इसके साथ ही विश्वविद्यालयों में पिछड़ी जातियों का कोटा तय करने का दबाव केंद्र सरकार पर पड़ने लगा जिसे 2004 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार में मानव संसाधन मंत्री अर्जुन सिंह ने अमली जामा पहनाया। आरक्षण और प्रतिनिधित्व की धाराएं स्वतंत्र भारत में अनेक सामाजिक आंदोलनों के रूप में लगातार चुनावी राजनीति में राजनैतिक दलों पर प्रभाव डालती रहीं।

यूपी-बिहार में यह धारा बेहद समृद्ध रही। नब्बे के दौर में जहां उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व में पिछड़ी जातियाँ एकजुट हुईं वहीं बिहार में लालू यादव और नीतीश कुमार की अगुवाई में यह एकता सामने आई। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने 2019 लोकसभा चुनाव में जातीय जनगणना की मांग को उठाया था जिसे 2022 के विधानसभा चुनाव और 2024 लोकसभा में चुनावी मुद्दा बनाया। हाल ही में भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन में जातीय जनगणना कराए जाने के मुद्दे पर सभी दलों की सहमति बनी। 2024 के लोकसभा चुनाव में अखिलेश यादव ने बतौर नेता प्रतिपक्ष सदन के भाषणों में जातीय जनगणना के पक्ष में पूरी प्रतिबद्धता दिखाई।

नीतीश ने जारी किए आंकड़े

बिहार में नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव ने जातीय गणना कराने के लिए न केवल पहल किया बल्कि अविलंब उसके आकड़े भी जारी कर दिए। हाल ही में सम्पन्न हुए संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण बिल के दौरान कांग्रेसी नेता राहुल गांधी ने जातीय जनगणना कराने के पक्ष में समर्थन दिया। जनगणना में सरकार द्वारा की जा रही देरी और तमाम शिक्षण संस्थानों में नियुक्ति में आरक्षण को नियमबद्ध रूप से लागू ना करना हो या लेटरल एंट्री के माध्यम से आरक्षण को बिलकुल दरकिनार करना हो, बड़ा मुद्दा बना। बिहार सरकार द्वारा जातीय जनगणना के आंकड़े जारी करने के बाद देर सबेर इस पर राष्ट्रीय सहमति बनने की संभावना दिखती है।

देश में जातीय स्वाभिमान और अस्मिता की राजनीति के उभार से कई मोर्चों पर सामाजिक कटुता अक्सर दिखती रहती है। ऐसे में जातीय जनगणना के माध्यम से सभी जातियों और समूहों को उनके आबादी के अनुपात में हिस्सेदारी मिले इसके लिए आपसी सहमति बननी चाहिए। जनगणना के साथ जातिगत जनगणना को प्राथमिकता से सभी राजनीतिक मंचों पर एक स्वर में आवाज़ बुलंद करनी चाहिए। सामाजिक तनाव, भेदभाव, वंचित तबके के लिए विशेष अवसर की कमी जैसे अन्य समानार्थी मुद्दे किसी भी लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। संविधान और लोकतंत्र का मूल सिद्धांत समानता, बंधुत्व और सामाजिक न्याय है। जातीय जनगणना इसी लक्ष्य को पूरा करने का एक कारगर हथियार है।

MARUTI SUZUKI ARENA
दो पहिए होते हैं कम?
अपग्रेड हों मन की शांति के साथ।
2 TO 4 WHEELER UPGRADE
ALTO K10
S.PRESSO
महा बचत
ALTO K10 ₹59 100*
S-PRESSO ₹59 100*
BOOK NOW OFFER VALID TILL 16TH SEPT.
100% ON-ROAD FUNDING AVAILABLE
3 years 100 000 km WARRANTY* EXTENDABLE UPTO 6 YEARS
SCAN TO CHAT WITH US
ALTO K10 S.PRESSO
E-BOOK TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM OR VISIT YOUR NEAREST MARUTI SUZUKI DEALERSHIP.
Black glass on the vehicle is due to lighting effect.
SKY AUTOMOBILES
RAIPUR: MAHOBA BAZAR: CALL: 9893307422,9584433191. AVANTI VIHAR: CALL: 9109900120, 9584433131. DHAMTARI: CALL: 9893307417. BALODA BAZAR: CALL: 9584433123, 9111107004. SARAIPALI: CALL: 9584433874. KANKER: 8889998604. KASDOL: 9584433135. SARSIWA: 9584433874. TILDA: 9584465301. KHARORA: 9584465301. ABHANPUR: 9584466869. JAGDALPUR: 9584433110, 9584465281. KONDAGAON: 7909903505.
SPARSH AUTOMOBILES
RAIPUR: PACHPEDI NAKA: CALL: 9669800435, 9039632618. MAHASAMUND: CALL: 8319900585. RAJIM: CALL: 9926104449. BHATAPARA: CALL: 8269428131. GARIYABAND: 8435119922. PITHORA: 8224949998. CHARODA: CALL: 9644824911. DURG: CALL: 6202384986. RAJNANDGAON: CALL: 9977039992. DONGARGARH: CALL: 9827643832. BHILAI: CALL: 9111107268, 9294603353. KHAIRAGARH- 9827643832.
VISHWABHARTI AUTOMOBILES
RAIPUR: MOWA: 6262620000, 6262620012, 6262620047. BASNA: 6262620031. ARANG: 6262620007/14.
HDN MOTORS
RAIPUR: TATIBANDH: CALL: 7909800007, 7909800005. BAGBAHRA : 7909800034. KURUD: 7909800050. SIMGA: 7909800070.
CHOUHAN AUTOMOBILES
BHILAI: 7222910011, 22, 33. KAWARDHA: 7222910044. BEMETERA: 7222910025. BALOD: 7222910012. DALLIRAJHARA: 7222910029
*Offer includes consumer offer, exchange bonus and institutional or rural offer (wherever applicable) on selected models/ variants. Above mentioned savings amount is the value of maximum savings on selected models. *Terms and conditions apply. For more details, please contact your nearest ARENA dealership. Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black Glass Shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Car color may vary due to printing on paper. Offers vary across variants. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. *3 years or 100 000 km whichever is earlier. Above offers are valid till 30th Sept, 2024.

बोइंग का स्टारलाइनर यान सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर के बिना धरती पर लौटा

एजेंसी ▶▶| ह्यूस्टन (अमेरिका)

बोइंग का पहला अंतरिक्ष यात्री मिशन शुक्रवार की रात अंतरिक्ष यात्रियों को लाए बिना यान के धरती पर लौटने के साथ ही समाप्त हो गया।

दोनों अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर अब भी अंतरिक्ष में हैं और उन्हें अगले साल तक वहीं रहना होगा। क्योंकि, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने उनकी वापसी को बहुत जोखिमपूर्ण बताया है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से रवाना होने के छह घंटे बाद 'स्टारलाइनर' यान मेक्सिको के 'व्हाइट सैंड्स मिसाइल रेंज' पर उतरा। यान के लौटने के बाद ह्यूस्टन में हुए संवाददाता सम्मेलन में बोइंग शामिल नहीं हुआ, हालांकि कंपनी के दो शीर्ष अधिकारियों ने कहा कि वे नासा के फैसले का समर्थन किया है। 'स्टारलाइनर' ने लंबे इंतजार के बाद जून में अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी थी। हालांकि, यान के 'थ्रस्टर' में समस्या आने और हीलियम लीक होने के कारण वह अंतरिक्ष यात्रियों को धरती पर वापस लाने में नाकाम रहा। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के दो पायलट अब अगले साल तक आईएसएस पर ही रहेंगे।

अंतरिक्ष स्टेशन में सात अन्य यात्रियों के साथ कर रहे काम

विलियम्स और विल्मोर को 'स्टारलाइनर' के अंतरिक्ष की उड़ान भरने के एक सप्ताह बाद जून में पृथ्वी पर लौटना था, लेकिन यान के 'थ्रस्टर' में समस्या आने और हीलियम लीक होने के कारण दोनों अंतरिक्ष में ही फंस गए। नासा ने बताया था कि दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को 'स्टारलाइनर' से वापस लाना बहुत जोखिम भरा है। अनुभवी अंतरिक्ष यात्री और नौसेना के सेवानिवृत्त कैप्टन विल्मोर और विलियम्स अंतरिक्ष में अपने आप को व्यस्त रख रहे हैं और मरम्मत-रखरखाव कार्य एवं प्रयोगों में मदद कर रहे हैं। वे अब अंतरिक्ष स्टेशन पर मौजूद सात अन्य यात्रियों के साथ काम कर रहे हैं।

चक्रधर समारोह में हेमा मालिनी की शानदार प्रस्तुति

रायगढ़। रायगढ़ में शनिवार से शुरू हुए चक्रधर समारोह में प्रख्यात अभिनेत्री, नृत्यांगना एवं सांसद हेमा मालिनी एवं उनकी टीम द्वारा भरतनाट्यम पर रासबिहारी नृत्य नाटिका की शानदार प्रस्तुति दी। नृत्य नाटिका रासबिहारी की मनमोहक प्रस्तुति से कलाप्रेमी और दर्शक मंत्रमुग्ध हो उठे।

इस प्रस्तुति के बीच में कई प्रसंगों के मध्य दर्शकों ने जोरदार तालियां बजाकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। श्रीमती हेमा मालिनी और उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत रासबिहारी नृत्य नाटिका भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला, आराधना, संयोग-वियोग के प्रसंग दर्शकों को अभिभूत कर गए।

जैकेट के शेष

गुटखा बंद, पान ....

लेकिन हुआ इसके उलट। लोगों ने पान मसाला और तंबाकू का पैकेट मिक्स कर खाना शुरू कर दिया। नतीजा गले और मुख के कैंसर के साथ प्रदेश में हृदय रोग सहित अन्य बीमारियों के मरीज भी बढ़ने लगे हैं। छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े क्षेत्रीय कैंसर संस्थान में 50 फीसदी मरीज मुख से जुड़े हैं, जिसकी बड़ी वजह पान मसाला और तंबाकू का मिक्स है।

पान मसाला और तंबाकू की पुड़िया बेहद सस्ता नशा है जो हर आयु और वर्ग की पहुंच में है। इसका परिणाम यह हो रहा है कि पान मसाला और तंबाकू की पुड़िया खुलेआम पान ठेलों के साथ किराना दुकान और चाय-नाश्ते के ठेले खोमचे में भी खुलेआम बिक रही है। चिकित्सकों का कहना है कि पान मसाला और तंबाकू को मिलाकर फांका मारना गुटखा की तुलना में ज्यादा खतरनाक है। पान मसाला और तंबाकू का मिक्स मसाला कैंसर के मरीजों की संख्या में इजाफा कर रहा है। इसके साथ दूसरी तरह की गंभीर बीमारियां भी लोगों को अपना शिकार बना रही है।

हार्ट और पेट की खराबी भी : आंबेडकर अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार ज्यादातर लोग तंबाकू मिलाकर पान मसाला खाने के दौरान उसे थूकने के बजाए गटक जाते हैं। लंबे समय से इसके उपयोग से पेट में गैस, एसिडिटी सहित अन्य समस्या, बीपी, किडनी में स्टोन के साथ हृदय रोग की आशंका भी होती है। तंबाकू के सेवन से कैंसर के साथ टीबी जैसी गंभीर बीमारी का खतरा भी होता है।

गुटखा भी बिक रहा : प्रदेश में गुटखा की बिक्री पर भले ही प्रतिबंध लगाया गया है मगर इसकी बिक्री अभी भी बिना रोक टोक के हो रही है। प्रतिबंध की वजह से इसकी कीमत जरूर बढ गई है मगर कई कंपनियों की हर महीनों करोड़ों रुपए के गुटखे की खपत हो रही है। पान मसाला और तंबाकू के अलग-अलग पुड़िया उपलब्ध कराने में स्थानीय के साथ नामी कपनियां भी पीछे नहीं है और इनकी संख्या सैंकड़ों में है।

पूर्व आईएएस पूजा ....

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) और दिल्ली पुलिस ने पूर्व आईएएस परिवीक्षाधीन पूजा खेडकर की अग्रिम जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि उन्होंने न केवल आयोग बल्कि जनता के साथ भी धोखा किया है क्योंकि वह 2020 तक सभी प्रयास समाप्त होने के कारण 2021 में सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) में बैठने के लिए अयोग्य थीं।

किस नियम का ....

अनुमति देते हैं यदि वे पुनः परीक्षा पास करने में विफल होते हैं या यदि केंद्र सरकार संतुष्ट है कि प्रोबेशनर सेवा में भर्ती के लिए अयोग्य था या सेवा का सदस्य होने के लिए अनुपयुक्त है। यह सिर्फ एक केस नहीं, पूजा खेडकर की तरह ही 30 और मामले, यूपीएससी अब क्या करेगा?

क्या था विवाद?....

सरकार ने बाद में उनके 'जिला प्रशिक्षण कार्यक्रम' को रोक दिया था। उन्हें आवश्यक कार्रवाई के लिए मसूरी में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में वापस बुलाया था। खेड़कर की विकलांगता और ओबीसी प्रमाण पत्रों की प्रामाणिकता भी सवालों के घेरे में थी। उसकी भी जांच हो रही थी।

सीमेंट की कीमत ....

है। सीमेंट कंपनियों का रवैया छत्तीसगढ़ की भोली-भाली जनता को लूटने व एकछत्र राज करने जैसा हो गया है।

सरकार को सीमेंट फैक्ट्रियों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए सीमेंट की बढ़ाई गई कीमत को वापस कराकर आम जनता को राहत दिलाने की जरूरत है। श्री अग्रवाल का कहना है कि सीमेंट कंपनियों को छत्तीसगढ़ में ही खदानें, कोयला, उर्जा, सस्ती बिजली, सस्ते एवं सुलभ श्रमिक उपलब्ध हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ के सारे संसाधनों का इनके द्वारा दोहन किया जा रहा है। सीमेंट कंपनियों को उत्पादन के लिए कच्चा माल से लेकर उर्जा तक सभी वस्तुएं छत्तीसगढ़ में कम दरों पर उपलब्ध हैं। उसके बावजूद सीमेंट की कीमतों में वृद्धि सीधे-सीधे छत्तीसगढ़ की जनता पर भार है।

हर माह 30 लाख टन का उत्पादन : छत्तीसगढ़ में सीमेंट का प्रत्येक महीने लगभग 30 लाख टन (6 करोड़ बैग) उत्पादन किया जाता है। जिसकी कीमतों में एकाएक 50 रुपए तक की प्रति बोरी के हिसाब से वृद्धि की गई है। प्रदेश में सभी सीमेंट कंपनियों द्वारा 3 सितंबर के पहले लगभग 260 रुपए प्रति बोरी सीमेंट बेच रही थीं। जिसे अचानक एक दिन में 310 रुपए कर दिया गया है।

ओटीटी की फिल्में .....

नही देख सकते। जिंदल गेस्ट हाउस में पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें वर्तमान में कोई अच्छा रोल निभाने का आफर नहीं मिल रहा है, अगर कोई निर्माता उन्हें फिल्म में अच्छे रोल के लिए बुलाता है तो वे काम करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि वे पहले भी चुनाव प्रचार के दौरान छत्तीसगढ़ आ चुकी हैं। छत्तीसगढ़ राज्य की खुलकर तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ बहुत सुंदर है, यहां की संस्कृति भी बहुत अच्छी है। यहां दोनों का मिलन है। ऐसी खूबसूरत जगह में आने से बहुत खुशी मिलती है और यहां के लोगों ने मुझे बहुत प्यार दिया है। पहले भी ऐतिहासिक चक्रधर समारोह में प्रस्तुति दे चुकी हैं। साथ ही साथ उनकी दो बेटियां अहाना और ईशा ने भी यहां प्रस्तुति दी है। पहले उन्होंने यहां दुर्गा की प्रस्तुति दी थी और इस बार राधा रास बिहारी पर आधारित नृत्य नाटिका की प्रस्तुति देंगी। फिल्म अभिनेत्री ने कहा कि उन पर जितनी भी बायोग्राफी बनी है उसे सभी को पढ़ना चाहिए,मैंने बचपन से सांस्कृतिक नृत्य की शिक्षा ली है। इस दौरान मेरी माता ने मुझे अलग-अलग गुरूओं के पास से नृत्य की अलग-अलग शैली की शिक्षा दिलाई। इस नृत्य की वजह से ही फिल्म में आई और फिल्म में आने के बाद मुझे नहीं लगा था कि मैं इतना नाम बना लूंगी। जब भी बुलाया जाता है स्टेज पर फरफार्म करती हैं, तब जनता के साथ लगाव रहता है। इसलिए इसे जारी रखना चाहती हैं। फिलहाल कोई फिल्म नहीं कर रही हूं, फिल्म करने को तैयार हूं लेकिन कोई बेहतर रोल मिले तभी करूंगी लेकिन नृत्य के साथ अभी भी जुड़ी हुई हूं। इसके अलावा सांसद बनने भी अवसर उन्हें मिल चुका है।

बृज कला संस्कृति ...

अलावा वहां का नृत्य भी बहुत सुंदर है। इन सब को सम्हाल कर रखना हमारा कर्तव्य है। इसके लिए हमने मथुरा में बृज कलाक्षेत्र क्षेत्र बनाया है। जिसमे सभी को ट्रेनिंग दी जाएगी। दस साल के संसदीय कार्यकाल में वहां काफी कुछ विकास हुआ है और पहले से मथुरा और बेहतर हुआ है।

पेज एक के शेष

महिलाओं के कंधे पर...

संख्या पहली बार 25 से बढ़कर 35 फीसदी तक हो गई है। उल्लेखीय है कि यह महिला नक्सली करीब 12 साल पहले बाल संगठन में भर्ती हुई थीं। तब बस्तर में नक्सली मजबूत थे। बाल संगठन में महिलाओं को लड़ने की ट्रेनिंग दी गई। बाल संगठन में भर्ती महिलाओं की उम्र 25 के आसपास हो गई है। वे सब लड़का बन गई हैं। पुरुष नक्सलियों के मारे जाने या सरेंडर करने के कारण अब महिलाएं फ्रंट पर आ गई हैं और ज्यादातर हमलों में ज्यादा सक्रिय हैं। इस साल बस्तर संभाग के जिलों में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 153 नक्सलियों को ढेर किया। मारे गए नक्सलियों में 52 महिला माओवादी शामिल हैं।

थ्री लेयर सिस्टम : मुठभेड़ के दौरान माओवादी थ्री लेयर में होते है। फ्रंट लाइन में गुरिल्ला युद्ध में निपुण मीलिट्री बटालियन के शीर्ष पुरूष व महिला नक्सली भी शामिल होते हैं। इसके बाद रेंक के आधार पर दो अन्य लेयर में नक्सली मोर्चा संभालते हुए फोर्स को घेरने का प्रयास करते हैं।

ब्रेनवॉश कर महिलाओं की संगठन में भर्ती : पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं व छोटी बच्चियों के परिजनों को धमकाकर तथा उनका ब्रेनवाश कर नक्सल सगंठन में भर्ती किया जाता रहा है। सर्वाधिक महिलाओं व बच्चियों की भर्ती वर्ष 2011-12 से शुरू की गई थी। सूत्रों के अनुसार नक्सली छोटी उम्र के बच्ची और बच्चियों को ही ट्रेनिंग देने लगते हैं। इसके लिए परिजनों को तैयार किया जाता है। जो तैयार नहीं होते उन्हें कई तरह से प्रताड़ित भी किया जाता है।

सक्रिय हथियारबंद नक्सलियों...

कैडर की बात करें तो इनकी संख्या ढाई हजार से अधिक है, जो नक्सलियों की मदद करते है। हथियारबंद नक्सलियों की बात करें तो इनमें कैडर के अनुसार सेंट्रल कमेटी मेंबर, अल्टरनेटिव सेंट्रल कमेटी मेंबर, डीकेएसजेडसी सचिव, स्टेट कमेटी सचिव, स्पेशल एरिया कमेटी सचिव व स्पेशल जोनल कमेटी सचिव पर 40-40 लाख रुपए का इनाम घोषित है।

मिस्डकॉल से ही नहीं...

साथ ही मिस्ड कॉल करके सदस्य बनने की होड़ लग गई है। छत्तीसगढ़ में भी थोक में ऐसे लोग सदस्य बन गए हैं जिनको भाजपा ने पार्टी से निष्कासित कर दिया है। इसी के साथ कई ऐसे लोगों के भी सदस्य बनने की बात सामने आ रही है जिन पर अपराधिक मामले भी हैं। कांग्रेस लगातार आरोप लगा रही है कि अपराधी भी भाजपा के सदस्य बन गए हैं। ऐसे में इस बात को लेकर बहस हो रही है कि ऐसे लोगों का क्या होगा।

सत्यापन जरूरी...

अभियान के समाप्त होने के बाद राष्ट्रीय संगठन से आ जाएगी। सूची के एक-एक सदस्य का सत्यापन जरूरी है। सत्यापन के बिना कोई भी सदस्य नहीं बन सकता है। हर सदस्य का जिलों में सत्यापन होगा। जिनके नाम जिलों से सत्यापन के बाद आएंगे वहीं सदस्य होंगे।

हत्या के बाद...

आदिवासी समाज ने भी प्रदर्शन उपरान्त सीएम के नाम ज्ञापन सौंपकर आरोपियों की गिरफ्तारी, मृतक के माता पिता को दो करोड़ मुआवजा, पत्नी को शासकीय नौकरी दिए जाने सहित अन्य मांगें की है। लगभग चार से पांच घंटे तक चले विरोध प्रदर्शन उपरांत आईजी ने एसआई व आरक्षक को निलंबित कर दिया है जबकि तीन दिनों में आरोपियों की गिरफ्तार का आश्वासन दिया गया जिसके बाद फिलहाल आंदोलन समाप्त हो गया है। बता दें कि सीतापुर बेलजोरा निवासी दीपेश उर्फ संदीप लकड़ा की हत्या के मामले में परिजन व सर्व आदिवासी समाज ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजन के साथ ही सर्व आदिवासी समाज का आरोप है कि जब इस मामले की शिकायत मृतक की पत्नी व परिजन द्वारा पुलिस से की गई तो पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। इस घटना को लेकर परिजन के साथ ही सर्व आदिवासी समाज के लोग सुबह से ही सीतापुर में एकत्रित होने शुरू हो गए थे। समाज के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए जिलेभर से पुलिस बल को बुलाकर तैनात किया गया था। इस दौरान दोपहर लगभग दो बजे से समाज के लोगों का प्रदर्शन शुरू हुआ। पुलिस की टीम ने आदिवासी समाज की भीड़ को रोकने का प्रयास किया लेकिन भीड़ पुलिस के घेराबंदी को तोड़ते हुए थाने के सामने पहुंच गई। इस दौरान उन्होंने एसपी, एसडीओपी, टीआई व पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आदिवासी समाज के आंदोलन से एनएस 43 पूरी तरह से जाम हो गया और आवागमन अवरुद्ध हो गया। सर्व आदिवासी समाज का आरोप है कि संदीप लकड़ा के अपहरण व हत्या के मामले को दबाने का प्रयास किया गया। जब मृतक की पत्नी और परिजन ने घटना की शिकायत पुलिस से की तो पुलिस ने इस मामले में समय रहते कोई उचित कार्रवाई नहीं की। परिजन ने सर्व आदिवासी समाज के समक्ष मदद की गुहार लगाई। आदिवासी समाज व आयोग के अध्यक्ष के हस्तक्षेप के बाद 75 दिनों के बाद मृतक का शव बरामद हो सका। इस मामले में पुलिस की लापरवाही पूरी तरह से नजर आ रही है। शिकायत के बाद भी अपराधी खुलेआम घूमते रहा और पुलिस को कार्रवाई करने में 75 दिनों का समय लग गया। ऐसे में पुलिस प्रशासन के खिलाफ पूरे समाज में आक्रोश का माहौल है।

आदिवासी समाज ने की ये मांगे % धरना प्रदर्शन के बाद सर्व आदिवासी समाज की ओर से एसडीएम रवि राही को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया है। इस दौरान समाज की ओर से मांग की है कि मृतक संदीप लकड़ा के जघन्य हत्याकांड के मुख्य आरोपी अभिषेक पाण्डेय, सहयोगी प्रत्युष पाण्डेय एवं गौरी तिवारी सहित घटना में सम्मिलित सभी सहयोगियों को नामजद एफआईआर दर्ज करा गिरफ्तार किया जाए। मृतक संदीप लकड़ा के परिजन पत्नी बच्चों बुजुर्ग माता पिता को 2 करोड़ आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। जघन्य हत्याकांड में विलम्ब लगभग 75 दिन से अधिक होने के जिम्मेदार एसपी, एसडीओपी, टीआई को प्रभाव से तत्काल निलंबित कर जांच कराई जाए व संबंधितों पर एफआईआर दर्ज हो। मृतक की पत्नी सलीमा लकड़ा को शासकीय सेवा दी जाए।समाज की मांग है कि मुख्य आरोपी अभिषेक पांडेय के निजी खातों से आहरित करोड़ो रुपए का मृतक संदीप के प्रकरण को दबाने प्रभावित में उपयोग किया गया इसकी जांच की जाए और दोषियों पर कार्रवाई हो। आदिवासी मुख्यमंत्री होने के नाते आदिवासी युवक का अपहरण कर हत्या करने और शातिराना अंदाज में पानी टंकी के दस फ़ीट नीचे शव दफन कर अमानवीय कृत्य करने वाले आरोपियों और उनके सहयोगियों को मौत की सजा दी जाए।

एसआई व आरक्षक निलंबित : सर्व आदिवासी समाज के द्वारा आंदोलन के दौरान मृतक संदीप लकड़ा की जांच में लापरवाही और दोषियों को बचाने का आरोप लगाकर दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की गई। समाज के लोगों ने एसपी, एसडीओपी, टीआई व पुलिसकर्मियों के खिलाफ नारेबाजी कर उन्हें बर्खास्त करने की मांग की। समाज ने एसआई आरसी रायव आरक्षक रुपेश महंत पर दोषियों के साथ मिलकर उन्हें बचाने का गंभीर आरोप लगाया। इधर लोगों के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए आईजी अंकित गर्ग ने प्रकरण की विवेचनाकरने करने वाले उप निरीक्षक रमेश चंद्र राय व आरक्षक रुपेश महंत को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। एसआई आरसी राय वर्तमान में कोरिया जिले में तैनात है ऐसे में उन्हें कोरिया लाइन अटैच किया गया है जबकि रुपेश महंत को अंबिकापुर रक्षित केंद्र अटैच किया गया है।

आरोपी के घर चले बुलडोजर : परशुराम : सर्व आदिवासी समाज के परशुराम भगत ने कहा कि पुलिस प्रशासन द्वारा इस मामले में दोषियों को बचाने और मामले को दबाने का प्रयास किया गया। समाज व आयोग के हस्तक्षेप के बाद आदिवासी युवक का शव बरामद हुआ है लेकिन उसका अंतिम संस्कार तब तक नहीं किया जाएगा जब तक मुख्य आरोपी समेत सभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती। इस प्रकरण में दोषियों को बचाने वाले पुलिस अधिकारी कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाए और मृतक के परिजन को दो करोड़ मुआवजा व शासकीय नौकरी दी जाए। जिस तरह भाजपा सरकार में अन्य प्रदेश में आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलते है वैसे ही इस मामले में भी सभी आरोपियों के घर पर बुलडोजर कार्रवाई की जाए।

बेसबॉल बैट से...

करने के बाद कमरे में बंद कर दिया था। मारपीट से गंभीर युवक की कमरे में तड़प तड़पकर जान चली गई। हत्या के बाद शातिर तरीके से शव को ओवरहेड टैंक निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढे में दफन कर ऊपर टंकी का निर्माण करा दिया। बता दें कि सीतापुर बेलजोरा निवासी सलीमा लकड़ा ने 20 जुलाई को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसका पति दीपेश उर्फ संदीप लकड़ा 7 जून से लापता है। संदीप को 7 जून की शाम ठेकेदार अभिषेक पांडेय, मुंशी प्रत्युष पांडेय व अन्य साथी अपहरण कर ले गए और मारपीट कर उसकी हत्या कर दी। मामले तीन महीने से लापता सीतापुर बेलजोरा निवासी दीपेश उर्फ संदीप लकड़ा का कंकाल 6 सितंबर को पुलिस ने मैनपाट के कमलेश्वर अंतर्गत लुरैना के बड़वा पाट मोहल्ले में नल जल योजना के तहत बनाए गए ओवर हेड टैंक के नीचे से बरामद किया था। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों प्रत्युश पाण्डेय, गुड्डू कुमार, तुलेश्वर तिवारी एवं शैलशक्ति साहू को हिरासत में लेकर पूछताछ की जिसके बाद आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि मृतक संदीप लकड़ा अभिषेक पांडेय के पास राजमिस्त्री का काम करता था।

झारखण्ड सरकार
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, जमशेदपुर

ई–अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–अल्पकालिन निविदा संख्या:- **14/2024-25/RWD/EE/JSR** दिनांक :- **06.09.2024**
कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, जमशेदपुर द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	आईडेन्टीफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अंक में	अक्षर में	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	RWD/ JAMSHEDPUR/ 43/2024-25	जय हिन्द बालिका मध्य विद्यालय, बागबेड़ा के मोड़ से बड़ौदा घाट चौक होते हुए तेजाब नाला पुलिया रिवर व्यु कॉलोनी के छोर तक पथ निर्माण कार्य। (लं–1.400 कि0मी0)	1,70,13,000.00	एक करोड़ सत्तर लाख तेरह हजार रू0 मात्र	9 माह
2.	RWD/ JAMSHEDPUR/ 44/2024-25	जमशेदपुर प्रखंड के अन्तर्गत भागाबांध जोजोटोला से डांगरडीह होते हुए बेको पंचायत सीमा तक पथ निर्माण कार्य। (लं–2.900 कि0मी0)	3,20,52,900.00	तीन करोड़ बीस लाख बावन हजार नौ सौ रू0 मात्र	15 माह
3.	RWD/ JAMSHEDPUR/ 45/2024-25	जमशेदपुर प्रखंड के अन्तर्गत चांदनी चौक मुख्य सड़क से गुरमा टोला, जोरडीह तक तथा चांदनी चौक मुख्य सड़क से कस्तुलिया होते हुए पिपला तक पथ निर्माण कार्य। (लं–3.100 कि0मी0)	3,45,23,900.00	तीन करोड़ पैंतालीस लाख तेईस हजार नौ सौ रू0 मात्र	15 माह

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– **11.09.2024 |**
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– **23.09.2024** अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि jharkhandtenders.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन मोड में स्वीकार की जाएगी।
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– **24.09.2024** अपराह्न 5.00 बजे।
6. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :–कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, जमशेदपुर, ब्लॉक–करनडीह, थाना–परसुडीह, जमशेदपुर, झारखण्ड, पिन–831002।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0– 0657–2298902।
8. विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, जमशेदपुर

PR 335096 (REO) 24-25 (D)

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। किसी रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबार से आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृष — नौकरी में कार्यक्षेत्र की स्थिति में सुधार होगा। आय की स्थिति सुधरेगी। आय के नए स्रोत भी विकसित हो सकते हैं। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मिथुन — शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है। कला एवं संगीत में रुचि बढ़ सकती है। मन अशान्त रहेगा।

कर्क — कारोबार के प्रति सचेत रहें। कुछ कठिनाइयां आ सकती हैं। परिवार का साथ रहेगा। धन प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

सिंह — परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मित्रों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। वाणी में कठोरता का प्रभाव रहेगा।

कन्या — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार से आय में वृद्धि होगी। खर्च भी बढ़ सकते हैं। क्रोध की तीव्रता में कमी आएगी।

तुला — आत्मविश्वास में कमी आएगी। मन अशान्त रहेगा। भाई–बहनों के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। लंबी यात्रा के योग हैं।

वृश्चिक — नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। अफसरों का सहयोग मिलेगा। स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है।

धनु — उच्च शिक्षा के लिए किसी दूसरे स्थान पर जाना हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। रहन–सहन अव्यवस्थित हो सकता है। सेहत का ध्यान रखें।

मकर — फिर भी संयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। परिवार का साथ मिलेगा। किसी सम्पत्ति से धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे।

कुंभ — नौकरी में विशेष कार्य के साथ स्थान परिवर्तन हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। पिता से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

मीन — शैक्षिक कार्यों में सफलता मलिेगी। भाई–बहनों का साथ मिल सकता है। आय में वृद्धि तो होगी, परन्तु खर्च भी बढ़ सकते हैं। मानसिक परेशानियां बढ़ सकती हैं।

स्वीडन में दो साल से कम उम्र के बच्चों के 'स्क्रीन' का इस्तेमाल करने पर प्रतिबंध

एजेंसी ▶▶| स्टॉकहोम

स्वीडन में दो साल से कम उम्र के बच्चों के 'स्क्रीन' का इस्तेमाल करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। सरकार की ओर से जारी परामर्श में स्पष्ट किया गया है कि बच्चों को टीवी और मोबाइल फोन समेत किसी भी 'स्क्रीन' के इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

परामर्श में कहा गया है कि दो से पांच साल तक के बच्चे दिन में अधिकतम एक घंटा, जबकि छह से 12 साल तक के बच्चे दो घंटे 'स्क्रीन' का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें कहा गया है कि किशोर-किशोरियों को दिनभर में अधिकतम तीन घंटे ही 'स्क्रीन' के उपयोग की अनुमति दी जानी चाहिए। स्वीडन सरकार ने यह परामर्श ऐसे समय में जारी किया है, जब विभिन्न अनुसंधानों से पता चला है कि 'स्क्रीन' के अत्यधिक इस्तेमाल के कारण बच्चों और किशोरों में नींद की गुणवत्ता प्रभावित हो रही हैं, अवसाद के मामले बढ़ रहे हैं और शारीरिक सक्रियता के स्तर में लगातार कमी आ रही है। अमेरिका, आयरलैंड, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस जैसे देश भी इस तरह का परामर्श जारी कर चुके हैं। इनमें से फ्रांस ने सबसे सख्त परामर्श जारी किया है कि तीन साल से कम उम्र के बच्चों को 'स्क्रीन' के इस्तेमाल की बिल्कुल भी अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इंडिया लिमिटेड का उपक्रम)

आम सूचना

इस प्रकाशन के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एसईसीएल दीपका क्षेत्रांतर्गत दीपका विस्तार परियोजना हेतु ग्राम मलगांव के निम्नलिखित प्रभावित भू-विस्थापित एवं उनके द्वारा नामित आश्रित उम्मीदवार को एसईसीएल मे रोजगार उपलब्ध कराने हेतु मुख्यालय बिलासपुर से स्वीकृति बाबत प्रस्ताव प्रेषित किया जाना है। प्रस्ताव मे प्रभावित खातेदार /नामित आश्रित द्वारा संलग्न भूमि एवं अन्य व्यक्तिगत दस्तावेजो मे भिन्नता पाई गयी है। विवरण निम्नानुसार है –

क्र.	भूमि दस्तावेज़ के अनुसार भू-स्वामी का नाम एवं पिता का नाम: पत्रक V के अनुसार	पत्रक VI के अनुसार	बी1 (2001 02) के अनुसार	पी II के (1999-2001) के अनुसार	बी1 (2022 23) के अनुसार	पी II के (2020-21) के अनुसार	मुआवजा प्राप्ति रशीद के अनुसार	नामांतरण पंजी/फ़ौती नामांतरण	खाता नं./ अर्जित खसरा नं.	कुल अर्जित भूमि: हे. मे.	एकड़ मे	आधार कार्ड, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र के अनुसार रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का नाम पिता का नाम एवं जन्मतिथि	आवेदन के साथ प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार रोजगार नामित व्यक्ति का नाम एवं पिता का नाम एवं जन्मतिथि	अन्य (विभिन्न दस्तावेज़ों मे खातेदार का नाम एवं अन्य विसंगति) (आधार कार्ड के अनुसार)
1	2		3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1.	राम सिंह पिता जीत सिंह	राम सिंह पिता जीत सिंह	राम सिंह पिता जीत सिंह	राम सिंह पिता जीत सिंह	राम सिंह पिता जीत सिंह	राम सिंह पिता जीत सिंह	राम सिंह पिता जीत सिंह	आवश्यकता नहीं है	खाता नं. -151 खसरा नं. – 173	1.125	2.78	1. आधार कार्ड दिलराज कंवर पिता राम सिंह कंवर जन्म तिथि - 25/08/1994	दिलराज कंवर पिता राम सिंह कंवर जन्म तिथि - 25/08/1994	

उपरोक्तानुसार खातेदार का नाम राम सिंह पिता जीत सिंह तथा रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का नाम दिलराज कंवर पिता राम सिंह कंवर पढ़ा एवं समझा जावे। अतः किसी भी संबन्धित व्यक्ति को उक्त व्यक्तियों के पहचान पर कोई आपत्ति हो तो अपना पूरा नाम, हस्ताक्षर, पता एवं मूल दस्तावेजो प्रमाणो के साथ इसकी लिखित शिकायत अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय मे इस सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर उपस्थित होकर प्रस्तुत करे। अन्यथा समयावधि के पश्चात प्रस्तुत दावा आपत्ति अमान्य होगी। **SECL/24-25/163**

महाप्रबंधक, एसईसीएल दीपका क्षेत्र

शब्द पहेली - 5626

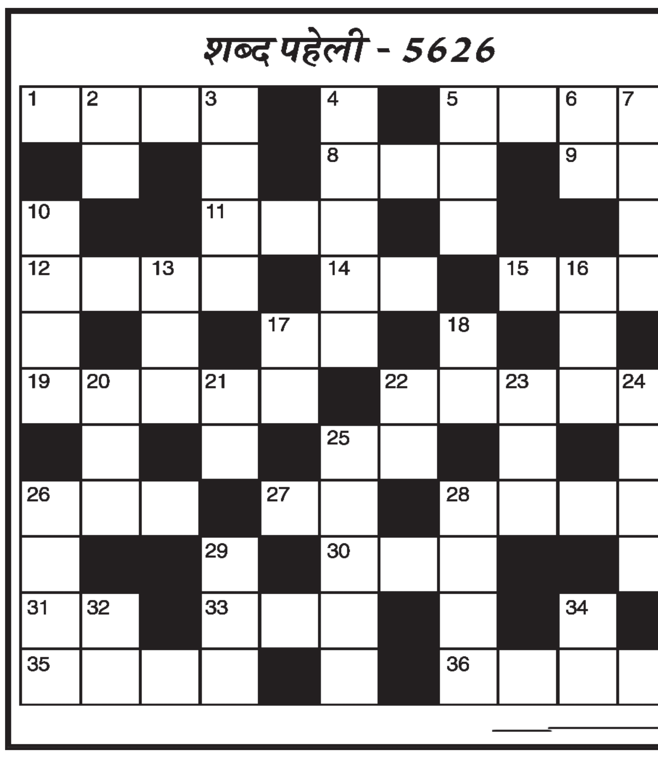

बाएँ से दाएँ
1.आदत से मजबूर–4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी–4)
8.हवा,समीर–3
9.रुष्ट,गुस्सा होना–2
11.सफेद,श्वेत–3
12.हमेशा,सदैव–4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा–2
15.सिर्फ,महज–3
17.अनाज का कण–2
19.आधुनिक,नया–5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा–5
25.सदैव–2
26.ध्वजा–3
27.अधिकार–2
28.असमकक्ष–4
30.चिलमन,नकाब–3
31.वायु रोग–2
33.नल,टोंटी–3
35.आवश्यकता–4
36.शमशीर–4

ऊपर से नीचे
2.राजनीतिक पार्टी–2
3.नीच,अपराधी–4
4.बिजली कौंधना–5
5.बंदर,मर्कट–3
6.जूं का अंडा–2
7.दक्षता,होशियारी–4
10.उपकार,दया भार–4
13.कुचलना,दबाना–3
16.आमदनी–3
17.मूल्य,कीमत–2
18.वाद्य यंत्र–2
20.बहादुरी–3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं–2
22.नाज,नखरा–2
23.उत्तराधिकारी–3
24.आधुनिकता–4
25.झिझकना–5
26.हौसला, ताकत–4
28.शत्रुता,दुश्मनी–4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू–3)
32.पेड़,दरख्त–2
34.औषधि–2

शब्द पहेली- 5625 का हल

■	सो	नि	या	गां	धी	■	म	हा	न	ता
खा	ना	■	प	■	र	क्ष	क	■	म	ल
ना	■	म	न	सि	ज	■	र	ग	■	मे
ब	ला	त	■	■	वा	दा	■	म	ह	ल
दो	■	दा	■	क	ला	■	आ	■	व	■
श	य	न	क	क्ष	■	दि	शा	ही	न	ता
■	म	■	प	■	ह	ल	■	न	■	क
का	ज	ल	■	शा	म	■	■	त	ह	त
म	■	त	य	■	व	फा	दा	र	■	व
चो	र	■	की	म	त	■	म	■	का	र
र	म	जा	न	■	न	य	न	ज	ल	■

सूडोकू नवताल 5637

★☆☆☆☆ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

MANGA_SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल- 5636 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

हिंदी दिवस विशेष

14 सितंबर

भारत की आजादी के पहले से लेकर आज तक अनेक नेता, लेखक और पत्रकार मानते रहे हैं कि हिंदी भारतीय संस्कृति की आत्मा है। भारत को एक सूत्र में पिरोने की क्षमता भी केवल इसी भाषा में है। इतना ही नहीं विश्व के अनेक देशों में भी दिनों-दिन हिंदी का वर्चस्व बढ़ रहा है। ऐसे में हिंदी बोलने या लिखने को लेकर हमारे मन में हीनताबोध नहीं गर्व की अनुभूति होनी चाहिए।

देश को जोड़ती-विश्व में फैलती हमारी हिंदी

आवरण कथा

अपराजिता

भारत में हुई पिछली जनगणना के मुताबिक देश में 52.83 करोड़ लोग हिंदी बोलते हैं। इस तरह भारत की कुल आबादी में करीब 43.63 प्रतिशत आबादी हिंदी बोलने वाली है। लेकिन यह हिंदी के ताकत का महज एक आंकड़ा है। हालांकि सत्ता और नौकरशाही में अंग्रेजी का वर्चस्व होने के कारण कारोबार और विभिन्न व्यवसायों में हिंदी भले बहुत महत्वपूर्ण ना रही हो, लेकिन जहां तक पूरे देश को जोड़ने और पूरे देश से जुड़ने की बात है तो हिंदी से ज्यादा आसान, सुलभ और चुंबकीय भाषा समूचे उपमहाद्वीप में कोई दूसरी नहीं है।

दूसरी सबसे बड़ी संपर्क भाषा

हिंदी की असली ताकत इस बात पर है कि हिंदुस्तान के 1 अरब 40 करोड़ लोगों में से शायद ही 1-2 प्रतिशत लोग ही ऐसे होंगे, जिनको हिंदी समझने या टूटी-फूटी बोल पाने में कोई दिक्कत होती हो, वर्ना पूरे देश में लोग हिंदी समझते हैं। सच तो यह है कि सिर्फ भारत ही नहीं, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, पाकिस्तान, तिब्बत, अफगानिस्तान और श्रीलंका या दूसरे शब्दों में समूचे उपमहाद्वीप में आप हिंदी के जरिए लोगों को अपनी बात समझा सकते हैं और उनसे संवाद कर सकते हैं। देश का कोई कितना ही सुदूर आंचलिक क्षेत्र क्यों ना हो, आप हिंदी के जरिए वहां के लोगों से संपर्क कर सकते हैं। इस तरह देखें तो संख्या के हिसाब से अंग्रेजी के बाद हिंदी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी संपर्क भाषा है।

स्वाधीनता संघर्ष में रही हिंदी की बड़ी भूमिका

गांधीजी हमेशा कहा करते थे कि आजादी के बाद भारत की संपर्क भाषा हिंदी ही होगी। हालांकि वह तो हिंदी को भारत की अधिकृत राष्ट्र भाषा भी बनाना चाहते थे। लेकिन इस बात में कोई दो राय नहीं है कि यह अकेले गांधीजी की इच्छा का सवाल नहीं था। भारत में अंग्रेजों के विरुद्ध आजादी की लड़ाई के बड़े पैमाने पर शुरुआत 1857 में हो गई थी और करीब-करीब तभी से अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ाई में हिस्सेदार हर व्यक्ति को इस बात का एहसास था कि भारत में अगर आजादी के बाद कोई एक भाषा पूरे देश को आपस में जोड़ सकती है, तो वह हिंदी ही होगी। क्योंकि हिंदी की बदौलत ही 1857 और उसके बाद लगातार देश को एकजुट किया गया था। इस तरह देखें तो हिंदी किसी की मर्जी की वजह से महत्वपूर्ण नहीं थी बल्कि इस उपमहाद्वीप में अपने सहज प्रसार की वजह से हिंदी हमेशा से सबसे महत्वपूर्ण संपर्क भाषा रही है। हिंदी ने ही आजादी की लड़ाई के समय देश को एक सूत्र में पिरोया था और आज भी देश को एक सूत्र में पिरो रही है।

राजनेताओं ने समझी है हिंदी की महत्ता

इस देश में कुछ ऐसे प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और शीर्ष राजनेता हुए हैं, जिन्हें शुरुआत में हिंदी बोलने में कठिनाई आती थी। उन्होंने इस बात की महत्ता को समझा और जनसंपर्क के लिए हिंदी बोलना सीखा। पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी अपनी कुछ किताबों में और कई इंटरव्यूज में इस बात का शब्दशः खुलासा किया था कि वह इसलिए भी देश के प्रधानमंत्री नहीं बन पाए, क्योंकि उनका हिंदी में हाथ तंग था। एच.डी. देवगौड़ा जब प्रधानमंत्री बने तो उनको हिंदी में धाराप्रवाह बोल पाने में थोड़ी समस्या होती थी। इसलिए सबसे पहले उन्होंने पहली प्राथमिकता के तौर पर अपनी हिंदी को दुरुस्त किया और कुछ महीनों के बाद ही वह प्रधानमंत्री के रूप में हिंदी धाराप्रवाह बोलने लगे। सोनिया गांधी तब तक कांग्रेस की राजनीति के लिए महत्वपूर्ण नहीं हुई थीं, जब तक उन्होंने देखकर और पढ़कर ही सही लेकिन हिंदी में सहजता से बोलना शुरू नहीं किया।

क्यों हो हिंदी को लेकर मन में हीनताबोध

हिंदी देश की हर मामले में महत्वपूर्ण भाषा है। भले देश की सरकारों के महत्वपूर्ण काम-काज हिंदी में ना होते हों, भले सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में आज भी बहसें ज्यादातर अंग्रेजी में होती हों, लेकिन हम यह जानते हैं कि इस देश के 98 फीसदी लोग, जरूरत पड़ने पर हिंदी बोल लेते हैं, समझ लेते हैं और जब वह सामान्य रूप से जीवन जी रहा होता है तो हिंदी के बहुत नजदीक होता है। इसलिए जो लोग अपनी निराशा में यह कहने की कोशिश में रहते हैं कि अंग्रेजी ना आने और केवल हिंदी भाषी होने के कारण उनकी कीमत कम रह गई है, वो ना सिर्फ गलत कहते हैं बल्कि एक गैरजरूरी हीनभावना का प्रदर्शन करते हैं।

भारतीयता की पहचान है हिंदी

तकनीकी रूप से भले हिंदी भाषी लोग दुनिया के तीसरे नंबर पर आते हों या हिंदी भले दुनिया की तीसरे नंबर की सबसे बड़ी भाषा समझी जाती हो। लेकिन व्यावहारिक रूप से यह अंग्रेजी के बाद ना सिर्फ सबसे ज्यादा बोली जाने वाली बल्कि समझी जाने वाली भाषा भी है। इसलिए हिंदी को लेकर हमें कभी भी कमतरी का एहसास नहीं करना चाहिए। सच बात तो यह है कि भारत को भारत बनाने में हिंदी की महत्वपूर्ण और केंद्रीय भूमिका है, क्योंकि उत्तर से दक्षिण को, पूरब से पश्चिम को यानी समूचे देश को हिंदी एक संपर्क डोर में बांधती है। कहना गलत नहीं होगा कि हिंदी भाषा, भारत की भारतीयता की भी पहचान है। *

दुनिया में फैल रहा हिंदी का वर्चस्व

हिंदी सिर्फ भारत में ही महत्वपूर्ण नहीं है। दुनिया के 132 देशों में हिंदी कॉलेजों, विश्वविद्यालयों या विशेष संस्थानों में पढ़ाई जाती है और वहां की सरकारों में भी बकायदा हिंदी भाषा को लेकर कोई एक महत्वपूर्ण पोस्ट है, क्योंकि भारत आज दुनिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्था है। तकनीकी रूप से भले हम अभी पांचवीं अर्थव्यवस्था हों लेकिन जल्द ही तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के निकट हैं। दुनिया के करीब 200 देशों का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष भारत से व्यापारिक, आर्थिक, राजनैतिक और कूटनीतिक रिश्ता है। ऐसे में इन सब देशों की सरकारों के पास ऐसे हिंदी के जानकार होने जरूरी हैं, जो हिंदुस्तान के समाज की सहज गतिविधियों और दुनिया में उसकी हलचल पर नजर रख सकें। दुनिया के टॉप 100 यूनिवर्सिटी में कम से कम तीन दर्जन विश्वविद्यालय ऐसे हैं, जहां ना सिर्फ हिंदी पढ़ाई जाती है बल्कि इन विश्वविद्यालयों में हिंदी के बकायदा विभाग हैं। दुनिया के एक दर्जन से ज्यादा देशों में हिंदी ना सिर्फ पहली या दूसरी भाषा है बल्कि इन देशों में भी हिंदी की खूब धूमधाम है।

मॉरीशस, फिजी, त्रिनिदाद टोबागो, बांग्लादेश, नेपाल ये ऐसे देश हैं, जहां ना केवल हिंदी बोली या समझी जाती है बल्कि यहां हिंदी के महत्वपूर्ण कवि और लेखक भी हुए हैं और वर्तमान में भी हैं। इसलिए जब भी हमें हिंदी को लेकर कोई हीनताबोध महसूस हो, हमें हिंदी के इन महत्वपूर्ण तथ्यों पर नजर दौड़ा लेनी चाहिए। फिर हमें समझ में आएगा कि हिंदी भारत की छोड़िए दुनिया की कितनी महत्वपूर्ण भाषा है।

विशेषः विश्व साक्षरता दिवस

यह सही है कि दुनिया भर में साक्षरता तेजी से बढ़ रही है। लेकिन मानवीय मूल्यों के प्रति सम्मान और भावनाओं के प्रति प्रेम-सहिष्णुता में ह्रास चिंताजनक है। ऐसे में अक्षर ज्ञान के साथ इंसानी अनुभूतियों को समझने का भाव भी हर किसी में विकसित होना आवश्यक है।

बनें मानवीय मूल्यों के साक्षर

निहितार्थ

डॉ. मोनिका शर्मा

वह तो पढ़ा-लिखा अनपढ़ है।' या 'किताबें तो पढ़ लीं, किसी का मन समझना नहीं आया उसे।' जैसी बातें अकसर उन लोगों के लिए कही-सुनी जाती हैं, जो मानवीय मूल्यों के मोर्चे पर साक्षर नहीं होते। अकसर देखने में आता है कि पढ़ाई की ऊंची डिग्री लिए कुछ लोग किसी के मनोभावों को समझने में हमेशा कोताही करते हैं। कभी ऊंचे ओहदे पर होने के अहम में दूसरों का अपमान करते हैं तो कभी सामाजिक-पारिवारिक रूप से अपने आपको श्रेष्ठ समझने के गुरूर में रहते हैं। ऐसे में लगता है कि किताबी पढ़ाई के साथ ही इंसानों का मन समझने की शिक्षा भी जरूरी है। इसके लिए ना केवल घर-परिवार में शुरू से ही बच्चों को अहसासों को समझने का यह पाठ पढ़ाया जाए बल्कि हर इंसान संवेदनाओं, सम्मान और जीवन मूल्यों को सहेजकर रखने वाले इस सबक को याद भी रखे।

साक्षरता दिवस की सार्थकता

1967 से हर वर्ष 8 सितंबर को दुनिया भर में मनाए जाने वाले वर्ल्ड लिटरेसी-डे का उद्देश्य, साक्षरता को सभी के लिए एक मौलिक मानव अधिकार बनाना है। समझना जरूरी है कि मानव अधिकार एक-दूजे के मानवीय भाव-चाव को सम्मान देने से ही जुड़े होते हैं। यह दिन ज्यादा से ज्यादा लोगों को साक्षर बनाने का संदेश देता है, ताकि न्यायपूर्ण, शांतिपूर्ण और बेहतर समाज बनाया जा सके। साल 2024 के लिए वर्ल्ड लिटरेसी-डे की थीम 'बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देना-आपसी समझ और शांति के लिए साक्षरता' निर्धारित की गई है। असल में भाषाई विविधता के माध्यम से लोगों से जुड़ना और समझना आसान होता है। विषय से जुड़ा विस्तृत विचार, आपसी समझ और शांति के लिए साक्षरता है। ऐसे में मानवीय मूल्यों का मान करने की सोच को किसी भाषा या शब्द भर से नहीं समझा जा सकता है। उनके मायने समझने के लिए मन को समझने की डिग्री लेना जरूरी है। यह मानवीय मूल्यों को सम्मान देने की बुनियादी सोच से ही आ सकती है।

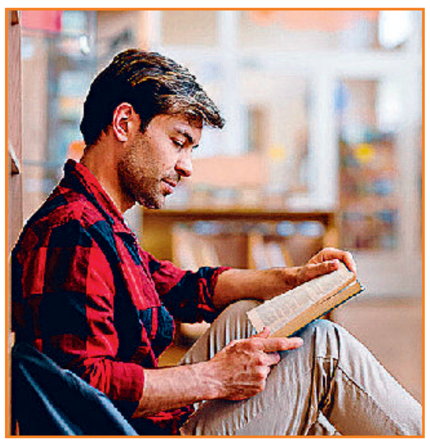

शिक्षितों में बढ़ती संवेदनहीनता

यह बेहद चिंता का विषय है कि हमारे समाज में हो रही बहुत सी आपराधिक घटनाओं को पढ़े-लिखे लोग भी अंजाम दे रहे हैं। महिलाओं और बच्चों के साथ दुर्व्यवहार करने वालों में उच्च शिक्षित लोग भी कई बार शामिल होते हैं। बड़ी डिग्रियां रखने वाले बहुत से लोगों के छोटे काम बताते हैं कि इंसानी मोर्चे पर कुछ सीखना-समझना छूट गया है। हाल के वर्षों में दुनिया के हर हिस्से में शिक्षा के आंकड़े बढ़े हैं। फिर भी दुर्भाव और दुर्व्यवहार ने विस्तार पाया है। इसकी वजह यह है कि सही मायने में जीवन मूल्यों को समझने का पाठ कम ही लोग पढ़ पा रहे हैं। जबकि मानवीय मूल्यों को समझना, जानना और मानना ही इंसान को जिम्मेदार और समझदार बनाता है, सही नजरिया देता है। कम्युनिटीज के लेवल पर आपसी जुड़ाव पैदा होता है। हर इंसान को नैतिक मोर्चे पर अपने व्यवहार और चरित्र को साधने की सीख मिलती है। इन्हीं मानवीय मूल्यों से पूरा परिवेश सहयोगी और सुरक्षित बनता है। ऊंची डिग्रियां लेकर आगे बढ़ते जाने की भागमभाग के इस दौर में बिगड़ते परिवेश का कारण शिक्षा में इन मानवीय मूल्यों की अनदेखी भी है।

आवश्यक है मानवता का पाठ पढ़ना

घर-दफ्तर हो या मित्र समूह, शिक्षित लोगों के माहौल में मिलने वाला अपमान और असुरक्षा का व्यवहार किसी के भी मन को तोड़ने वाला साबित होता है। असल में पढ़े-लिखे लोगों से गरिमापूर्ण व्यवहार और अच्छे विचार रखने की अपेक्षाएं ज्यादा होती हैं। बहुत से लोग जब इस मोर्चे पर निराश करते हैं तो उनका बर्ताव झेलने वाले लोगों का मन ज्यादा दुखी होता है। इसीलिए सहानुभूति, सम्मान और दयालुता का भाव किताबों के पन्नों में पढ़ने के साथ ही उसे अपने जीवन में उतारना भी जरूरी है। समझना यह आवश्यक है कि अभद्र भाषा हो या नीचा दिखाने वाला बर्ताव, बहुत से लोगों को तनाव और अवसाद तक ले जाता है। जबकि साक्षरता तो लोगों को सशक्त-सभ्य बनाती है। हर दबाव से मुक्त रखती है। शिक्षा के अधिकार के हिस्से के रूप में इंसान की क्षमताओं को निखार-संवार कर जीवन में बदलाव लाती है। इंसान को इस काबिल बनाती है कि दूसरों की समस्याएं बढ़ाने के बजाय सुलझाने की राह चुनें। किसी का मनोबल तोड़ने के बजाय संबल देने का काम करें। किसी को कमतर समझने के बजाय साथ चलने का परिवेश बनाएं। सकारात्मकता के हर पहलू को पोषण दें। हमें ध्यान रखना होगा कि ये सब मानवीय मूल्यों के मोर्चे पर साक्षर बनाने से ही संभव हो सकता है। *

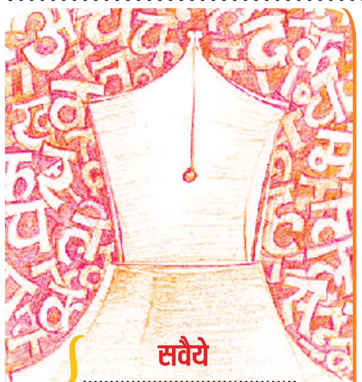

सवैये

डॉ. ओम निश्चल

आज है हिंदी का पावन पर्व
चतुर्दिक भाषा की दुंदुभि बाजे।
आज के दिन हुई धन्य सरस्वती
स्वस्ति वचन अधराधर साजे।
देश के जन-जन के हिय में
अभिव्यक्ति की शीरीं जबान बिराजे
कन्याकुमारी से कश्मीर तक
इसी भाषा ने बांधे हैं स्नेह के धागे।।
तुलसी ने सींचा इसे रस-छंद से
काव्य कला से संवारा इसे है।
पंत ने भाव भरे अप्रतिम
तो निराला ने दिल से दुलारा इसे है।
धूमिल ने रची ओज की बानी
प्रसाद ने तन-मन वारा इसे है।
छाने लगा जब देश में संकट
पुरखों ने मिल के पुकारा इसे है।।
भाषा यही जिसे साध के संतों ने
देश को एक कड़ी में पिरोया।
माला में भाषा के मनके अनेक
मगर हिंदुस्तानी ने मन को भिगोया।
गांधी ने इसकी रची बुनियाद
स्वराज्य का बीज इसी ने है बोया।
हिंदी उसी स्वाभिमान की भाषा
करोड़ों दिलों को हृदय में संजोया।।

लघुकथाएं

रम्मो

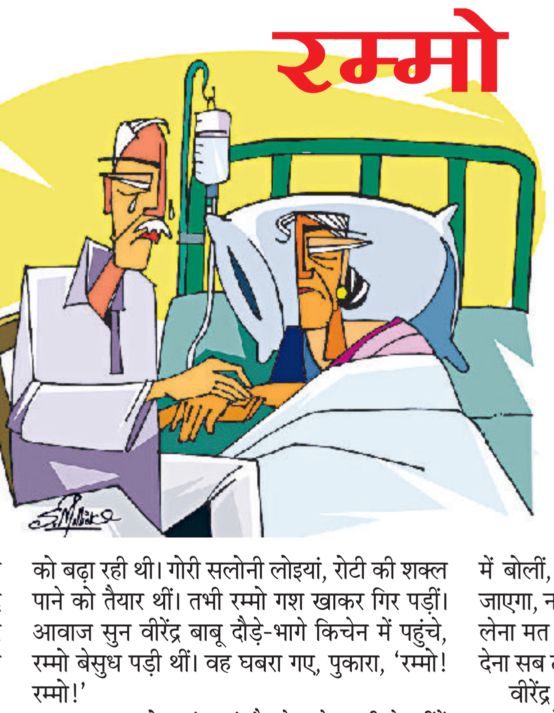

संध्या का झुटपुटा हो गया था। अंधेरा धीरे-धीरे पांव पसार रहा था। जीवन संगीत मद्धिम पड़ रहा था। दिनभर की भाग-दौड़ के बाद एक शांति। सूर्य देव भी विश्राम के इरादे से अस्ताचल गामी हो गए थे। ना जाने क्यों, वीरेंद्र बाबू का मन भी डूबा जा रहा था। उनके भीतर आवाज उठी, 'रम्मो! रम्मो!'

रम्मो शायद किचेन में व्यस्त हो गई थीं। बढ़ती उम्र के कारण थोड़ा ऊंचा सुनने लगी थीं और वीरेंद्र बाबू कुछ चिड़चिड़े हो गए थे। यूं तो अपनी फुर्ती और चुस्त काया से उम्र को ठेंगा दिखाने वाली रम्मो में भी चुप्पी गहराती जा रही थी। बच्चे नीड़ से दूर परदेस में जाकर बस गए थे। अंदर-बाहर एक सूनापन, एक खालीपन गहराता जा रहा था।

'रम्मो! रम्मो!' आवाज में कुछ तीखापन और क्रोध समाहित हो गया था। उम्र का एक ऐसा पड़ाव, जब पति-पत्नी दोनों एक-दूसरे का सहारा होते हुए भी एक-दूसरे पर खीजते, झगड़ते हैं। शायद ही कोई दिन ऐसा होता, जब उनका ऊंचा स्वर चहारदीवारी से बाहर ना जाता हो, लेकिन अगले ही पल बच्चों से वीडियो चैटिंग करते खूब हंसते-खिलखिलाते। समय का एक चेहरा यह भी था। अड़ोसी-पड़ोसी भी इसके आदी हो चुके थे।

कुकर सीटी दे रहा था, आलू-मेथी की खुशबू क्षुधा को बढ़ा रही थी। गोरी सलोनी लोइयां, रोटी की शक्ल पाने को तैयार थीं। तभी रम्मो गश खाकर गिर पड़ीं। आवाज सुन वीरेंद्र बाबू दौड़े-भागे किचेन में पहुंचे, रम्मो बेसुध पड़ी थीं। वह घबरा गए, पुकारा, 'रम्मो! रम्मो!'

बदहवास हो यहां-वहां दौड़ने लगे। पानी के छींटें दिए, फिर तुरंत लेकर अस्पताल पहुंचे। वीरेंद्र बाबू आईसीयू के बाहर बेचैनी से चक्कर काट रहे थे। ना कुछ खाया, ना पिया। कभी हाथ जोड़ ईश्वर से प्रार्थना करते, तो बीच-बीच में रुमाल से नाक पोंछते और कभी चश्मा साफ करते। गौर वर्णी चेहरा क्लांत हो गया था। आंखें अंगार-सी तप रही थीं। पूरी रात आंखों में कट गई।

'पेशेंट इज आउट ऑफ डेंजर, आप मिल सकते हैं।' डॉक्टर ने वीरेंद्र बाबू के कंधे पर हाथ रखते हुए कहा। वह तीर से अंदर की ओर दौड़े और रम्मो का हाथ अपने हाथ में ले बोले, 'कहां चल दी थीं मुझे छोड़कर? मेरे बारे में जरा भी नहीं सोचा? यह भी ना सोचा कि तेरे जाने के बाद मेरा क्या होगा?'

उनकी बूढ़ी आंखों से झरते आंसू रम्मो की सूखी झुर्रियों के मकड़जाल सजी हथेलियों पर पड़े। बहुत कोशिश कर कठिनाई से आंखें खोलकर, कमजोर स्वर में बोलीं, 'आप टेंशन नहीं लीजिए जी! बीपी बढ़ जाएगा, नाश्ता किया कि नहीं? और हां शुगर की गोली लेना मत भूलना! मुन्ना के बापू! मुन्ना को फोन कर देना सब ठीक है, वो चिंता ना करे!'

वीरेंद्र बाबू का हृदय मानो फूट पड़ा। पत्नी के दोनों हाथ अपने हाथ में लेकर बोले, 'कभी तो अपने लिए जी लिया कर रम्मो!' *

-यशोधरा भटनागर

शुद्धता

छुट्टियों में घर आए बेटे से कुशलक्षेम पूछने, थोड़ी बहुत बातचीत करते ही पिता को कुछ खटक गया। उन्होंने पूछ लिया, 'अरे विनय, यह तुम्हारी भाषा इतनी मिलावटी कैसे हो गई?'

'कुछ नहीं डैड, आजकल यही ट्रेंड चल रहा है। चिल करो ना।' कहते हुए विनय बाथरूम में नहाने चला गया।

रात के खाने में मां ने सब कुछ अपने बेटे की पसंद का ही बनाया। विनय भी कई दिनों के बाद परिवार के साथ भोजन करने बैठा था। मां ने प्यार से थाली परोसकर बेटे के सामने रखी। तभी पिता ने थाली अपनी तरफ खिसकाई और सारे खाने को एक साथ मिला दिया। अब एक निवाला हाथ में उठाकर विनय के मुंह की तरफ बढ़ाया। बेटा आश्चर्य से पिता की तरफ देखने लगा।

'यह क्या पापा? मम्मी ने इतनी मेहनत से खाना बनाया था और आपने सारा खाना मिक्स कर दिया। अब टेस्ट का पता कैसे चलेगा?' विनय ने नाराजगी दिखाई। पिता मुस्कुरा दिए। 'वही तो... एक साथ मिला देने से शुद्धता नहीं रहती। फिर चाहे भोजन हो, भाषा हो या फिर संस्कृति।' पिता ने कहा और फिर अपनी परोसी हुई थाली बेटे की तरफ खिसका दी, जिसमें हरेक पकवान अलग-अलग कटोरियों में रखा हुआ था। विनय ने लंबी सांस भरकर भोजन की महक को अपने भीतर भरा और स्वाद लेकर खाने लगा। *

-आशा शर्मा

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

शब्दों में टूटी खामोशी

समाजवादी नेता किशन पटनायक की जीवन संगिनी वाणी मंजरी दास की संस्मरणात्मक किताब है-खामोशी तोड़ते वे दिन। वाणीजी का जीवन, संघर्ष और पीड़ा की अनकही गाथा है। मात्र दस वर्ष की आयु में उनका विवाह तय हुआ मगर वेदी पर राख गिर जाने से उन्हें अपशकुनी घोषित कर घर से बाहर कर दिया गया। कभी मामा के घर तो कभी आश्रम में रहकर वे बड़ी हुईं। किशनजी से उन्होंने बेहद सादगी से विवाह किया। हालांकि इसके बावजूद किशनजी के साथ उनके संबंधों को लेकर बड़े-बड़े समाजवादी नेता उनकी आलोचना करते थे। लेकिन किशनजी और वाणीजी ने कभी उनका विरोध नहीं किया। विवाह के बाद भी उन्हें जीने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। यह किताब बड़े-बड़े नेताओं के ओछे विचारों की पोल भी खोलती है। किस तरह समाजवाद की वकालत करने वाले लोग स्त्री-अधिकारों की बात आते ही पुरातनपंथी हो जाते हैं? हमारा समाज कितना दकियानूसी और खोखला है, इसे बड़ी संजीदगी से बताती है यह किताब।

इसके कुछ अध्यायों में किशनजी के समाजवादी मित्रों के पारिवारिक किस्से भी हैं। इसमें लोहियाजी की महिला मित्र, रमा(रोमा मित्रा) से उनके संबंधों और लोहिया के बाद उनकी दशा का भी मार्मिक चित्रण मौजूद है। वाणीजी गायन के जरिए अपना जीविकोपार्जन करती थीं। उनके इस पेशे को सबने हेय दृष्टि से देखा और किशनजी को उनसे दूर रहने को आगाह किया। हालांकि वाणीजी, जीवन में मिली यातनाओं को चुपचाप सहती रहीं, लेकिन यह किताब उनकी पीड़ा को चीख-चीख कर बयां करती है। *

पुस्तक-खामोशी तोड़ते वे दिन, **लेखिका**-वाणी मंजरी दास, **संपादन**-गंगा प्रसाद, **कीमत**-200 रुपए, **प्रकाशक**-सूत्रधार प्रकाशन, कांचरपाड़ा (पश्चिम बंगाल)

तरकश

संजय के. दीक्षित

अमेरिका का वीजा और संयोग

छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री को अमेरिका का वीजा न मिलने से मायूस होकर रायपुर लौटना पड़ गया। वीजा क्लियर न होने में गफलत कहां पर हुआ, ये पता नहीं...हो सकता है सरकार इसकी जांच करवा रही हो। मगर लोगों का क्या? इसे शगुन और संयोग से जोड़ना शुरू कर दिया। आखिर, गुजरात के मुख्यमंत्री रहने के दौरान नरेंद्र मोदी ने कई बार अमेरिका जाने का प्रयास किया था मगर उन्हें वीजा नहीं मिला। इसलिए, छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री को इसे गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। किस्मत का कौन जानता है। मोदीजी का तब कितना मन दुखित हुआ होगा। बाद में वे जैसे ही प्रधानमंत्री बनें, अमेरिका ने तुरंत उनका वीजा जारी कर दिया। और अब तो उनके लिए वहां लाल जाजम बिछाया जाता है। सही भी है, आदमी की किस्मत का क्या भरोसा? उप मुख्यमंत्रीजी जवां हैं...पूरी उम्र बाकी है।

टॉप लेवल, डबल वैकेंसी

एसएस बजाज ने छत्तीसगढ़ साइंस एंड टेक्नालॉजी कौंसिल के डायरेक्टर जनरल और न्यू रायपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी के चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया है। पीसीसीएफ से रिटायर होने के बाद बजाज को सरकार ने सीजी कॉस्ट का डीजी बनाया था। बाद में आरपी मंडल जब एनआरडीए से हटाए गए तो बजाज को उसका एडिशनल चार्ज सौंपा गया। साफ-सुथरी छवि के बजाज को पिछली सरकार ने बिना कसूर का सस्पेंड कर दिया था। मगर बाद में चूक का अहसास होने पर उसकी भरपाई करने का प्रयास किया। बहरहाल, बजाज के इस्तीफे से एक साथ दो पद खाली हो गए हैं। इसमें सीजी कॉस्ट का डीजी कुलपति रैंक का पद है। पीसीसीएफ मुदित कुमार भी इस पद पर काम कर चुके हैं। चूंकि इसमें 70 साल की एज लिमिट है, लिहाजा कई रिटायर ब्यूरोक्रेट्स भी इसके लिए प्रयास प्रारंभ कर दिए हैं। अब सवाल एनआरडीए का है। सरकार के स्तर पर नया रायपुर का तेजी से विस्तार करने की प्लानिंग की जा रही है। आईटी सेक्टर को डेवलप किया जाना है। मेट्रो ट्रेन भी दौड़ानी है। मगर पैसे का टोटा है। एनआरडीए में ऐसा आदमी चाहिए, जो दिल्ली से प्रोजेक्ट के लिए पैसा ला सकें। इसके लिए रिटायर कोई आईएएस पात्र नहीं दिखाई पड़ रहा। रमन सिंह सरकार के समय बैजेंद्र कुमार, अमन सिंह जैसे अफसर इसके चेयरमैन रहे हैं। ऐसे में, दिल्ली से लौटे रजत कुमार सरकार की बेस्ट च्वाइस हो सकते हैं। रजत एनआरडीए के सीईओ रह चुके हैं। नया रायपुर में पर्यावास और सीबीडी जैसे भवन बनाने रजत की भूमिका अहम रही। लिहाजा, इस संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता कि किसी विभाग का सचिव बनाने के साथ रजत को एनआरडीए का एडिशनल चार्ज दिया जाए। मगर ये कयास और अटकलें हैं। फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि मुख्यमंत्री क्या सोचते हैं।

आईएएस की छोटी लिस्ट

सेंट्रल डेपुटेशन से लौटे आईएएस रजत कुमार को राज्य सरकार आजकल में किसी विभाग की जिम्मेदारी सौंपेगी। जानकारों का कहना है, दो-तीन दिन से लगातार छुट्टियां चल रही हैं, इसलिए आदेश नहीं निकल पा रहा होगा। रजत को विभाग देने के लिए आईएएस की एक लिस्ट निकलेगी। हालांकि, नाम ज्यादा नहीं होंगे। लिस्ट छोटी होगी। बड़ी लिस्ट निकलेगी अक्टूबर फर्स्ट वीक में। तब डॉ रोहित यादव डेपुटेशन से छत्तीसगढ़ लौटेंगे। हेल्थ में अगर अभी कोई चेंज नहीं हुआ तो फिर रोहित के लौटने के बाद होगा।

600 करोड़ का फायदा

छत्तीसगढ़ सरकार ने एक झटके में शराब के लायसेंसी यानी बिचौलिया सिस्टम पर ब्रेक लगा कर लोगों को चौंका दिया था। इसके फायदे तीन महीने में ही नजर आ गए। शराब के नए टेंडर से 600 करोड़ का राजस्व मिला है। ये पूरे पैसे बिचौलियों के जेब में जाते थे। दूसरा, अब प्रदेश में सभी ब्रांड के वाइन, बीयर, व्हीस्की, रम, वोदका, स्कॉच उपलब्ध होंगे। पिछले साल 8500 करोड़ का लक्ष्य था। उसे बढ़ाकर इस बार 11 हजार करोड़ रुपए किया गया है। यानी 2500 करोड़ की बढ़ता। वो भी तब जब इस वित्तीय वर्ष में छह महीने निकल चुका है। अगर पुरा साल होता तो पांच हजार से उपर जाता। अफसरों को उम्मीद है कि सारे ब्रांड उपलब्ध हो जाने पर शराब से राजस्व बढ़ेगा।

शराब और टूरिज्म

एक स्टडी में ये बात सामने आई है कि जहां टूरिज्म बढ़ा है या आईटी सेक्टर में ग्रोथ हुआ है, वहां शराब की एवेलिबिटी अच्छी होती है। छत्तीसगढ़ सरकार भी प्रदेश का टूरिज्म बढ़ाने बीयर-बार का लायसेंस सिस्टम सरल करने पर विचार कर रही है। जाहिर है, नया रायपुर को आईटी हब के तौर पर विकसित करने का काम प्रारंभ हो गया है। दो-तीन आईटी कंपनियां आईं हैं, उसमें हजार के करीब इम्प्लाई हैं। इसमें और इजाफा हो ही होगा। इसको देखते शराब का ऐप बनाने पर भी विचार किया जा रहा ताकि कौन सी दुकान किस लोकेशन पर है और वहां कौन-कौन से ब्रांड उपलब्ध है, बाहर से आए लोगों को मोबाइल से पता चल जाए। मगर एक्साइज विभाग के अफसर हिचकिचा भी रहे हैं कि कहीं इसे गलत तरीके से प्रचारित मत किया जाए। मसलन, स्टेट में शराब को बढ़ावा दिया जा रहा है। बहरहाल, सिस्टम अगर फैसले लेने की स्थिति में आ गया तो मंझोले होटलों, रेस्टोरेंटों को बीयर-बार का लायसेंस दिया जा सकता है। इससे होटल इंडस्ट्री काफी खुश है। क्योंकि बार का लायसेंस न होने से कई लोग चोरी-छुपे ये काम करते हैं मगर इसके लिए पुलिस और एक्साइज विभाग के साहबों को हर महीने मोटी रकम देनी पड़ती है।

दवा और दारू

छत्तीसगढ़ के मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के पास स्वास्थ्य कल्याण विभाग है। इसके साथ वे आबकारी विभाग का कामकाज भी देख रहे हैं। दरअसल, राजनीतिक नियुक्ति होने तक सरकार ने उन्हें ब्रेवरेज कारपोरेशन के चेयरमैन का दायित्व सौंपा है। नई नीति के तहत इस समय वेंडरों से शराब खरीदी चल रही है। सरकार ने लायसेंसी सिस्टम खतम कर ब्रेवरेज कारपोरेशन को शराब सप्लाई का जिम्मेदारी दी है। लिहाजा, श्याम बिहारी इस समय ब्रेवरेज को भी टाईम दे रहे हैं। हालांकि, आबकारी विभाग मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के पास है। मगर राज्य के मुखिया के पास उतना समय होता नहीं। उनके पास माईनिंग, ट्रांसपोर्ट, सामान्य प्रशासन विभाग, सुशासन और जनसंपर्क विभाग भी है। इसलिए रुटीन के काम हेल्थ मिनिस्टर संभाल रहे हैं। ऐसे में, श्याम बिहारी के करीबी लोग खूब चुटकी ले रहे हैं...अपने श्याम भैया के पास दवा और दारु...दोनों है। ठीक भी है...कई बार दवा असर न करने पर दारु काम कर जाता है।

कलेक्टर का सम्मान

सरकार ने एक ठेकेदार बीजेपी नेता से विवाद के बाद बीजापुर कलेक्टर को हटा दिया था। इसके बाद बीजेपी नेता के खिलाफ एफआईआर हुआ और उन्हें जेल भेजा गया। बता दें, कलेक्टर का 31 अगस्त को रिटायरमेंट था। आमतौर पर रिटायरमेंट के मंथ में किसी का ट्रांसफर नहीं किया जाता। अत्यधिक गंभीर केस हो तभी चला-चली के मौके पर किसी का ट्रांसफर या सस्पेंशन होता है। मगर ब्यूरोक्रेसी के लिए सुखद यह रहा कि कलेक्टर को हटाने के बाद रिलीव नहीं किया गया। वे 31 अगस्त को रिटायर होकर रायपुर लौटे। नए कलेक्टर भी उनके सेवानिवृत होने पर ही बीजापुर पहुंचे। याद होगा, तरकश में हमने एक सवाल पूछा था कि क्या कारण है कि कलेक्टर की छुट्टी के बाद आईएएस लॉबी मौन है? कहीं उसका असर तो नहीं!

सीएस साहब मैं भी...

2003 बैच की सिकरेट्री रैंक की आईएएस रीना बाबा कंगाले का मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बने तीन साल से अधिक हो गया है। इस दरम्यान उन्होंने विधानसभा का चुनाव कराया और फिर लोकसभा का भी। विधानसभा में बीजेपी ने 15 से 51 सीट पर पहुंच धमाकेदार वापसी की। लोकसभा चुनाव भी सत्ताधारी पार्टी के पक्ष में एकतरफा ही रहा। कांग्रेस को 11 में से सिर्फ कोरबा लोकसभा सीट से संतोष करना पड़ा। मगर बात अब मुद्दे की...आमतौर पर सरकार के पक्ष में जब फैसले आते हैं तो चीफ इलेक्शन आफिसर को अच्छी पोस्टिंग मिलती है। 2018 के विधानसभा और 2019 के लोकसभा के समय सुब्रत साहू सीईओ थे। उन्हें एसीएस टू सीएम बनाया गया था। मगर लगता है रीना को चीफ सिकरेट्री भूल गए हैं। जाहिर है, आईएएस की जब भी लिस्ट निकलने की चर्चाएं होती होगी, निश्चित तौर पर रीना की उम्मीदें बंधती होगी। रही बात, चुनाव आयोग से परमिशन के, तो दो चुनाव कराने वाली रीना के लिए आयोग से परमिशन मिलना कठिन थोड़े ही होगा। वैसे भी छत्तीसगढ़ की ब्यूरोक्रेसी से चुनाव आयोग के अच्छे संबंध हैं। ऐसे में, जब भी आईएएस की पोस्टिंग होती होगी, रीना का जी मचलता होगा...सीएस साब, मैं भी हूं।

अंत में दो सवाल आपसे

1. क्या ये सही है कि ब्यूरोक्रेट्स अगर पोस्टिंग और पैसे की चिंता करना छोड़ दें तो कोई ताकत उसे झुका नहीं सकती?
2. क्या नगरीय और पंचायत चुनाव एक साथ जनवरी-फरवरी में होंगे?

पाक सेना प्रमुख ने कहा- भारत के खिलाफ लड़ाई में शामिल था पाक, खोए थे सैनिक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- 25 साल बाद कारगिल युद्ध पर पाकिस्तान का सार्वजनिक कबूलनामा
- पहले कहता रहा पाक, लड़ाई में पाक सैनिक नहीं, बल्कि 'कश्मीरी उग्रवादी' या 'मुजाहिद्दीन' शामिल थे

वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध के ढाई दशक के बाद पाकिस्तान ने पहली बार सार्वजनिक रूप से इस सच को स्वीकार कर लिया है कि वो भारत के खिलाफ लड़ी गई इस लड़ाई में शामिल था और इसमें उसने अपने सैनिकों को खोया था।

रक्षा दिवस के मौके पर आयोजित एक समारोह में पाकिस्तान के सेनाप्रमुख जनरल असीम मुनीर ने यह कबूलनामा किया। यह बयान पाकिस्तान द्वारा पूर्व में कारगिल की लड़ाई को लेकर दिए जा रहे बयानों से पूरी तरह से अलग है। जिनमें वो यह कहता रहा है कि भारत के खिलाफ कारगिल के हमले को कश्मीरी उग्रवादियों या जिन्हें वे मुजाहिद्दीन कहते हैं, उन्होंने अंजाम दिया था। पाक दिवस के समारोह में पाकिस्तान की सेना और सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और सैनिकों के परिवार के सदस्य शामिल हुए।

फिलहाल ठंडे बस्ते में हैं द्विपक्षीय संबंध

भारत और पाकिस्तान के द्विपक्षीय संबंधों में दशकों से जम्मू-कश्मीर के मामले को लेकर तनातनी रही है। इसमें केंद्रशासित प्रदेश में पाकिस्तान द्वारा जारी सीमापार आतंकवादियों की घुसपैठ का मामला भी शामिल है। वर्तमान दशक की बात करें तो वर्ष 2019 में पाकिस्तान समर्थित आतंकियों द्वारा किए गए पुलवामा आतंकी हमले के बाद से दोनों देशों के संबंध पटरी से उतर गए थे। इस हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे। हमले के बाद से लेकर आज तक दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंध पूरी तरह से सामान्य नहीं हो पाए हैं।

1999 के युद्ध में खोए पाक सैनिक

जनरल मुनीर ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तान बहादुरों का समूह है। वह आजादी के महत्व को समझता है और इसके लिए कुछ भी करने को तैयार है। लड़ाई चाहे 1948 की हो या 1965, 1971 और 1999 का कारगिल युद्ध हो। पाकिस्तान के हजारों सैनिकों ने देश और इस्लाम के लिए अपनी जान कुर्बान की है। समारोह में पाकिस्तान के सेनाप्रमुख ने इन तमाम युद्धों में मारे गए पाक सैनिकों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि इसमें कारगिल युद्ध भी शामिल है।

अमेरिकी हस्तक्षेप से हुई पाक सैनिकों की वापसी

कारगिल युद्ध के दौरान पाकिस्तान की सेना ने कश्मीर के कारगिल-द्रास सेक्टर में ऊंचाई पर स्थित भारत के कई रणनीतिक ठिकानों पर कब्जा कर लिया था। आमतौर पर चुनौतीपूर्ण सर्दियों के मौसम में सेना इन जगहों को खाली कर देती थी। लेकिन पाक के कब्जे के बाद भारत ने 26 मई 1999 को ऑपरेशन विजय की शुरुआत की और जंग में पाक सेना को करारी शिकस्त दी थी। यह लड़ाई 18 हजार फीट की ऊंचाई पर करीब एक महीने तक यानी 26 मई से लेकर 26 जुलाई 1999 तक चली थी।

जनरल मुशर्रफ की बातचीत ने खोला था भेद : *दरअसल भारत शुरुआत से यह बात कहता आया है कि यह संघर्ष पाकिस्तान की सेना द्वारा भारत के खिलाफ किया गया सीधा आक्रमण था। आतंकवादियों को आगे खड़ा कर उनकी एक ढाल बनाकर पाकिस्तान की सेना ने कारगिल में घुसपैठ की थी।*

गुमशुदा की तलाश

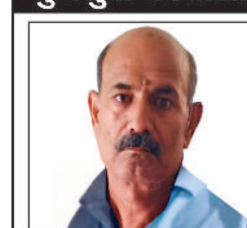

नाम महेन्द्र कुमार उपाध्याय उम्र लगभग 57 वर्ष निवासी- एकता नगर गुढियारी रायपुर छ.ग. का निवासी है, एम्स में इमरजेंसी में एडमिट किया गया था, मानसिक स्थिति खराब होने के कारण दिनांक 07/09/2024 शुक्रवार को सुबह 8.30 के लगभग रायपुर एम्स हॉस्पिटल से अचानक गायब है। जिसकी रिपोर्ट अमानाका थाना दर्ज कराया गया है। जिस किसी सज्जन को कहीं भी दिखाई दे कृपया इस मो. नंबर पर सूचित करे, सूचना देने वाले को उचित ईनाम दिया जायेगा।

मो.नं.- 9755112725, 9993979400, 9303508124

भारत और मालदीव के सीडीएस के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- वर्तमान में जारी रक्षा परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने पर सहमति जताई

भारत और मालदीव के प्रमुख रक्षा अध्यक्षों (सीडीएस) के बीच शनिवार को राजधानी में एक अहम बैठक हुई। इसमें द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के मुद्दे पर व्यापक रूप से चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि दोनों देशों के सीडीएस के बीच यह बातचीत एक ऐसे समय में हुई है। जब मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जु के पिछले साल नवंबर महीने में कार्यभार संभालने के बाद दोनों देशों के सैन्य संबंध बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। इन संबंधों की पुनः बहाली के मुद्दे पर दोनों वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने बैठक के दौरान चर्चा की। अधिकारियों ने बताया कि भारत के सीडीएस जनरल अनिल चौहान और मालदीव के सीडीएस मेजर जनरल इब्राहिम हिल्मी के बीच यह वार्ता दोनों देशों के बीच बीते शुक्रवार को हुए पांचवें दौर के रक्षा संवाद के तुरंत बाद हुई है। जिसमें वर्तमान में जारी रक्षा परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने पर सहमति जताई गई। दोनों प्रमुख रक्षा अध्यक्षों की बैठक में हुई बातचीत के केंद्र में आपसी रक्षा सहयोग का मामला शामिल रहा। इसमें खासतौर पर क्षेत्रीय सुरक्षा और बढ़ती हुई द्विपक्षीय प्रशिक्षण संभावनाओं पर भी मंथन किया गया।

समान सोच वाले देशों संग काम करने के लिए तैयार भारत: जयशंकर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने शनिवार को 'एफपीसीआई ग्लोबल टाउन हॉल-24' कार्यक्रम के सत्र को आभासी माध्यम (वर्चुअली) से संबोधित करते हुए कहा कि भारत समान सोच वाले देशों के साथ विशेष मुद्दों और क्वाड में अपनी भूमिका को लेकर काम करने के लिए तैयार है।

क्वाड भारत की समान सोच वाली भूमिका का ही एक उदाहरण प्रदर्शित करता है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी।

विदेश मंत्री ने कहा कि हमें लगातार नए तंत्र बनाने चाहिए और बहुपक्षवाद के लिए दबाव डालना चाहिए। यह सत्र 'आगे आने वाले बड़े भू-राजनीतिक उथल-पुथल की आशंका और तूफान को शांत करने के तरीके खोजने' पर केंद्रित था। विदेश मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय संबंधों की बदलती प्रकृति, वैश्विक साझेदारों के साथ सहयोग और व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के महत्व पर भी जोर दिया। साथ ही कहा कि वैश्वीकरण ने विश्व व्यवस्था में एक पुनर्संतुलन को प्रेरित किया है।

अमेरिका, चीन के बीच जारी प्रतिस्पर्धा

उन्होंने अपने संबोधन में अमेरिका और चीन के बीच वर्तमान में जारी प्रतिस्पर्धा का भी उल्लेख किया। एआई, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, स्पेस और ड्रोन जैसी प्रौद्योगिकी शक्ति संतुलन को ज्यादा मजबूती से आकार दे सकती है। इसके हिसाब से वैश्विक गणना और अधिक जटिल लगती है। जयशंकर ने कोरोना महामारी के दौरान भारत की क्षमताओं को लेकर कहा कि इस दौरान हमने राष्ट्रीय क्षमताएं विकसित की थीं। जिससे समूची दुनिया को भी मदद मिली थी।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी — सुविधा हमारी

Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

मार्केटिंग

आवश्यकता है- रायपुर में, मार्केटिंग कार्य करने के लिए युवतियों की आवश्यकता है, सैलरी- 7000/- फिक्स+ कमीशन के साथ 15000/- से 20,000 तक महीना कमायें। संपर्क करें:- पता आमापारा चौक रायपुर 8962274079. (RO-6473)

हार्डवेयर दुकान कार्य

आवश्यकता है- हार्डवेयर एवं प्लाई दुकान में कार्य करने हेतु कर्मचारियों की आवश्यकता है । समय,सैलरी फ़ोन में नहीं योग्यता अनुसार सामने मिलने के बाद बताई जाएगी,अस्थाई व्यक्ति संपर्क ना करे । कन्हैया सेल्स । पंजाबी गुरुद्वारा के पीछे,स्टेशन रोड,रायपुर। 9977107000.(RO-39031)

कुक

आवश्यकता है- न्यू राजेंद्रनगर रायपुर घर में शाकाहारी खाना बनाने महिला कुक की आवश्यकता है । काम का समय सुबह 10.30 से 1 और शाम को 5.30 से 7.30 तक, वेतन 6000/- संपर्क करें 8120289207, 9300201654.(RO-6468)

आवश्यकता है- खाना बनाने हेतु अनुभवी मेल एंव फिमेल कुक चाहिए। रहने की सुविधा प्रदान की जाएगी। मों.- 9826136230.(RO-6474)

टेलीकॉलर

आवश्यकता है- यूरेका फॉर्ब्स लिमिटेड प्रोडक्ट हेतु आवश्यकता है 12th PASS टेलीकॉलर- 2, ऑफिस असिस्टेंट -02, सेल्स रिप्रेजेंटेटिव 4, सर्विस टेक्निशियन 2, OFFICE BOY 1 (अनुभव आवश्यक नहीं) संपर्क करें:- दीपिका सर्विसेज कर्मचारी कॉलोनी कुशालपुर रायपुर 9826652461. (RO-2980)

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- "होटल" जेलरोड, तेलीबांधा रायपुर हेतु सुपरवाइजर 4, सुरक्षा गार्ड 30, लेडी गार्ड 4, मार्केटिंग अधिकारी 2, योग्यता 10वीं, स्नातकोत्तर (आवास भोजन फ्री गार्ड हेतु, गार्ड ऊंचाई 5.7) वेतन 11000/- से 15000/- संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED 434 चतुर्थतल प्रोग्रेसिव पॉइंट लालपुर रायपुर मोबाइल नंबर:- 7746000016, 7747000019, 7747000016, 7746000019. (RO-2955)

आवश्यकता है- तेलीबांधा एरिया में, इलेक्ट्रीशियन व सिक्युरिटी गार्ड की आवश्यकता है। (5 वर्ष के अनुभवी ही संपर्क करें) मोबाइल नंबर:- 7880134141. (RO-2977)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- आटो पार्ट्स की पेकिंग हेतु मेहनती लड़के / लड़कियों की आवश्यकता है। पता-186, मॉडल टाउन शिवाजी चौक के पास, नेहरू नगर भिलाई फोन - 8770483120, 8103772795, वेतन 7000/- (आरो न.-575)

डिलीवरी ब्वाय

आवश्यकता है- भिलाई के किराना होलसेल भंडार में डिलीवरी ब्वाय, शिक्षित, मेहनती, ईमानदार, चार युवक 10वीं पास चाहिए। वेतन- 9000-15000 + भत्ता + पेट्रोलिंग + आवास फ्री संपर्क करें:-डी.के.ट्रेडर्स मो.- 70000-87765 (आरो न.-576)

आवश्यकता है- किराना व डेलीनिड्स की दुकान में कार्य करने हेतु कर्मचारियों की (अनुभवी को प्राथमिकता) संपर्क:- सी-मार्केट सेक्टर-6 भिलाई मो.- 9826684859 (आरो न.-578)

इंजीनियर

Required- Vacancy For Male Female Engineer BE (IT Computer Science) M.Tech With Experience in M.S. Office. Assisting in Energy Environment Audit Consultancy MCJEEPL SUPELA BHILAI 9752587060 (आरो न.-577)

गृह कार्य

आवश्यकता है- रायपुर खमारडीह में गृह कार्य करने के लिए लड़के की अतिशीघ्र आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9579931943 (RO-33311)

अकाउंटेंट/मुंशी

आवश्यकता है- तखतपुर की राइस मिल में काम करने के लिए अनुभवी मशीन ऑपरेटर, मुंशी एवं फुल टाइम अकाउंटेंट की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 8754507712, 7987309303. (RO-35289)

आवश्यकता है- बंसल इंडस्ट्रियल सेंटर में ऑफिस हेतु अनुभवी अकाउंटेंट महिला की आवश्यकता है जिसे मेल, टैली एव एक्स.एल. का अनुभव हो एवं कोटेशन फालोअप कर सके संपर्क भनपुरी बाजार करे 9303718899. (RO-2973)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- आयुर्वेदिक चिकित्सक के लिये सुनहरा अवसर BAMS DOCTOR, एवं पंचकर्म थेरेपिस्ट 12 वी पास पुरूष व महिला की आवश्यकता है। 7 दिन की ट्रेनिंग दिया जायगा । वेतन - Bams Doctor - 15000-18000, थेरेपिस्ट - 5000- 8000 माधवबाग क्लिनिक बोरसी दुर्ग संपर्क - 7000836094, 7587094019.(आरो.-SPD/812)

पेट्रोल पंप कर्मी

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप में कार्य करने हेतु कर्मचारी एवं कम्प्यूटर आपरेटर की आवश्यकता है। 1. रिंग रोड नं 4 सरोरा, तेंदुआ के पास, बिलासपुर बाईपास रायपुर(RO-1754)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- रेडीमेड गारमेंट्स शॉप (पंडरी, रायपुर) में बंडल खोलने/पैक करने के लिए लड़कों एवं सेल्स मेन की आवश्यकता है। मो. 7067048454 (RO-6472)

लोडिंग/अनलोडिंग

आवश्यकता है- ऑफिस ब्वाय- 3 पद, समान पैकेजिंग, लोडिंग अनलोडिंग, ऑटो चालक एवं सफाई कार्य हेतु व्यक्तियों की आवश्यकता है वेतन- 9000 से 12000 प्रतिमाह सम्पर्क करें- 08109231385. (RO-35286)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के चाहिए। वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस सहित 20000 रहना खाना फ्री+ गाड़ी किराया कोई शुल्क नहीं सम्पर्क करें- 6265407472, 7224807472. (RO-35294)

अन्य

आवश्यकता है- (स्वयं का रोजगार) (अपना रोजगार) आयुवेदिक कंपनी में शिक्षित/बेरोजगार लड़कें-लड़कियाँ हाउसवाइफ पार्टटाइम/फुलटाइम घर बैठे दवाई पैकिंग करके 30,500/- से 45,500/- महीना कमाएं रोजगार बढ़ाए (जरूरतमंद लोग कॉल/WHATSAPP करें) NOC -2150/- +91 62673 24667. (RO-1330)

आवश्यकता है- Reliance Jio 5G कंपनी (SMS SENDING CALLING JOB) करके लड़के- लडकिया, गृहणिया, रिटायर्ड पर्सन, स्टूडेंट घर बैठे कमाए (21500- 48500) महीना (लैपटॉप +मोबाइल मुफ्त) NAME, पता QUALIFICATION, CALL /SMS /WHATSAPP करें:- 9102935834. (RO-2975)

Property प्रापर्टी

प्लाट

प्लॉट बेचना है- प्लॉट ही प्लॉट गैलेक्सी हाइट्स के आगे बोरसी दुर्ग में आवासीय प्लाट मात्र 850रूपए फिट में बैंक फाइनेंस सुविधा उपलब्ध जल्द कीजिए सीमित प्लांट 9770047215, 6260058087.(आरो नं -280)

प्लॉट बेचना है- त्योहारी ऑफर प्लॉट ही प्लांट चंदखुरी से हनोदा मार्ग लगा हुआ आवासीय प्लांट 600 रूपए फिट में बैंक फाइनेंस सुविधा उपलब्ध रजिस्ट्री, डायवर्सन, प्रमाणीकरण फ्री - 9770047215, 6260058087.(आरो नं -280)

मकान

मकान बेचना है- दुर्ग साईनगर चिखली धमधा रोड नवनिर्मित स्वतंत्र नया मकान बेचना है, फालसिलिंग पर्सनल बोर किया हुआ फाइनस सुविधा उपलब्ध है। सम्पर्क करें:- 9691631036, 9111008008 (आरो न.-574)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

वैवाहिकी

वर चाहिए

वधु चाहिए

विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82, 6' एमबीबीएस अविवाहित, डॉक्टर प्रायवेट पॉली क्लीनिक हेतु शिक्षित, अविवाहित, सुन्दर सजातीय, अपर कास्ट, वधु चाहिए। ब्यूरो क्षमा। सम्पर्क करें 9131453175

वर चाहिए

तलाकशुदा हाईट 5'-2" 06/08/1979 बीकॉम पोस्ट ग्रेजुएशन कॉलेज लेक्चरर मासिक इनकम 97000/- सीधासाधा घरेलू वर चाहिए जाति बंधन नहीं। जरुरतमंद मान्य है सम्पर्क करें 9754918238 9754918238

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

गुप्त रोगो का सफल ईलाज पैसा ठीक होने के बाद

- गुप्त रोग, नामर्दी
- लिंग में छोटापन।
- शीघ्र पतन
- पेशाब से धातू जाना।
- लिंग में ढीलापन,
- शुक्राणु की कमी।
- शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी।
- जड़ीबुटी द्वारा खोई हुई शक्ति पुनः प्राप्त करें।
- चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।

निःसंतान दम्पति आज ही मिलें

आज ही संपर्क करें 9753901137 9174440077, 9009330088

हेपाटाईटिस, एच.आई.वी. हर्पिस रोग एवं यौन समस्या

स्त्री-पुरुष के गुप्तांग (योनि एवं इन्द्रिय) में दाने छाले, फुन्सी, लाल होना, फटना, जलन व दर्द योनि में खुजली एवं सफेद लाल व बदबूदार पानी, बुखार जैसा लगते रहना, मुँह में छाले, कमजोरी, शरीर में पानी भरे फफोले दर्द एवं जलन, गुप्तांग से पीप (पस) जाना, मैल जमना शरीर में खुजली होते हो तो तुरंत खून की जाँच कराये इसमे कई लोगों को हेपाटाईटिस, हर्पिस व कुछ लोगों को एच.आई.वी. पॉजिटिव होते हुए भी पाया गया है। आप चिंता मुक्त हो सकते है यदि खून का रिपोर्ट निगेटिव हो तो यदि पॉजिटिव हुआ तो आयुर्वेद के रस-रसायन के अलावा दूसरी चिकित्सा है ही नहीं। यौन समस्याः इन्द्रिय का शिथिल होना वीर्य का पतलापन या नहीं बनना मधुमेय जन्य नपुंसकता, नसों की सिकुड़न, इरेक्टाइल डीसफंक्शन, लिंग का लकवा (पेनाइल पैरालाइस) शीघ्र पतन, स्वप्न दोष, उत्तेजना की कमी, हस्तमैथुन जन्य नपुंसकता, मूत्र मार्ग से सफेदी जाना, यूरेथ्रा स्ट्रेक्चर अर्थात् (पेशाब मे रुकावट, बूंद बूंद या नही उतरना) जलन ऐसे होते हो तो ।

वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर सेंटर आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी.अग्रवाल (एम.डी.) 9425555659, 9617789223
डॉ. वी. के. अग्रवाल (बीएएमएस, आयुर्वेद विज्ञान विशेषज्ञ)
निशांत अग्रवाल फार्मा साईटिस्ट
रेल्वे स्टेशन रोड़, स्वरूप टाकीज के सामने, बजाज(गोल्ड) फाइनेंस के पीछे दुर्ग। 9303948500,,9303242200
समय शाम 4 -7 बजे तक।
अपाईटमेंट फोन से (गुरुवार अवकाश)

'गोट' : ऑनलाइन लीक हुई विजय की फिल्म...

मुंबई। सुपरस्टार विजय की तमिल फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम पिछले काफी समय से चर्चा में थी। अब यह फिल्म रिलीज हो चुकी है। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को दर्शकों का उम्मीद के मुताबिक प्यार नहीं मिल सका है। पहले दो दिन में इस फिल्म ने भारत में महज 69.5 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। यह एक साइंस फिक्शन एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें विजय ने डबल रोल निभाया है। टिकट खिड़की पर फिल्म की सुस्त रफ्तार के बीच अब फिल्म के मेकर्स को एक और बड़ा झटका लगा है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि फिल्म एचडी क्वालिटी में ऑनलाइन लीक हो गई है।

लाइफ Style

रश्मिका

लगातार 8 फिल्मों से मचाएंगी धमाल

एजेंसी ▶▶ मुंबई

रश्मिका मंदाना बहुत जल्द रणबीर कपूर के साथ 'एनिमल पार्क' की शूटिंग शुरू करेंगी। बता दें, अभी तक फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस नहीं हुई है। इन फिल्मों के अलावा, रश्मिका मंदाना की 'द गलफ्रिंड', 'कुबेर' और 'रेनबो' भी पाइपलाइन में हैं।

रश्मिका मंदाना की आने वाले दिनों में आठ फिल्में आने वाली हैं। इन फिल्मों की अनाउंसमेंट हो चुकी है। आइए आपको इन फिल्मों के बारे में बताते हैं। 6 दिसंबर के दिन रश्मिका मंदाना की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'पुष्पा 2 द रूल' रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में अल्लू अर्जुन भी रहेंगे। 'पुष्पा 2 द रूल' बॉक्स ऑफिस पर 'छावा' से टकराएगी। दिलचस्प बात ये है कि ये दोनों फिल्में 6 दिसंबर के दिन रिलीज होंगी और ये दोनों रश्मिका मंदाना की फिल्में हैं। ऐसे में हो सकता है कि आने वाले दिनों में इनकी रिलीज डेट बदल जाए। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' में रश्मिका मंदाना नजर आने वाली है। इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है और ये फिल्म अगले साल रिलीज होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, स्त्री यूनिवर्स की अगली फिल्म 'वैम्पायर्स ऑफ विजय नगर' में रश्मिका मंदाना और आयुष्मान खुराना नजर आने वाले हैं। रश्मिका मंदाना बहुत जल्द रणबीर कपूर के साथ 'एनिमल पार्क' की शूटिंग शुरू करेंगी। बता दें, अभी तक फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस नहीं हुई है। इन फिल्मों के अलावा, रश्मिका मंदाना की 'द गर्लफ्रेंड', 'कुबेर' और 'रेनबो' भी पाइपलाइन में हैं।

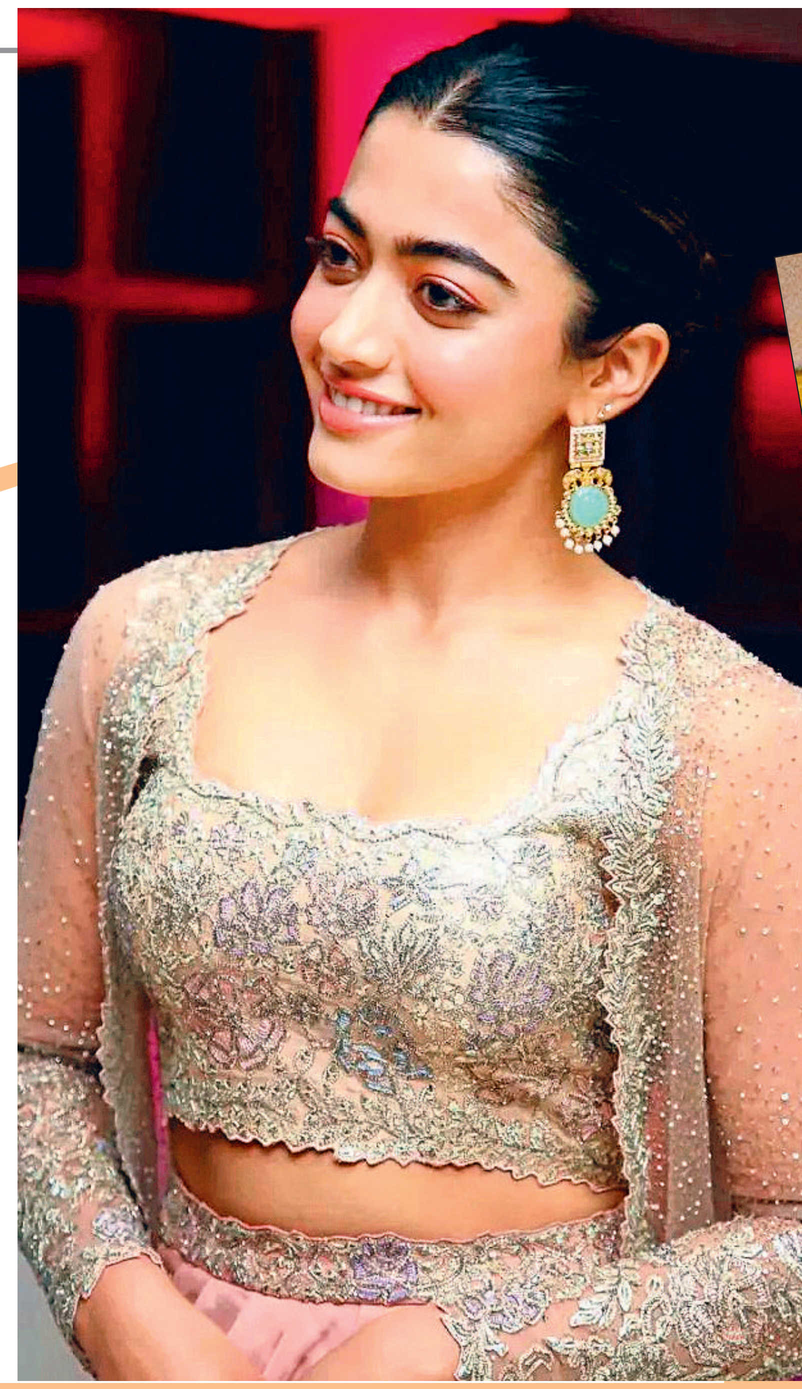

हॉलीवुड मसाला

जैकमैन ने दिखाए एब्स...

लॉस एंजिलिस। अभिनेता ह्यू जैकमैन हाल ही में, डेडपूल एंड वूल्वरिन फिल्म में नजर आए थे। इस फिल्म का दर्शकों ने जमकर आनंद लिया और वूल्वरिन के रूप में जैकमैन के काम को भी खूब सराहा। ह्यू जैकमैन अगले महीने 12 अक्तूबर को 56 साल के हो जाएंगे। इसी बीच, उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक तस्वीर साझा करते हुए अपने एब्स दिखाए है, जिन्हें देखकर कई लोग हक्के-बक्के रह गए हैं। ह्यू जैकमैन ने अपने एक्स हैंडल पर एक वॉयस नोट शेयर करते हुए लिखा कि मैं आभारी हूं।

पॉप स्टार और खिलाड़ी का दिखेगा रोमांस...

लॉस एंजिलिस। मशहूर गायिका टेलर स्विफ्ट को हाल ही में, अपने प्रेमी ट्रैविस केल्स के मैच के दौरान उनका हौसला बढ़ाते हुए देखा गया। ट्रैविस केल्से एक फुटबॉल खिलाड़ी हैं, जो कैनसस सिटी चीफ्स की ओर से खेलते हैं। उनकी टीम ने बाल्टीमोर रेवेन्स को मात दी है। दोनों का रिश्ता काफी चर्चा में हैं और इसी बीच खबर आ रही है कि दोनों के रिश्ते से प्रेरित होकर एक फिल्म भी बनाई जा रही है। टेलर स्विफ्ट और ट्रैविस ने पहली दफा अपने अफेयर की पुष्टि अक्टूबर 2023 में की थी। दोनों को साथ आए एक साल होने वाला है। हॉलीवुड रिपोर्टर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों के प्रेम संबंध से प्रेरित होकर बन रही फिल्म का नाम 'क्रिसमस इन द स्पॉटलाइट' है।

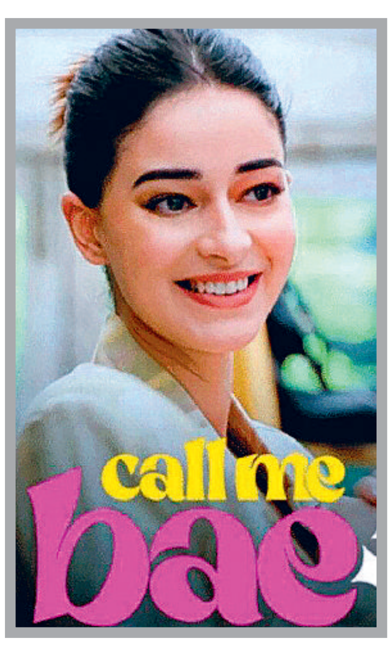

'उड़ान' से हूं मोटवानी की फैन...

मुंबई। अभिनेत्री अनन्या पांडे ओटीटी पर डेब्यू कर चुकी हैं। उनकी सीरीज 'कॉल मी बे' प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है। अनन्या जल्द ही फिल्म 'सीटीआरएल' में भी नजर आने वाली हैं, जिसका निर्देशन विक्रमादित्य मोटवानी ने किया है। अनन्या इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं और इसकी रिलीज से पहले उन्होंने विक्रमादित्य के साथ काम करने को लेकर कुछ बातें साझा की हैं। अनन्या पांडे ने पीटीआई से बात करते हुए कहा कि वो विक्रमादित्य मोटवानी की 'उड़ान' फिल्म देखने के बाद से ही उनकी फैन हैं और जब मोटवानी ने अपनी फिल्म 'सीटीआरएल' में काम करने के लिए उनसे संपर्क किया तो उन्हें भरोसा ही नहीं हो रहा था। बता दें कि विक्रमादित्य उड़ान के अलावा लुटेरा और ट्रैप्ड भी बना चुके हैं। इन फिल्मों को लोग काफी पसंद करते हैं।

'गजनी' के लिए सल्लू थे फर्स्ट च्वाइस

मुंबई। क्या आप जानते हैं कि साल 2008 में आई आमिर खान की ब्लॉकबस्टर हिट फिल्म 'गजनी' असल में सलमान खान को मिलने वाली थी। लेकिन फिर ऐसा क्या हुआ कि पासा पलट गया और जो फिल्म असल में बॉलीवुड के भाईजान की किस्मत में लिखी थी वो मिस्टर परफेक्शनिस्ट के हाथ लग गई? दरअसल ऐसा इसलिए हुआ फिल्म के डायरेक्टर ने कास्टिंग को लेकर पहले एक्टर प्रतीप राम सिंह रावत के साथ बातचीत की थी। जो लोग नहीं जातने उन्हें बता दें कि प्रदीप वही एक्टर हैं जिन्होंने फिल्म गजनी में 'गजनी' नाम के विलेन का किरदार निभाया था। डायरेक्टर

मुरुगादास ने प्रदीप से कुछ नाम सुझाते हुए उनसे कहा कि आप बॉलीवुड में सभी को जानते हो। मुझे पता है कि आप सलमान के करीबी रहे हो। सलमान को लेते हैं। प्रदीप ने बताया, मुरुगादास जी का यह था कि उन्हें सलमान बहुत मुफीद लग रहे थे।" उन्होंने बताया कि मुझे लगा कि सलमान खान बहुत शॉर्ट टेम्पर्ड हैं और मुरुगदास जी को हिंदी नहीं आती है अंग्रेजी आती है।

'गेम चेंजर' से राम चरण का नया पोस्टर जारी...

मुंबई। आज गणेश चतुर्थी के अवसर पर बॉलीवुड सितारे फैंस को बधाई दे रहे हैं। बप्पा की पूजा-अर्चना करते तस्वीरें साझा कर रहे हैं। इस अवसर पर राम चरण ने भी फैंस को बधाई दी है, लेकिन एक स्पेशल तोहफे के साथ। राम चरण ने अपनी आगामी फिल्म 'गेम चेंजर' का नया पोस्टर जारी किया है। इसमें वे सिर पर गमछा बांधे चेहरे पर मुस्कान ओढ़े कुछ इस अंदाज में नजर आ रहे हैं, जैसे डांस कर रहे हों। राम चरण ने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्टर साझा किया है। इसके साथ लिखा है, 'गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं'। दरअसल, इस पोस्टर के साथ एक्टर ने फिल्म के दूसरे गाने के रिलीज पर भी अपडेट साझा किया है। पोस्टर में लिखा है, 'फिल्म का दूसरा सिंगल इसी सितंबर में रिलीज होगा'। फिलहाल पोस्टर में जो नजारा देखने को मिला है, उससे लग रहा है फिल्म का गाना काफी धूम-धड़ाके वाला होगा और 'नाटू नाटू' के बाद एक बार फिर राम चरण थिरकते दिखेंगे।

छोटे पर्दे पर दोबारा छा जाने को तैयार चंदन

मुंबई। अपनी कॉमेडी से घर-घर में पहचान बनाने वाले कॉमेडियन चंदन प्रभाकर जल्द ही बिग बॉस 18 में नजर आ सकते हैं। कपिल शर्मा के शो के जरिए उन्होंने लोगों के दिलों में अपनी खास पहचान बनाई है। इस शो को उन्होंने कई वर्ष पहले छोड़ दिया था, लेकिन अब वह छोटे पर्दे पर एक बार फिर से धमाकेदार अंदाज में नजर आ सकते हैं। कई मीडिया रिपोर्ट्स के दावों के अनुसार बिग बॉस के निर्माताओं ने उनसे सलमान खान के रियलिटी शो के आगामी सीजन के लिए संपर्क किया है। कथित तौर पर चंदन और निर्माताओं के बीच शो को लेकर बातचीत चल रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक जल्द ही चंदन इस प्रस्ताव को स्वीकार कर सकते हैं।

राजकुमार राव ने घर पर ही बनाई प्रतिमा

गणपति बप्पा मोरया, गणेश चतुर्थी की रौनक

मुंबई। आज हर तरफ गणेश चतुर्थी पर्व की धूम है। जगह-जगह पंडाल सजे हैं। वहीं, कुछ लोग अपने घर बप्पा का स्वागत कर रहे हैं। बॉलीवुड में भी इस मौके पर खूब रौनक है। शिल्पा शेट्टी से लेकर अनन्या पांडे और पलक मुच्छल तक तमाम सितारों ने अपने घर गणपति बिठाए हैं। तो दूसरी तरफ कुछ सेलेब्स ने सोशल मीडिया पर फैंस को बधाई दी है।

अमिताभ ने दी बधाई

बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन ने इस मौके पर पोस्ट शेयर कर फैंस को बधाई दी है। एक यूजर ने लिखा है, 'आज के इस पावन दिवस की अनेक अनेक शुभकामनाएं, स्नेह आदर'।

अक्षय ने किया प्रोजेक्ट का ऐलान

अभिनेता अक्षय कुमार ने भी गणेश चतुर्थी पर्व की शुभकामनाएं दी हैं। इसके साथ उन्होंने किसी दिलचस्प प्रोजेक्ट के ऐलान का भी संकेत दिया है। इसके अलावा सोनाक्षी सिन्हा और कंगना रनौत ने भी गणेश चतुर्थी पर्व की शुभकामनाएं दी हैं।

राजकुमार ने बटोरी चर्चा

इन दिनों फिल्म स्त्री 2 को लेकर चर्चा बटोर रहे राजकुमार राव ने भी पोस्ट साझा किया है। राजकुमार राव ने बप्पा की ईको फ्रेंडली मूर्ति खुद अपने घर बनाई है। उन्होंने लिखा है, 'मिलिए हमारे सुपर ईको फ्रेंडली गणपति जी से। इन्हें हमने घर पर बनाया है। गणपति बप्पा मोरया'।

अनन्या ने शेयर किया पोस्ट

अनन्या पांडे के घर भी बप्पा विराजे हैं। उन्होंने भी सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर की हैं। अभिनेता अनुपम खेर ने भी गणेश चतुर्थी पर पोस्ट साझा कर बधाई दी है। इनके अलावा माधुरी दीक्षित, सोनम कपूर, दिलजीत दोसांझ, अल्लू अर्जुन आदि सितारों ने भी पोस्ट साझा किए हैं।

AN OCEAN OF OPPORTUNITIES
AWAITS THE AMBITIOUS

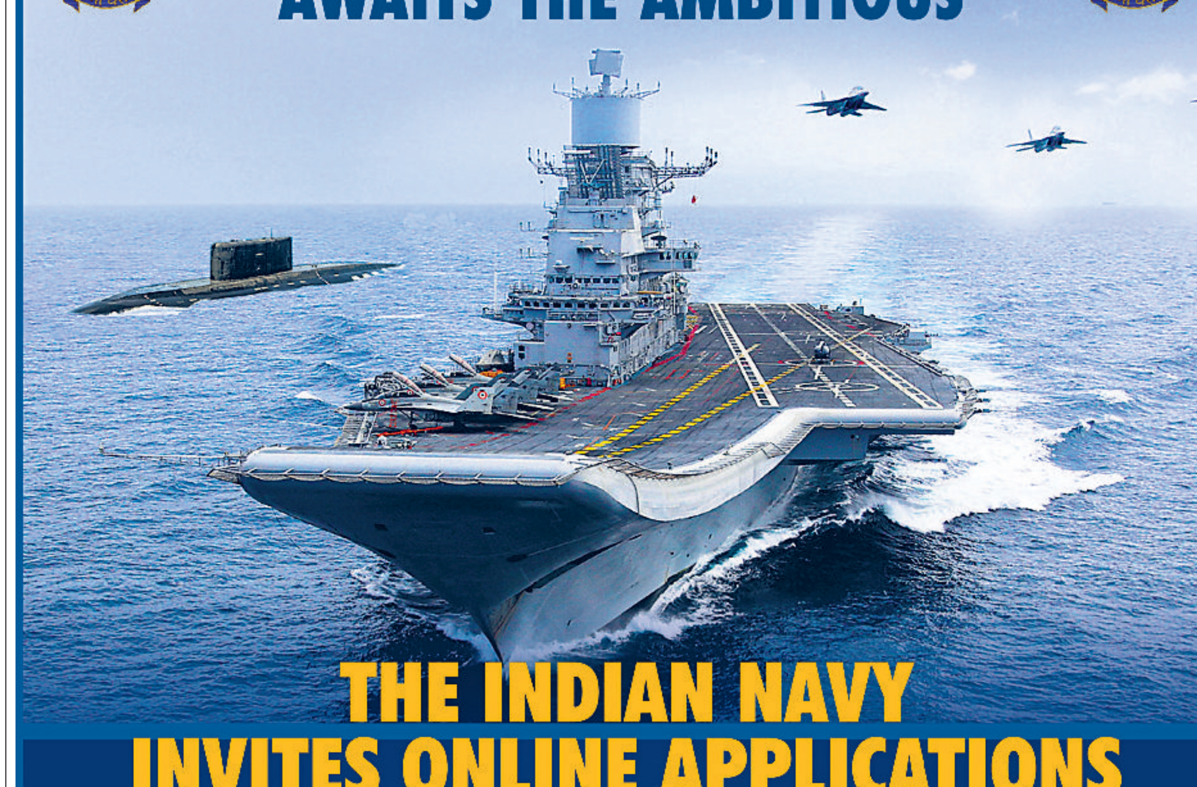

THE INDIAN NAVY
INVITES ONLINE APPLICATIONS
FROM UNMARRIED MALE CANDIDATES FOR ENROLMENT

AS SAILORS FOR SENIOR SECONDARY RECRUITS IN MEDICAL BRANCH {SSR (MEDICAL ASSISTANT)} - 02/2024 BATCH COURSE COMMENCING NOVEMBER 2024

Online applications are invited from unmarried male candidates (who fulfil eligibility conditions as laid down by the Government of India) for enrolment as sailors in Medical Branch for SSR (Medical Assistant) in Nov 2024 batch.

Age & Qualification : The age eligibility & qualification criteria for the course are as under :-

Branch	Gender	Age	Educational Qualification	Initial Engagement
SSR (Medical Assistant)	Male	Born Between 01 Nov 2003 to 30 Apr 2007 (Both dates inclusive).	Qualified in 10+2 examination with Physics, Chemistry, Biology (PCB) from the Boards of School Education recognised by Ministry of Education, Govt. of India with 50% marks in aggregate and minimum 40% in each subject.	The initial engagement is subject to successful completion of training. The initial engagement is for a period of 20 years.

Date of Opening : 07 Sep 2024.
The last date for submission of online application is 17 Sep 2024.

For eligibility criteria and details visit - www.joinindiannavy.gov.in and Employment News dated 07 Sep 2024.

Scan this QR Code to apply online

CBC 10701/13/0022/2425

ईटीएफ में पैसा लगाकर देखें भूल जाएंगे म्यूचुअल फंड!

- खास रणनीति के तहत ही ईटीएफ में निवेश करना होगा
- निवेश के दूसरों विकल्पों के मुकाबले ज्यादा मुनाफा देगा
- म्यूचुअल फंड से तुलना करें तो ईटीएफ ने मोटा पैसा दिया
- गत वर्षों में ईटीएफ की तरह लोगों का झुकाव बढ़ा है

निवेश करने जा रहे हैं तो यह जान लें कि 8-4-3 इंवेस्टमेंट रूल म्यूचुअल फंड में एक लोकप्रिय स्ट्रैटेजी है। यह नियम इस बात पर आधारित है कि समय और चक्रवृद्धि ब्याज निवेश में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस रणनीति में यह अनुमान लगाया जाता है कि निवेश सालाना किस दर से बढ़ेगा। इससे कम्पाउंडिंग की ताकत को समझने में मदद मिलती है और निवेशक आसानी से अपना पैसा बढ़ा लेता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

पिछले करीब तीन दशक से म्यूचुअल फंड में निवेश का सबसे लोकप्रिय डेस्टिनेशन बना हुआ है, खासकर युवाओं को म्यूचुअल फंड में एसआईपी बेहतर विकल्प लगता है, क्योंकि छोटी-छोटी रकम से निवेश की शुरुआत कर सकते हैं और उससे बड़ा फंड जुटा सकते हैं, लेकिन फिलहाल ईटीएफ की खूब बात हो रही है। कुछ लोग तो ईटीएफ को म्यूचुअल फंड से निवेश के लिए बेहतर विकल्प मान रहे हैं। हालांकि अभी भी देश में ईटीएफ के मुकाबले म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों की संख्या काफी ज्यादा है, लेकिन ये भी सच है कि गत वर्षों में ईटीएफ की तरह लोगों का झुकाव बढ़ा है, निवेशक अब ईटीएफ के बारे में गहराई से जानना चाहते हैं। अगर आप भी ईटीएफ में निवेश करना चाहते हैं तो हम आपको बताते हैं कि कब और कैसे निवेश कर पैसा बना सकते हैं। जब आप खास रणनीति के तहत ईटीएफ में निवेश करेंगे, तो दूसरों के मुकाबले ज्यादा प्रॉफिट निकाल पाएंगे। जहां तक म्यूचुअल फंड से ईटीएफ की तुलना की बात है, तो बीते कुछ वर्षों में ईटीएफ ने मोटा पैसा बनाकर दिया है, जो कि म्यूचुअल फंड के मुकाबले ज्यादा है। जिस वजह से ईटीएफ ने निवेशकों को आकर्षित किया है।

ईटीएफ क्या है?

आसान तरीके से समझें तो ईटीएफ एक प्रकार का निवेश का विकल्प है। एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) के जरिये शेयर बाजार में निवेश किए जाते हैं। ईटीएफ के माध्यम से शेयरों के एक सेट में निवेश किया जाता है। ये आमतौर पर एक खास इंडेक्स को ट्रैक करता है। ईटीएफ व्यापार शेयरों में व्यापार के समान है। ईटीएफ में बांड, या स्टॉक खरीदे बेचे जाते हैं। एक एक्सचेंज ट्रेडेड फंड एक म्यूचुअल फंड की तरह है, लेकिन म्यूचुअल फंड के विपरीत, ईटीएफ को ट्रेडिंग अवधि के दौरान किसी भी समय बेचा जा सकता है।

ईटीएफ कैसे खरीदें?

शेयर की तरह ही ईटीएफ को स्टॉक एक्सचेंजों पर खरीदा और बेचा जाता है। ईटीएफ को ट्रेडिंग अवधि के दौरान किसी भी समय बेचा जा सकता है। बिल्कुल जिस तरह आप शेयर खरीद और बेचते हैं। ईटीएफमें निवेश के लिए आपके पास एक डिमैट अकाउंट होना जरूरी है।

ईटीएफ में कब निवेश करें

ईटीएफ में निवेश करने वालों के लिए यही समय चुनना सबसे जरूरी होता है। आप बिना जानकारी के ईटीएफ में पैसे लगाकर फंस सकते हैं। इसलिए ईटीएफ निवेश का सबसे आसान तरीका है- 'बॉय ऑन डिप्स', यानी जब-जब बाजार में या ईटीएफ इंडेक्स में गिरावट आए आप ईटीएफ में पैसे लगाएं।

ऐसे करें निवेश

उदाहरण के लिए अगर महीने में 5 दिन ही शेयर बाजार में गिरावट आती है, तो आप इन 5 दिन में ही ईटीएफ में पैसे लगाएं। अगर आपको 50,000 रुपये ईटीएफ में लगाना है, तो आप उसे 5 भागों में बांट दें, और जिस-जिस दिन इंडेक्स में गिरावट देखने को मिले, उस-उस दिन 10-10 हजार करके निवेश कर दें। इसके अलावा एक और खास फॉर्मूला है-7, 14, 21, 28। आप महीने की ये 4 तारीख को नोट कर लें। अगर आपको ईटीएफ में हर महीने 20 हजार रुपये लगाना है तो आप 7 तारीख को 5000, 14 तारीख को 5000 रुपये, 21 तारीख को 5 हजार और 28 तारीख को 5 हजार अपने पसंदीदा ईटीएफ में लगा दें, आपको दूसरों के मुकाबले बेहतर रिटर्न मिलेंगे। अगर 7, 14, 21, 28 तारीख को शनिवार या रविवार रहता है तो फिर एक दिन आगे पीछे कर सकते हैं, लेकिन इस फॉर्मूले में जब आप कई महीने तक ईटीएफ में पैसे लगाएंगे, तो जब-जब बाजार ऊपर जाएगा, आपका पोर्टफोलियो ज्यादा ग्रीन दिखेगा।

रिटेल निवेशकों में लोकप्रिय

रिटेल निवेशकों में धीरे-धीरे ईटीएफ लोकप्रिय हो रहा है। इसका कारण है कि इसका शानदार रिटर्न। कुछ ईटीएफ ने बीते एक साल में ही 100 फीसदी तक रिटर्न दिया है. ईटीएफ के जरिये इंडेक्स, कमोडिटी, बॉन्ड्स में निवेश किए जाते हैं. एम्फी के अनुसार ईटीएफ वे फंड हैं, जो सीएनएक्स निफ्टी या बीएसई सेंसेक्स जैसे इंडेक्स को ट्रैक करते हैं। हर ईटीएफ के लिए फंड मैनेजर होते हैं, जिससे निवेशक को शेयरों की खरीदारी या बिकवाली नहीं करनी पड़ती है।

निवेश करना इसलिए फायदेंमंद

- जिस तरह से शेयर की खरीद-बिक्री करते हैं, ठीक उसी तरह से ईटीएफ की भी खरीद-बिक्री कर सकते हैं।
- शेयर बाजार में ट्रेडिंग के दौरान ईटीएफ पर नजर रख सकते हैं, इसमें निवेश ज्यादा पारदर्शी होता है।
- ईटीएफ को आसानी से बेचा जा सकता है, जिस तरह से शेयर को बेचते हैं।
- ईटीएफ के जरिये अलग-अलग सेक्टर में निवेश किया जा सकता है।
- ईटीएफ से मिलने वाले डिविडेंड पर कोई आयकर नहीं लगता है।
- म्यूचुअल फंड के मुकाबले ईटीएफ में निवेश पर कम एक्सपेंस रेशियो लगता है।
- ईटीएफ की निकासी पर निवेशकों को कोई एग्जिट लोड नहीं देना पड़ता है।
- अगर म्यूचुअल फंड में एसआईपी करते हैं तो हर महीने ये ऑटोडेबिट हो जाएगा, जबकि ईटीएफ में जब आपका मन हो, तब निवेश कर सकते हैं।

स्मार्ट इनवेस्टर बनना चाहते हैं तो इन बातों को न करें अनदेखा

- निवेश के लिए बेस्ट इंडेक्स फंड का चुनाव करें
- कुछ जरूरी बातें निवेश को कई गुना बढ़ा सकती हैं
- इंडेक्स फंड का उद्देश्य बेंचमार्क इंडेक्स ट्रैक करना
- कम एक्सपेंस रेशियो वाले फंड लंबी अवधि में ज्यादा रिटर्न देते हैं

जानकारी
बिजनेस डेस्क

इंडेक्स फंड को इक्विटी यानी स्टॉक्स में निवेश करने का आसान और तुलनात्मक रूप से कम रिस्क वाला ऑप्शन माना जाता है। अलग-अलग इंडेक्स फंड शेयर बाजार के अलग-अलग इंडेक्स के प्रदर्शन को ट्रैक करते हैं, लेकिन कई बार निवेशकों के लिए सही इंडेक्स फंड का चुनाव करना भी आसान नहीं होता। खासकर उन हालात में जब बाजार में एक तरह के इंडेक्स को ट्रैक करने वाले कई ऑप्शन मौजूद हों। ऐसे में किसी स्मार्ट इनवेस्टर को निवेश के लिए बेस्ट इंडेक्स फंड का चुनाव करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

इन दो पैमानों पर करें गौर

दरअसल, निवेश के लिए सही इंडेक्स फंड का सेलेक्शन करते समय जिन दो बातों या पैमानों पर ध्यान देना सबसे ज्यादा जरूरी है, वो हैं।

1. एक्सपेंस रेशियो
2. ट्रैकिंग एरर

इन दोनों पैरामीटर्स को सही ढंग से समझने के बाद आप इंडेक्स फंड का चुनाव करते समय बेहतर फैसला कर पाएंगे।

एक्सपेंस रेशियो पर ध्यान देना क्यों अहम

इंडेक्स फंड में निवेश करते समय सबसे पहले आपको उस फंड के एक्सपेंस रेशियो पर ध्यान देना चाहिए। एक्सपेंस रेशियो वह फीस है, जो म्यूचुअल फंड हाउस निवेशकों से चार्ज करता है।

कम एक्सपेंस रेशियो यानी ज्यादा मुनाफा

कम एक्सपेंस रेशियो वाले फंड लंबी अवधि में ज्यादा रिटर्न देते हैं, क्योंकि उनकी फीस कम होती है। उदाहरण के लिए, अगर एक फंड 0.10% फीस लेता है और दूसरा फंड 0.25%, तो पहले वाले फंड का रिटर्न बेहतर होगा, बशर्ते दोनों फंड अन्य सभी मामलों में समान हों।

सावधानी से करें निवेश का फैसला

अगर आप इंडेक्स फंड में निवेश करने के बारे में सोच रहे हैं तो यह बात ध्यान में रखें कि ज्यादातर इक्विटी फंड्स की तरह ही इंडेक्स फंड भी उन निवेशकों के लिए सही होते हैं, जो लंबी अवधि के लिए निवेश करना चाहते हैं। साथ ही ये भी न भूलें कि पूरी तरह इक्विटी में निवेश करने की वजह से इनमें मार्केट रिस्क काफी रहता है। भले ही सीधे स्टॉक्स में निवेश करने की तुलना में यह रिस्क कम हो, लेकिन बाजार के उतार-चढ़ाव का इन पर सीधा असर पड़ता है। लिहाजा, इंडेक्स फंड में उन्हीं निवेशकों को पैसे लगाने चाहिए, जो रिस्क उठाने की क्षमता रखते हों।

लागत बचाएं, रिटर्न बढ़ाएं

जब आप लंबे समय तक निवेश करते हैं, तो छोटे-छोटे खर्च भी आपके रिटर्न को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए, हमेशा कम खर्च वाले फंड का चयन करें।

ट्रैकिंग एरर को समझना भी है जरूरी

ट्रैकिंग एरर का मतलब है वह अंतर, जो किसी इंडेक्स फंड के प्रदर्शन और उसके बेंचमार्क इंडेक्स के प्रदर्शन के बीच होता है। सही इंडेक्स फंड का चुनाव करते सम. इस अंतर पर दौर करना भी जरूरी है।

कम ट्रैकिंग एरर यानी ज्यादा सटीक नतीजे

अगर किसी फंड का ट्रैकिंग एरर कम है, तो इसका मतलब है कि वह फंड अपने बेंचमार्क इंडेक्स को सही ढंग से ट्रैक कर रहा है। इससे निवेशक को इंडेक्स के बराबर या उससे बहुत नजदीकी रिटर्न मिलते हैं।

सटीक होने का महत्व

एक इंडेक्स फंड का मुख्य उद्देश्य अपने बेंचमार्क इंडेक्स को सही तरीके से ट्रैक करना है। इसलिए, आपको ऐसे फंड का चुनाव करना चाहिए, जिसका ट्रैकिंग एरर कम हो, ताकि बाजार के उतार-चढ़ाव का पूरा लाभ उठाया जा सके।

इन बातों पर गौर करें

जटिलता से बचाव : इंडेक्स फंड ऐसे निवेशकों के लिए बेहतर हैं, जो शेयर बाजार में निवेश करने से जुड़ी जटिल बातों से बचना चाहते हैं।

सरल और स्थिर रिटर्न

इंडेक्स फंड सीधे किसी खास इंडेक्स को फॉलो करते हैं, जिससे निवेशकों को स्टॉक मार्केट के उतार-चढ़ाव की चिंता कम होती है। यह फंड लंबी अवधि में बाजार के औसत प्रदर्शन के बराबर या उससे थोड़ा अधिक रिटर्न देते हैं।

जोखिम कम, लाभ ज्यादा

इंडेक्स फंड में जोखिम कम होता है, क्योंकि ये पूरे इंडेक्स को ट्रैक करने के कारण काफी डायवर्सिफाइड होते हैं।

कम खर्च का फायदा

पैसिव फंड होने के कारण इंडेक्स फंड का एक्सपेंस रेशियो आमतौर पर एक्टिव फंड्स की तुलना में कम होता है, जिससे कुल रिटर्न पर अच्छा असर पड़ता है।

बड़े कमाल के हैं ये फॉर्मूले

करोड़पति बनने में करते हैं मदद

- मिडिल क्लास लोग जब भी पैसे करें तो जानकारी ले लें
- निवेश पर मिलने वाले रिटर्न को भी कैलकुलेट करते रहे
- इन्वेस्टमेंट के 3 फॉर्मूलों के बारे में पता होना चाहिए
- ये तीन फॉर्मूले 72, 114 और 144 नंबर से जुड़े हैं

मिडिल क्लास लोग जब भी पैसे कहीं निवेश करते हैं, उस पर मिलने वाले रिटर्न को वह ऐसे कैलकुलेट करते हैं पैसे कितने गुना हो जाएंगे। अगर आप भी ऐसे ही अपने निवेश पर मिलने वाले रिटर्न को समझते हैं तो आपको इन्वेस्टमेंट के 3 फॉर्मूलों के बारे में पता होना चाहिए, जो ये समझने में आपकी मदद करेंगे कि आपका पैसा कितने दिनों में कितने गुना हो जाएगा। अगर आप इन फॉर्मूलों को इस्तेमाल करेंगे तो आसानी से समझ जाएंगे कि कब तक करोड़पति बन सकते हैं और उसके लिए कितने रुपये निवेश करने होंगे. ये तीन फॉर्मूले हैं 72, 114 और 144 नंबर से जुड़े हुए. आइए जानते हैं इनके बारे में।

क्या होता है फॉर्मूला 72

इसकी मदद से आप ये पता कर सकते हैं कि आपके पैसे किसी स्कीम में कितने दिनों में दोगुने हो जाएंगे। इस तरह रूल 72 का इस्तेमाल कर के आप ये जान सकते हैं कि आपको अपने फाइनेंशियल गोल को हासिल करने में कितना समय लगेगा। आपको संख्या 72 को अपने निवेश पर मिलने वाले ब्याज से भाग देना होगा और आपके लिए सब कुछ आसान हो जाएगा।

उदाहरण से ऐसे समझें

जब कभी गारंटी के साथ रिटर्न पाने की बात आती है तो अधिकतर लोग बैंक एफडी कराना पसंद करते हैं। मान लीजिए आपने किसी बैंक में 5 लाख की एफडी कराई है। यह भी मानते हुए चलते हैं कि यह बैंक आपको 7.25 फीसदी की दर से ब्याज दे रहा है। ऐसे में अगर आप 7.25 से संख्या 72 को भाग देंगे तो 9.93 आएगा। इसका मतलब है कि आपके पैसे दोगुने होने में 9.93 साल लगेंगे यानी करीब 119 महीने।

कितने दिन में पैसा रहेगा आधा?

जब बात आती है ये समझने की कि आपके पैसों की वैल्यू कितने वक्त में आधी रह जाएगी, तो भी आप फॉर्मूला नंबर 72 का इस्तेमाल कर सकते हैं। हालांकि, ये समझने के लिए आपको एक औसत महंगाई दर पता होनी जरूरी है। मान लीजिए कि अभी महंगाई दर 6 फीसदी है, तो आपको अपने पैसों की वैल्यू के बारे में समझने के लिए 72 को 6 से भाग देना होगा। इस तरह आंकड़ा 12 आता है। यानी 12 साल में आपके पैसों की वैल्यू आधी हो जाएगी।

क्या होता है फॉर्मूला 114

इसकी मदद से आप ये पता कर सकते हैं कि आपके पैसे किसी स्कीम में कितने दिनों में तीन गुने हो जाएंगे। ऐसे में आप रूल 114 या यूं कहें कि फॉर्मूला 114 का इस्तेमाल कर के आप ये जान सकते हैं कि आपको अपने फाइनेंशियल टारगेट को हासिल करने में कितना समय लगेगा। इसके लिए आपको संख्या 114 को अपने निवेश पर मिलने वाले ब्याज से भाग देना होगा। इतना करते ही आपको पता चल जाएगा कि आपका निवेश कितने सालों में तीन गुना हो जाएगा।

एक उदाहरण से समझिए

वैसे तो जब भी गारंटी के साथ रिटर्न की बात होती है तो अधिकतर लोग बैंक एफडी कराना पसंद करते हैं, लेकिन कई लोग दूसरी जगहों पर भी निवेश करते हैं। मान लेते हैं कि आपने किसी बैंक में 5 लाख रुपए की एफडी कराई है। यह भी मान लेते हैं कि बैंक आपको निवेश पर 7.25 फीसदी की दर से ब्याज दे रहा है। ऐसे में अगर आप 7.25 से संख्या 114 को भाग देंगे तो 15.7 आएगा। इसका मतलब है कि आपके पैसे तीन गुने होने में 15.7 साल लगेंगे यानी करीब 186 महीने लग जाएंगे।

कितने दिन में पैसा रहेगा तिहाई

जब बात आती है ये समझने की कि आपके पैसों की वैल्यू कितने वक्त में एक तिहाई रह जाएगी, तो भी आप फॉर्मूला नंबर 114 का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये समझने के लिए आपको उस अवधि की औसत महंगाई दर पता होनी जरूरी है, जिस अवधि के लिए आप ये रिटर्न निकाल रहे हैं। मान लीजिए कि अभी महंगाई दर 6 फीसदी है, तो आपको अपने पैसों की वैल्यू के बारे में समझने के लिए 114 को 6 से भाग देना होगा. ऐसा करने पर आपके सामने 19 का आंकड़ा आता है। इसका मतलब हुआ कि आपके निवेश की वैल्यू 19 साल में एक तिहाई रह जाएगी।

बिजनेस साइट

रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल ने किया इमरजेंसी डिपार्टमेंट की सबसे बड़ी कांफ्रेंस का आयोजन

रायपुर। रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल ने होटल सायाजी में शनिवार को इमरजेंसी डिपार्टमेंट की सबसे बड़ी कांफ्रेंस 'फ्रंटलाइन फ्यूजन छत्तीसगढ़ एमरजेंसी मेडिसिन एंड ट्रॉमा सिंपोजियम 2024' का आगाज किया। यह सम्मेलन 7 और 8 सितंबर को सुबह 9 से शाम 5 बजे तक चलेगा। यह पहला मौका है जब ऐसा आयोजन छत्तीसगढ़ में हो रहा है। इस सम्मेलन का उद्देश्य इमरजेंसी मेडिसिन के फ्रंटलाइन योद्धाओं को शिक्षित करना और मेडिकल छात्रों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना है। इसमें ट्रॉमा और हार्ट अटैक से संबंधित चिकित्सा प्रक्रियाओं पर प्रमुख सत्र शामिल हैं। सम्मेलन का आयोजन डॉ. अब्बास नकवी, डॉ. संतोष सिंह, डॉ. ऋचा कश्यप और डॉ. अपूर्वा चौधरी के नेतृत्व में हो रहा है। इस सम्मेलन में देशभर के प्रमुख वक्ताओं और रायपुर व छत्तीसगढ़ के अग्रणी इमरजेंसी और क्रिटिकल केयर कंसल्टेंट्स ने भाग लिया और लगभग 800 डॉक्टर्स ने इसका रजिस्ट्रेशन कराया है। इस सम्मेलन में एमरजेंसी से जुड़े विभिन्न पहलुओं जैसे इन्फेक्शन, हार्ट, न्यूरोलॉजी, ट्रॉमा और फ्रेक्चर पर विस्तृत चर्चा की जा रही है। हॉस्पिटल के डॉ संतोष कुमार सिंह ने बताया कि इमरजेंसी डिपार्टमेंट की भूमिका आज के दौर में अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में मरीज का पहला संपर्क इमरजेंसी टीम से होता है। समय की अहमियत को देखते हुए रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल की एमरजेंसी टीम छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी और सक्षम टीम मानी जाती है, जो 24x7 उपलब्ध रहती है और अनुभवी चिकित्सकों द्वारा मरीजों को तत्पर सेवा प्रदान की जाती है।

सम्मेलन में इमरजेंसी से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा

सिंघानिया बिल्डकॉन के 'मेगा लोन मेला' का आज अंतिम दिन

रायपुर। सिंघानिया बिल्डकॉन के द्वारा आयोजित 'मेगा लोन मेला 2024' को शानदार रिस्पांस मिल रहा है। हर्षित लैंडमार्क, हीरापुर चौक में आयोजित इस इवेंट में शनिवार को भी बड़ी संख्या में ग्राहकों ने भाग लिया। गणेश चतुर्थी के मौके पर आयोजित इस मेले में लोगों ने अपने सपनों का घर और प्रॉपर्टी पाने का सुनहरा अवसर प्राप्त किया। मेले में आने वाले ग्राहकों के लिए आज का दिन अंतिम है। एक फ्लैट खरीदें और एक प्लॉट मुफ्त में पाएं जैसी आकर्षक पेशकश ने ग्राहकों का ध्यान खींचा है। जिससे मेले के पहले दो दिनों में ही बड़ी संख्या में लोग इवेंट स्थल पर पहुंचे। बैंक पार्टनर के रूप में एसबीआई, एचडीएफसी, एक्सिस बैंक और और अन्य प्रमुख शामिल है। सिंघानिया बिल्डकॉन ने खरीदारों के लिए ब्याज दरों में 1% की छूट और फ्री प्रोसेसिंग की सुविधा प्रदान की है।

अलर्ट म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए निवेश लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट

एसआईपी में निवेशक एक साथ रकम लगाने की बजाए मंथली बेसिस पर अलग-अलग किस्तों में निवेश कर सकते हैं

हाइएस्ट रिटर्न वाली स्कीम, 10, 000 रुपये मंथली को बना दिया 1 करोड़, 15 वर्ष में 20 से 22 फीसदी तक की सालाना ग्रोथ दी

समझदारी
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए निवेश करने वालों की भागीदारी इसी वजह से लगातार बढ़ रही है, क्योंकि हाई रिटर्न हासिल हो रहा है। म्यूचुअल फंड में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश को लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट के रूप में देखा जाता है। लॉन्ग टर्म में एसआईपी को अनुशासित तरीके से जारी रखकर अपने कई वित्तीय लक्ष्य पूरे किए जा सकते हैं। अगर आपको इसे लेकर जरा भी संदेह हो तो आप इक्विटी म्यूचुअल फंड में लंबी अवधि में मिलने वाले रिटर्न को चेक कर सकते हैं। बाजार में ऐसी कई स्कीम हैं, जो लंबे समय से हाई रिटर्न देती चली आ रही हैं। हमने यहां ऐसी 5 बेस्ट स्कीम के बारे में जानकारी दी है, जो 15 साल में एसआईपी या लम्प सम निवेश पर रिटर्न देने में चार्ट में टॉप पोजीशन पर हैं।

मिल रहा बढ़िया रिटर्न

म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए निवेश करने वालों की भागीदारी इसी वजह से लगातार बढ़ रही है, क्योंकि इसमें हाई रिटर्न हासिल हो रहा है। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में निवेशक एक साथ रकम लगाने की बजाए मंथली बेसिस पर अलग-अलग किस्तों में निवेश कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड मार्केट में ऐसी कई स्कीम हैं, जिन्होंने बीते 15 साल में 20 फीसदी से 22 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न दिया है। इसका मतलब यह हुआ कि इनमें 10 हजार मंथली एसआईपी करने वाले करोड़पति बन गए, जबकि उनका कुल निवेश 18.50 लाख रुपये ही हुआ।

डीएसपी स्मॉल कैप फंड

डीएसपी स्मॉलकैप फंड ने बीते 15 साल में एसआईपी करने वालों को एनुअलाइज्ड 22.39 फीसदी रिटर्न दिया है. वहीं लम्प सम निवेश पर 15 साल में 22.29 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न मिला है।

एसआईपी कैलकुलेटर

- 15 साल एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 22.39%
- अफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 50,000 रुपये
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- 15 साल में कुल निवेश : 18,50,000 रुपये
- 15 साल में एसआईपी की कुल वैल्यू : 1,28,34,414 रुपये

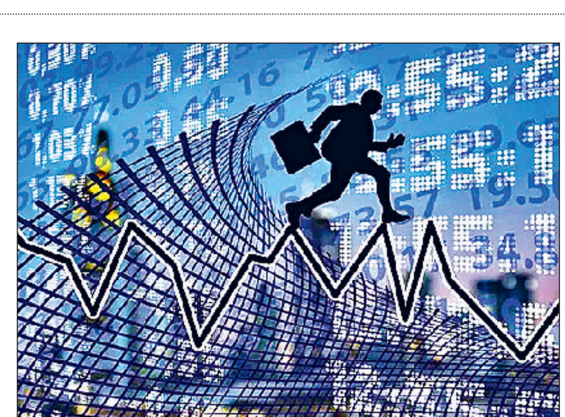

लम्प सम कैलकुलेटर

- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1 लाख रुपये
- ड्यूरेशन : 15 साल
- 15 साल में लम्प सम निवेश पर एनुअलाइज्ड रिटर्न : 22.29%
- 15 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू : 20,45,805 रुपये

एसबीआई कंजम्पशन अपॉर्च्यूनिटी फंड

एसबीआई कंजम्पशन अपॉर्च्यूनिटी फंड ने बीते 15 साल में एसआईपी करने वालों को एनुअलाइज्ड 20.07 फीसदी रिटर्न दिया है। वहीं लम्प सम निवेश पर 15 साल में 21.62 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न मिला है।

एसआईपी कैलकुलेटर

- 15 साल एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 20.07%
- अफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 50,000 रुपये
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- 15 साल में कुल निवेश : 18,50,000 रुपये
- 15 साल में एसआईपी की कुल वैल्यू : 1,03,92,787 रुपये

लम्प सम कैलकुलेटर

- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1 लाख रुपये
- ड्यूरेशन : 15 साल
- 15 वर्ष में लंप सम निवेश पर एनुअलाइज्ड रिटर्न : 21.62%
- 15 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू : 18,83,974 रुपये

एचडीएफसी मिडकैप अपॉर्च्यूनिटी फंड

एचडीएफसी मिडकैप अपॉर्च्यूनिटी फंड ने बीते 15 साल में एसआईपी करने वालों को एनुअलाइज्ड 21.68 फीसदी रिटर्न दिया है। वहीं, लम्प सम निवेश पर 15 साल में 21.46 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न मिला है।

एसआईपी कैलकुलेटर

- 15 साल एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 21.68%
- अफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 50,000 रुपये
- मंथली एसआईपी : 10,000 रुपये
- 15 साल में कुल निवेश : 18,50,000 रुपये
- 15 साल में एसआईपी की कुल वैल्यू : 1,20,37,003 रुपये

यूएस ओपन : वर्ल्ड नंबर-1 सिनर और फ्रिट्ज में होगा खिताबी मुकाबला

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर और अमेरिका के 12वीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ने संघर्षपूर्ण मुकाबलों में जीत दर्ज करके पहली बार अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में जगह बनाई। तीन हफ्ते से भी कम समय पहले डोपिंग मामले में बरी किए गए इटली के 23 वर्षीय सिनर ने ब्रिटेन के 25वीं वरीयता प्राप्त जैक ड्रेपर पर 7-5, 7-6 (3), 6-2 से जीत दर्ज की। फ्रिट्ज ने हम वतन अमेरिकी खिलाड़ी और यहां 20वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसिस टियाफो को पांच सेट तक चले कड़े मुकाबले में 4-6, 7-5, 4-6, 6-4, 6-1 से हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। जब कैलिफोर्निया के 26 वर्षीय फ्रिट्ज और मैरीलैंड के 26 वर्षीय टियाफो सेमीफाइनल मैच खेलने के लिए कोर्ट पर उतरे तो दर्शकों को भी समझ में नहीं आ रहा था कि वह किसका समर्थन करें।

सिनर ने 25वीं वरीय ड्रेपर को 7-5, 7-6 (3), 6-2 से हराया

18 साल में पहली बार कोई अमेरिकी खेलेगा फाइनल मैच

2006 के बाद पहला मौका है जबकि अमेरिका का कोई खिलाड़ी अमेरिकी ओपन के पुरुष एकल के फाइनल में पहुंचा है। फ्रिट्ज से पहले एंडी रोडिक इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले आखिरी अमेरिकी खिलाड़ी थे। वह तब फाइनल में रोजर फेडरर से हार गए थे। पुरुष एकल में अमेरिकी ओपन जीतने वाला अमेरिका का आखिरी खिलाड़ी भी रोडिक थे। उन्होंने 2003 में यह उपलब्धि हासिल की थी।

फ्रिट्ज ने 4-6, 7-5, 4-6, 6-4, 6-1 से दर्ज की जीत

की थी कड़ी मेहनत

'मैंने इसके लिए कड़ी मेहनत की थी। उसने बेसलाइन से शानदार खेल दिखाया लेकिन मैंने हौसला बनाए रखा। मैं खुद से कहता रहा कि अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाने का यही मौका है।

- टेलर फ्रिट्ज़

रॉडिक ने 2009 में भी किया था निराश

यह 2009 के बाद पहला मौका है जबकि अमेरिका का कोई पुरुष खिलाड़ी किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है। वह रॉडिक थे जो 2009 के विंबलडन फाइनल में पहुंचे थे जहां उन्हें फेडरर से हार का सामना करना पड़ा था। इसमें कोई संदेह नहीं कि रविवार को होने वाले फाइनल में दर्शकों का भरपूर समर्थन फ्रिट्ज़ को मिलेगा और ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन सिनर के लिए परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाना चुनौती होगी।

खबर संक्षेप

इंग्लैंड के चोटिल तेज गेंदबाज वुड बाहर

लंदन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड दाहिनी कोहनी की चोट के कारण इस साल होने वाले बाकी मैचों में नहीं खेल पाएंगे। इस तरह से वह अक्टूबर में पाकिस्तान और दिसंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। इंग्लैंड के सबसे तेज गेंदबाज वुड ने जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के दौरान अपनी कोहनी में दर्द महसूस किया था जिससे उन्हें गेंदबाजी करने में परेशानी हो रही थी। इस दर्द के बावजूद वह श्रीलंका के खिलाफ मैनचेस्टर में पहले टेस्ट मैच में खेले थे।

अंशुल नौवें और जारा 10वें स्थान पर रहे

मनीला। भारत की जारा आनंद ने एशिया पैसिफिक जूनियर गोल्फ चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष 10 में जगह बनाई। जारा 74-74-71 का कार्ड खेलकर संयुक्त 10वें स्थान पर रहीं जबकि भारत की एक अन्य खिलाड़ी कीर्तना राजीव नायर (81-75-72) ने संयुक्त 20वां स्थान हासिल किया। लड़कों के वर्ग में भी भारतीय खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया।

होकाटो दशमलव के बाद चंद अंकों (महज 0.41) के अंतर से रजत जीतने से चूके

सेमा ने जीता कांस्य, भारत की झोली में पेरिस पैरालंपिक से आया 27वां पदक

एजेंसी ▶▶| पेरिस

पेरिस पैरालंपिक 2024 में भारत को पूर्व सैनिक ने गौरवान्वित किया है। पुरुषों की शॉटपुट एफ57 स्पर्धा में होकाटो होटोजे सेमा ने अपने जीवन का सबसे शानदार प्रदर्शन किया। होकाटो ने 14.65 मीटर गोला फेंकने के साथ ही कांस्य पदक अपने नाम कर लिया। उनके अलावा इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक ईरान के खिलाड़ी यासिन खोसारवी ने जीता, जबकि ब्राजील के खिलाड़ी टीपी दोस संतोष ने रजत पदक अपने नाम करने में सफलता पाई। पदक तालिका में 7 स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य पदक समेत भारत के कुल 29 पदक हो चुके हैं। भारत 15वें नंबर पर है। शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात कांटे की टक्कर वाले फाइनल मुकाबले में ईरानी खिलाड़ी ने 15.96 मीटर गोला फेंक कर पैरालंपिक खेलों का नया रिकॉर्ड कायम कर दिया। सिल्वर मेडल जीतने वाले ब्राजील के खिलाड़ी ने 15.06 मीटर गोला फेंका। इसी स्पर्धा में भारत के एक अन्य भारतीय खिलाड़ी भी शीर्ष पांच में जगह बनाने में सफल रहा। पैरा एथलीट सोमन राणा 14.07 मीटर गोला फेंकने के साथ पांचवें नंबर पर रहे।

उत्साहित दिखे खिलाड़ी

मीलों दूर से पेरिस की सरजमीं पर आकर देश को पदक दिलाने वाले एथलीट अपने प्रदर्शन से बेहद उत्साहित दिखे। ब्राजीली खिलाड़ी ने जहां रजत पदक जीत देश का नाम बढ़ाया तो दूसरी तरफ ईरानी खिलाड़ी यासिन खोसारवी ने पैरालंपिक के इतिहास में अभूतपूर्व प्रदर्शन कर इन खेलों का नया रिकॉर्ड कायम कर दिखाया।

5 खिलाड़ियों ने फेंका 14 मीटर

शॉटपुट एफ57 का फाइनल मुकाबला कितना चुनौतीभरा रहा इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि भाग ले रहे कुल 12 खिलाड़ियों में फ्रांस, यमन, हैती और सोमालिया के खिलाड़ियों ने इस सीजन का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन दर्ज कराया, जबकि उज्बेकिस्तान के एथलीट वाई ओडिलोव ने अपना निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इनके अलावा अर्जेंटीना और फिनलैंड के खिलाड़ियों ने भी चुनौती पेश की। पदक विजेताओं के अलावा दो और खिलाड़ी ऐसे रहे जिन्होंने 14 मीटर की लाइन पार करने में सफलता पाई।

40 की उम्र में जीता पदक

40 साल के पैरा एथलीट होकाटो सेमा ने अपने प्रदर्शन से न केवल देश को गौरवान्वित किया है, बल्कि अपने जीवन से देश के तमाम युवाओं को भी प्रेरित किया है। उन्होंने 40 साल की आयु में जीवन का सबसे बेहतरीन खेल दिखाया और उम्र को केवल आंकड़ा भर सिद्ध कर दिखाया। कांस्य पदक जीतने वाले भारतीय एथलीट होकाटो दशमलव के बाद चंद अंकों (महज 0.41) के अंतर से रजत जीतने से चूक गए।

कुश्ती चैंपियनशिप

निकिता ने अंडर-20 विश्व कुश्ती में रजत और नेहा ने जीता कांस्य

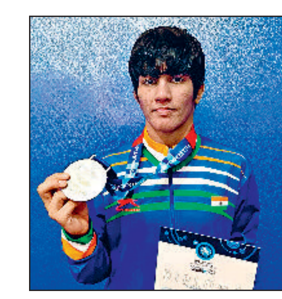

एजेंसी ▶▶| पोंटेवेद्रा

भारतीय पहलवान निकिता ने यहां अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में महिलाओं के 62 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक जीता, जबकि नेहा ने 57 किग्रा में कांस्य पदक हासिल किया, जिससे भारत इस प्रतियोगिता में कुल मिलाकर पांच पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

पिछले साल अंडर-20 एशियाई चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता निकिता फाइनल में यूक्रेन की पहलवान इरीना बोंदर से 1-4 से हार गईं। पिछले महीने अंडर-17 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली नेहा ने महिलाओं की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल में हंगरी की गेरडा टेरेक को 10-8 से हराकर कांस्य पदक जीता। भारत ने इस तरह से पांच पदकों (एक स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य) के साथ अपने अभियान का समापन किया। ज्योति बेरवाल ने इससे पहले महिलाओं की 76 किलोग्राम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था जबकि कोमल (महिला 59 किग्रा) और सृष्टि (महिला 68 किग्रा) ने कांस्य पदक हासिल किए थे। पिछले साल जॉर्डन के अम्मान में आयोजित की गई इस प्रतियोगिता में भारत ने चार स्वर्ण, तीन रजत और सात कांस्य पदक जीते थे।

तंबोली ने जीता युगल खिताब छत्तीसगढ़ बना टीम चैंपियन

योनेक्स सनराइज बैडमिंटन चैंपियनशिप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

योनेक्स सनराइज वेस्टजोन इंटर स्टेट बैडमिंटन चैंपियनशिप में सुजेय तंबोली और आयुष माखीजा ने सीनियर डबल्स वर्ग का खिताब जीता। यह टूर्नामेंट तीन से छह सितंबर तक आणंद, गुजरात में आयोजित किया गया जिसमें टीम इवेंट में छत्तीसगढ़ ने खिताब अपने नाम किया।

सीनियर इंडिविजुअल में छत्तीसगढ़ के रौनक चौहान ने स्वर्ण और हर्षित ठाकुर से रजत पदक जीता। हिरल चौहान के खाते में ब्रॉन्ज मेडल आया। मिक्स डबल्स में हिरल चौहान और आयुष मखीजा ने खिताब जीते। अंडर 19 वूमंस डबल्स में माही सेन और इशिका पोद्दार फाइनल हारे। सीनियर विमेंस डबल्स में माही सेन और करिश्मा खादीकार फाइनल हारे। अंडर 19 मेंस डबल्स में सौरव साहू और जयेश होशाबादे फाइनल जीते।

ब्राजील ने तीन हार के बाद दर्ज की पहली जीत

एजेंसी ▶▶| कूर्टिबा

रियल मैड्रिड के स्टार रोड्रिगो के पहले हाफ में किए गए गोल की मदद से ब्राजील ने इक्वाडोर को 1-0 से हराया जो उसकी 2026 में होने वाले फुटबॉल विश्व कप के दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में तीन मैच में हार के बाद पहली जीत है।

तेईस वर्षीय रोड्रिगो ने 30वें मिनट में गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ और ब्राजील पूरे अंक हासिल करने में सफल रहा। पांच बार का विश्व चैंपियन ब्राजील पिछले साल के आखिर में उरुग्वे, कोलंबिया और अर्जेंटीना से लगातार मैच हार गया था। इससे वह छह दौर के बाद तालिका में छठे स्थान पर था। सातवें दौर में इक्वाडोर पर जीत के बाद उसके 10 अंक हो गए हैं और वह चौथे स्थान पर पहुंच गया है। इससे पहले स्ट्राइकर लुइस सुआरेज़ उरुग्वे की तरफ से अपने आखिरी मैच में जीत के साथ विदाई नहीं ले पाए। उनकी टीम ने पराग्वे के खिलाफ मैच गोलरहित ड्रॉ खेला।

ओलंपिक के बाद नए सिरे से शुरुआत करेगा भारत

हुलुनबुइर। लगातार दूसरे ओलंपिक खेल में कांस्य पदक जीत कर उत्साह से भरी भारतीय पुरुष हॉकी टीम एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में रविवार को यहां जब मेजबान चीन के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी तो उसका पहला लक्ष्य अपने खिताब का बचाव करना होगा। भारत इस टूर्नामेंट में चैंपियन बनने के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा जहां उसका सामना चीन, जापान, पाकिस्तान, कोरिया और मलेशिया जैसी एशिया के शीर्ष टीमों से होगा। भारत ने पिछले साल घरेलू मैदान पर खिताब जीता था, जिससे वह टूर्नामेंट के इतिहास में चार खिताब जीतने वाली एकमात्र टीम बन गई। पेरिस ओलंपिक के बाद कुछ दिन का विश्राम लेने वाले भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह महाद्वीपीय चैंपियनशिप में अपना दबदबा जारी रखना चाहते हैं।

न्यायालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रायपुर

नोटिस

क्रमांक/185/ब-121/2023-24/33 — रायपुर, दिनांक 13 अगस्त,2024

प्रति,
1. श्रीमती मिथिलेश मिश्रा पति राजेन्द्र प्रसाद
2. राजेन्द्र प्रसाद मिश्रा व. शारदा प्रसाद
दोनो निवासी ओल्ड गुड़लक फैक्ट्री के पास प्रगति विहार संतोषी नगर, जिला रायपुर

आवेदक प्राधिकृत अधिकारी छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक शाखा भनपुरी रायपुर की ओर से मानवेन्द्र गुप्ता अधिवक्ता ने आवेदन पत्र/शपथपत्र मय दस्तावेज प्रस्तुत कर, आवेदन पत्र से अपने बैंक से 20,00,000,.00 रूपये का ऋण प्राप्त कर,राजेन्द्र प्रसाद मिश्रा के स्वामित्व की अचल संपत्ति बैंक के पक्ष में बंधक रखी। आपके द्वारा ऋण की अदायगी नही की जा रही है। जिसके कारण बैंक ने आपको अधिनियम की धारा 13 के तहत नोटिस जारी किया गया कि आप ऋण की अदायगी मय ब्याज एवं अन्य शुल्क रूपया 21,67,826.00 अदा करे, अन्यथा बंधक रखी गई संपत्ति बैंक अपने हक में प्राप्त कर लेगी कि जानकारी दी जाकर, बैंक के पक्ष में आपके द्वारा लिये गये ऋण के एवज में बंधक रखी संपत्ति का कब्जा दिलाये जाने का निवेदन किया है।

अपने प्राधिकृत अधिकारी छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक शाखा भनपुरी रायपुर से 20,00,000.00 रूपये का ऋण प्राप्त कर मौजा टिकरापारा,रायपुर स्थित ख. नं.185/129 रकबा 1005 वर्गफुट बैंक के पक्ष में बंधक रखा है।

अतः आपके द्वारा लिये गये ऋण के एवज में उपरोक्त बंधक रखी गई अचल संपत्ति को वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये क्यों न आधिपत्य में लेने की कार्यवाही की जावे। आप स्वयं अथवा अपने नियुक्त अभिभाषक के माध्यम से ऋण से संबंधित अस्तावेज लेकर पक्ष प्रस्तुत करने हेतु इस न्यायालय में पेशी दिनांक 23.09.2024 को ठीक 3:00 बजे उपस्थित होना सुनिश्चित करे। नियत तिथि में उपस्थित नही होने की दशा में आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर, प्रकरण में निर्णय ले लिया जावेगा।

आज दिनांक 13 अगस्त,2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर — न्यायालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, रायपुर

न्यायालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रायपुर

नोटिस

क्रमांक/186/ब-121/2023-24/32 — रायपुर, दिनांक 13 अगस्त,2024

प्रति,
सतीश तिवारी व. मथुरा प्रसाद
गुप्ता किराना स्टोर के पास परशुराम नगर प्रोफेसर कॉलोनी जिला रायपुर

आवेदक प्राधिकृत अधिकारी छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक शाखा शंकर नगर रायपुर की ओर से मानवेन्द्र गुप्ता अधिवक्ता ने आवेदन पत्र/शपथपत्र मय दस्तावेज प्रस्तुत कर, आवेदन पत्र से अपने बैंक से 20,00,000,.00 रूपये का ऋण प्राप्त कर, आपके स्वामित्व की अचल संपत्ति बैंक के पक्ष में बंधक रखी। आपके द्वारा ऋण की अदायगी नही की जा रही है। जिसके कारण बैंक ने आपको अधिनियम की धारा 13 के तहत नोटिस जारी किया गया कि आप ऋण की अदायगी मय ब्याज एवं अन्य शुल्क रूपया 22,70,298.00 अदा करे, अन्यथा बंधक रखी गई संपत्ति बैंक अपने हक में प्राप्त कर लेगी कि जानकारी दी जाकर, बैंक के पक्ष में आपके द्वारा लिये गये ऋण के एवज में बंधक रखी संपत्ति का कब्जा दिलाये जाने का निवेदन किया है।

अपने प्राधिकृत अधिकारी छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक शाखा शंकर नगर रायपुर से 10,00,000.00 रूपये का ऋण प्राप्त कर मौजा कुशालपुर प.ह.नं.106/30 रायपुर स्थित ख.नं.1576/30 रकबा 426 वर्गफुट बैंक के पक्ष में बंधक रखा है।

अतः आपके द्वारा लिये गये ऋण के एवज में उपरोक्त बंधक रखी गई अचल संपत्ति को वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये क्यों न आधिपत्य में लेने की कार्यवाही की जावे। आप स्वयं अथवा अपने नियुक्त अभिभाषक के माध्यम से ऋण से संबंधित अस्तावेज लेकर पक्ष प्रस्तुत करने हेतु इस न्यायालय में पेशी दिनांक 23.09.2024 को ठीक 3:00 बजे उपस्थित होना सुनिश्चित करे। नियत तिथि में उपस्थित नही होने की दशा में आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर, प्रकरण में निर्णय ले लिया जावेगा।

आज दिनांक 13 अगस्त,2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर — न्यायालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, रायपुर

न्यायालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रायपुर

नोटिस

क्रमांक/145/ब-121/2023-24/36 — रायपुर, दिनांक 13 अगस्त,2024

प्रति,
जितेन्द्र देवांगन
पिता श्री विश्राम देवांगन
निवासी म.नं.-347 अयोध्या नगर, न्यू चंगोराभाठा, रायपुर

आवेदक प्राधिकृत अधिकारी छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक शाखा संतोषी नगर रायपुर की ओर से मानवेन्द्र गुप्ता अधिवक्ता ने आवेदन पत्र/शपथपत्र मय दस्तावेज प्रस्तुत कर, आवेदन पत्र से अपने बैंक से 12,00,000,.00 रूपये का ऋण प्राप्त कर,आपके स्वामित्व की अचल संपत्ति बैंक के पक्ष में बंधक रखी। आपके द्वारा ऋण की अदायगी नही की जा रही है। जिसके कारण बैंक ने आपको अधिनियम की धारा 13 के तहत नोटिस जारी किया गया कि आप ऋण की अदायगी मय ब्याज एवं अन्य शुल्क रूपया 17,79,019.00 अदा करे, अन्यथा बंधक रखी गई संपत्ति बैंक अपने हक में प्राप्त कर लेगी कि जानकारी दी जाकर, बैंक के पक्ष में आपके द्वारा लिये गये ऋण के एवज में बंधक रखी संपत्ति का कब्जा दिलाये जाने का निवेदन किया है।

अपने प्राधिकृत अधिकारी छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक शाखा संतोषी नगर रायपुर से 12,00,000.00 रूपये का ऋण प्राप्त कर मौजा चंगोराभाठा,प.ह.नं.104/57 रायपुर स्थित ख.नं.677 रकबा 500 वर्गफुट बैंक के पक्ष में बंधक रखा है।

अतः आपके द्वारा लिये गये ऋण के एवज में उपरोक्त बंधक रखी गई अचल संपत्ति को वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये क्यों न आधिपत्य में लेने की कार्यवाही की जावे। आप स्वयं अथवा अपने नियुक्त अभिभाषक के माध्यम से ऋण से संबंधित अस्तावेज लेकर पक्ष प्रस्तुत करने हेतु इस न्यायालय में पेशी दिनांक 23.09.2024 को ठीक 3:00 बजे उपस्थित होना सुनिश्चित करे। नियत तिथि में उपस्थित नही होने की दशा में आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर, प्रकरण में निर्णय ले लिया जावेगा।

आज दिनांक 13 अगस्त,2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर — न्यायालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, रायपुर

न्यायालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रायपुर

नोटिस

क्रमांक/418/ब-121/2022-23/39 — रायपुर, दिनांक 13 अगस्त,2024

प्रति,
श्रीमती निखत हुसैन
पति श्री जाकिर हुसैन
निवासी 34/554 अकबर मंजिल बैरनबाजार
छ.ग. कॉलेज के पास जिला रायपुर

आवेदक प्राधिकृत अधिकारी छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक महादेव घाट रोड सुंदर नगर रायपुर की ओर से अविनाश कुमार अधिवक्ता ने आवेदन पत्र/शपथपत्र मय दस्तावेज प्रस्तुत कर, आवेदन पत्र से आपको बैंक ने 23,00,000,.00 रूपये का ऋण दिया था, और आपके स्वामित्व की अचल संपत्ति बैंक के पक्ष में बंधक रखी गयी है। आपके द्वारा ऋण की अदायगी नही की जा रही है। जिसके कारण बैंक ने आपको अधिनियम की धारा 13 के तहत नोटिस जारी किया गया कि आप ऋण की अदायगी मय ब्याज एवं अन्य शुल्क रूपया 28,75,296.00 अदा करे, अन्यथा बंधक रखी गई संपत्ति बैंक अपने हक में प्राप्त कर लेगी कि जानकारी दी जाकर, बैंक के पक्ष में आपके द्वारा लिये गये ऋण के एवज में बंधक रखी संपत्ति का कब्जा दिलाये जाने का निवेदन किया है।

अपने प्राधिकृत अधिकारी छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक महादेव घाट रोड सुंदर नगर रायपुर से 23,00,000.00 रूपये का ऋण प्राप्त कर मौजा टाटीबंध प.ह.नं.34 रायपुर स्थित विनायक रेजीडेंसी में फ्लैट नं. ए-302 रकबा 1060 वर्गफुट बैंक के पक्ष में बंधक रखा है।

अतः आपके द्वारा लिये गये ऋण के एवज में उपरोक्त बंधक रखी गई अचल संपत्ति को वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये क्यों न आधिपत्य में लेने की कार्यवाही की जावे। आप स्वयं अथवा अपने नियुक्त अभिभाषक के माध्यम से ऋण से संबंधित अस्तावेज लेकर पक्ष प्रस्तुत करने हेतु इस न्यायालय में पेशी दिनांक 30.09.2024 को ठीक 3:00 बजे उपस्थित होना सुनिश्चित करे। नियत तिथि में उपस्थित नही होने की दशा में आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर, प्रकरण में निर्णय ले लिया जावेगा।

आज दिनांक 13 अगस्त,2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर — न्यायालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, रायपुर

आधिपत्य सूचना

HDFC BANK

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड
शाखा : अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर
Tel: 0771-4243149/240 CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

जबकि एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश के तहत माननीय एनसीएलटी–मुंबई द्वारा अनुमोदित सम्मेलन की एक योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी), प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण के तहत वित्तीय संपत्ति और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 ('उक्त अधिनियम') और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए धारा 13(2) के तहत डिमांड नोटिस जारी किए गए। उक्त अधिनियम के तहत, निम्नलिखित उधारकर्ताओं/कानूनी उत्तराधिकारियों और कानूनी प्रतिनिधियों से आव्हान किया गया है कि वे अपने संबंधित नामों के सामने उल्लेखित राशि का भुगतान उक्त नोटिस में उल्लेखित लागू दरों पर ब्याज सहित करें। उक्त नोटिस/नोटिस की तारीख से 60 दिन, आकस्मिक खर्च, लागत, शुल्क आदि भुगतान और/या वसूली की तारीख तक।

क्रं.	ऋणी (ओं) के नाम/ कानूनी वारिस (ओं) एवं कानूनी प्रतिनिधि (यों)	बकाया राशि*	मांग सूचना की दिनांक	आधिपत्य दिनांक	अचल संपत्ति (यों) का विवरण
01.	**श्री अग्रवाल मनीष, श्री अग्रवाल रोहित, श्रीमती अग्रवाल नीतू,** यूनिट–143, क्रेस्ट ग्रीन्स, स.क्र., (खसरा नं. 18 से 38 159, 161, 170 से 178, 180, 780 से 789, 798 का भाग), ग्राम–कोटा एवं ग्राम– चिरहुलडीह, तहसील एवं जिला – रायपुर, छ.ग., पिन–492010. **अन्य पताः**– 5/207, राठौड़ चौक, रामसागर पारा, रायपुर– छत्तीसगढ़, पिन–492001–भारत. **अन्य पताः–मेसर्स होटल राधे इन,** रामसागरपारा, रायपुर, रायपुर–492001.	₹2,05,03,638/- दिनांक 31 मार्च 2024* तक	29-Apr-24	02-Sep.-2024 (सांकेतिक कब्जा)	यूनिट–143, क्रेस्ट ग्रीन्स, स.क्र., (खसरा नं. 18 से 38 159, 161, 170 से 178, 180, 780 से 789, 798 का भाग), ग्राम–कोटा एवं ग्राम– चिरहुलडीह, तहसील एवं जिला – रायपुर.

*भुगतान और/या वसूली की तारीख तक लागू अतिरिक्त ब्याज, आकस्मिक व्यय, लागत, शुल्क आदि के साथ।
हालाँकि, चूँकि ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी और कानूनी प्रतिनिधि देय राशि चुकाने में विफल रहे हैं, इसलिए ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों और कानूनी प्रतिनिधियों को विशेष रूप से और सामान्य रूप से जनता को नोटिस दिया जाता है कि एचडीएफसी के प्राधिकृत अधिकारियों ने धारा 13(4) के तहत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ऊपर वर्णित अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति(यों) पर कब्ज़ा कर लिया है। उक्त अधिनियम ऊपर उल्लेखित तिथियों पर उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पढ़ा जाता है।
विशेष रूप से ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी और कानूनी प्रतिनिधि और सामान्य रूप से जनता को आगाह किया जाता है कि वे उपरोक्त अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) के साथ लेनदेन न करें और उक्त अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) के साथ कोई भी लेनदेन एचडीएफसी के बंधक के अधीन होगा।
उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि का ध्यान सुरक्षित संपत्ति को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा 8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।
निकाले गए पंचनामा और बनाई गई सूची की प्रतियां अधोहस्ताक्षरी के पास उपलब्ध है, और उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे सामान्य कार्यालय समय के दौरान किसी भी कार्य दिवस पर अधोहस्ताक्षरी से संबंधित प्रति प्राप्त करें।

स्थान–रायपुर, दिनांक : 08.09.2024

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड के लिए
वास्ते
प्राधिकृत अधिकारी

रजिस्टर्ड ऑफिस : एच.डी.एफ.सी. बैंक हाऊस, सेनापती बापत मार्ग, लोअर परेल (पश्चिम), मुम्बई–400013

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक

CRGB — हमेशा आपके साथ

क्षेत्रीय कार्यालयः महादेव घाट रोड, सुंदरनगर, रायपुर (छ.ग.)
Mob:6232032095 I Tollfree 1800-233-2300, (PIN 492013)
E-mail:npa.ro.rai@cgbank.in I Web: www.cgbank.in

नियम- 8(1) कब्जा नोटिस (अचल संपत्ति)

जबकि (Whereas) वित्तीय अस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत एवं धारा 13(2) सहपठित प्रतिभूति-हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के निम्न अधोहस्ताक्षरकर्ता प्राधिकृत अधिकारी ने मांग सूचना पत्र जारी किया था, जिसमे निम्निलिखित उधार लेने वालों को उल्लेखित राशि ब्याज सहित नोटिस पावती की तारीख से 60 दिनों के भीतर भुगतान करने के लिये कहा गया था-

क्रं.	ऋणी का नाम एवं जमानतदार का नाम शाखा का नाम	अचल संपत्ति का विवरण	मांग सूचना एवं राशि (रु. में)	आधिपत्य की तिथि
1.	ऋणीः-1) श्री पुनीत राम कुर्रे पिता लुडगु कुर्रे **शाखा- हीरापुर मो.-6232032013**	श्रीमती पुनीत राम कुर्रे की बंधक संपत्ति (भवन) का विवरणः- मौजाः- ख.क्र.-279/7, प.ह.नं.- 11/138, गुढ़ियारी तहसील एवं जिला- रायपुर (छ.ग.)। कुलक्षेत्रफलः-342 वर्गफीट। चौहद्दीः- उत्तर- मनोज की संपत्ति, दक्षिण- रास्ता , पूर्व- रास्ता, पश्चिम- रामू की संपत्ति।	03.05.2024, रू.2,85,535/-+ ब्याज + अन्य व्यय	03.09.2024
2.	ऋणीः-1) श्रीमती बाचला किरण पल्लीवार पति बाचला श्रीनिवास पल्लीवार 2) श्री बाचला श्रीनिवास पल्लीवार पिता बाचला नारायण दास पल्लीवार **शाखा- पुरानीबस्ती मो.-8462898222**	श्रीमती बाचला किरण पल्लीवार पति बाचला श्रीनिवास पल्लीवार की बंधक संपत्ति (प्लॉट) का विवरणः- मौजाः- ख.क्र.-15001/197 प्लाट नं.- 479,480 एवं 481 प.ह.नं.- 20 रा.नि.म.-धरसींवा, जी के टाउनशिप ग्राम- सिलतरा तहसील एवं जिला रायपुर (छ.ग.)। कुलक्षेत्रफलः-750*3 = 2250 वर्गफीट। चौहद्दीः-उत्तर-प्लाट नं.- 478, दक्षिण-प्लाट नं.-482, पूर्व- रास्ता, पश्चिम-प्लाट नं.-522 से 524	08.02.2024, रू.19,15,603/-+ ब्याज + अन्य व्यय	03.09.2024
3.	ऋणीः-1) श्रीमती स्मिता दास पति सुदर्शन दास **शाखा- सरायपाली मो.-9939301392**	श्रीमती स्मिता दास पति सुदर्शन दास की बंधक संपत्ति (भवन) का विवरणः- मौजाः- ख.क्र.-1210/2, ग्राम - रूढ़ा पो. पैकिन तहसील सरायपाली एवं जिला रायपुर (छ.ग.)। कुलक्षेत्रफलः-4304 वर्गफीट। चौहद्दीः-उत्तर-रंजीत सोना का मकान, दक्षिण-रास्ता, पूर्व- सरस्वती का मकान, पश्चिम-रास्ता	02.04.2024, रू.14,20,567/-+ ब्याज + अन्य व्यय	04.09.2024

उपरोक्तानुसार उल्लिखित ऋणियों द्वारा राशि भुगतान करने में असफल हो जाने पर ऋणियों को और आम जनता को एतत द्वारा नोटिस दिया जाता है कि उपरोक्त कथित एक्ट की धारा 13(4) के तहत उक्त पठित नियम हस्ताक्षरकर्ता ने उपरोक्तानुसार वर्णित संपत्ति को आधिपत्य की तिथि को अपने कब्जे में ले लिया है। ऋणियों को विशेष रूप से एवं आम जनता को एतत द्वारा सावधान किया जाता है कि उक्त संपत्ति के बाबत किये गये कोई भी व्यव्हार पर छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के उपरोक्त राशि एवं उस पर ब्याज के अधीन भर (CHARGE) होगा।

दिनांक-06/09/2024,
स्थान-रायपुर

प्राधिकृत अधिकारी
छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक
क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर (छ.ग.)

चंद्रग्रहण के दिन अद्भुत नजर आएगा चांद, फुल हार्वेस्ट मून का दिखेगा पूरा असर

वॉशिंगटन। सितम्बर के महीने में कई महत्वपूर्ण खगोलीय घटनाएं होने वाली हैं, इनमें से एक फुल हार्वेस्ट मून होगी। वैसे तो सभी पूर्णिमा अपने आप में खास होती है, लेकिन इस महीने होने वाला सुपर हार्वेस्ट मून विशेष रूप से उल्लेखनीय होगा। सुपरमून होने के साथ ही 17 सितम्बर की पूर्णिमा को आंशिक चंद्रग्रहण भी होने जा रहा है। स्पेस डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनसार, फुल हार्वेस्ट मून के दौरान लगने वाला आंशिक चंद्रग्रहण उत्तरी अमेरिका के अधिकांश हिस्सों, पूरे दक्षिण अमेरिका, यूरोप में देखा जा सकेगा। इसके साथ ही यह अफ्रीका के पूर्वी भागों को छोड़कर बाकी हिस्से, एशिया और रूस के पश्चिमी भाग और अंटार्कटिका के कुछ हिस्सों में दिखाई देगा। सुपरमून या हार्वेस्ट मून कोई खगोलीय शब्द नहीं है। यह उस पूर्णिमा को कहा जाता है जो शरद विषुव के करीब होती है। इस वजह से चंद्रमा पृथ्वी के सबसे करीब होता है, जिसके चलते इस समय यह आकाश में सामान्य की तुलना में थोड़ा बड़ा दिखाई दे सकता है।

मिस्र नहीं, सूडान में हैं सबसे ज्यादा पिरामिड

मिस्र। साइंस अलर्ट वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार मिस्र से सटे हुए सूडान में सबसे ज्यादा पिरामिड पाए जाते हैं। मिस्र में 138 पिरामिड हैं, वहीं सूडान में 200 से 255 पिरामिड मौजूद हैं। हालांकि, सूडान के पिरामिड को प्राचीन मिस्र वासियों ने नहीं बनाया था, जो दक्षिण की ओर यात्रा करने गए थे। माना जाता है कि सूडान में मौजूद पिरामिड को कुश साम्राज्य के लोगों ने बनाया था। ये एक प्राचीन सभ्यता थी जो 1070 ईसा पूर्व से 350 एडी के बीच नील नदी के पास रहा करती थी। दोनों ही सभ्यताएं अपने प्रियजनों को दफनाने के लिए पिरामिड का निर्माण किया करते थे। दोनों पिरामिड्स के साइज में काफी फर्क है।

मेक्सिको में है सबसे बड़ा पिरामिड

मिस्र में न ही सबसे ज्यादा पिरामिड हैं और न ही सबसे बड़े पिरामिड हैं, क्योंकि सबसे बड़ा पिरामिड देखने के लिए मेक्सिको के चोलूला जाना पड़ेगा, जहां ग्रेट पिरामिड मौजूद है। ये पिरामिड एक पहाड़ के अंदर छुपा हुआ है। वैज्ञानिक अब सूडान के पिरामिड के बारे में ज्यादा रिसर्च कर रहे हैं, जिससे पता लग पाए कि जिस शहर में वो मौजूद हैं, वहां पहले क्या हुआ करता था।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com